CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 10 अंक : 207 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, गुरूवार 21 अगस्त, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 2 रुपए+st ■ पृष्ठ : 8+st

जयपुर और दिल्ली के बीच मजबूत पुल तैयार कर रहे हैं भजनलाल शर्मा

राधाकृष्णन के नामांकन के समय भी मौजूद रहे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात का दौर जारी, प्रधानमंत्री सड़क योजना को लेकर भी है गंभीर, प्रदेश के सांसदों से भी की अपील

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लगातार दिल्ली में बुधवार को दूसरे दिन भी केंद्र सरकार के कई मंत्रियों से मुलाकात की और सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन भरने के दौरान भी राजस्थान के सभी सांसदों को साथ लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मौके पर मौजूद रहे । मंगलवार से ही भजन लाल शर्मा दिल्ली में काफी व्यस्त दिख रहे हैं मंगलवार को दिल्ली पहुंचने के तुरंत बाद से ही उन्होंने केंद्र सरकार के मंत्रियों से एक-एक करके मुलाकात करने का सिलसिला शुरू किया जो बुधवार तक जारी रहा भजनलाल शर्मा ने मंगलवार की देर रात तक केंद्र सरकार के कई मंत्रियों से अलग-अलग मुलाकात की और मुलाकात के दौरान उन्होंने राजस्थान के चहुमुखी विकास और राजस्थान की कई बड़ी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र से ज्यादा से ज्यादा फंडिंग हासिल करने पर अपना पूरा फोकस रखा, चाहे प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत केंद्र से पैसा मिलने की बात हो या फिर ईस्टर्न कैनल योजना के लिए और पैसा लेने की बात हो इस तरह की कई अन्य बड़ी योजनाओं के लिए संबंधित केंद्रीय मंत्रियों के समक्ष दमदार तरीके से राजस्थान का पक्ष रखकर शेष खबर पृष्ठ संख्या 3 पर...

भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के सांसदों से भी केंद्र से राजस्थान के लिए फंडिंग दिलाने के प्रयासों में और तेजी लाने को कहा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के लोकसभा और राज्यसभा से ताल्लुक रखने वाले सांसदों के साथ विशेष बैठक आयोजित की और सांसदों से कहा कि सदन में राजस्थान की समस्याओं, योजनाओं और राजस्थान की मांग को जोरदार तरीके से उठते रहे और राजस्थान को केंद्र सरकार से ज्यादा से ज्यादा फंडिंग दिलाने के प्रयासों में अपनी ओर से कोई कसर बाकी ना छोड़े क्योंकि राजस्थान की जनता ने उन्हें उनके हितों की रक्षा के लिए दिल्ली भेजा है शर्मा ने सांसदों से कहा कि केंद्र सरकार के मंत्रियों से नियमित रूप से मुलाकात करते रहें और प्रदेश की योजनाओं और समस्याओं का जिक्र करके प्रदेश को ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद दिलाने में बड़ी भूमिका निभाएं और अपनेखुद के निर्वाचन क्षेत्र के विकास कार्यों और योजनाओं को लेकर भी केंद्र से फंडिंग और स्वीकृति लेने में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात नियमित रूप से करते रहें द्य इस बैठक में मोदी मंत्रिमंडल में शामिल अर्जुन मेघवाल, भूपेंद्र यादव, भागीरथ चौधरी और रवनीत सिंह बिट्टू भी शामिल रहे

प्रधानमंत्री सड़क योजना और ईस्टर्न कैनल योजना को लेकर भजनलाल है सबसे ज्यादा गंभीर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा यह अच्छी तरह से जानते हैं कि केंद्र सरकार की ओर से संचालित प्रधानमंत्री सड़क योजना राजस्थान के विकास के लिए वरदान बन सकती है क्योंकि इस योजना के बेहतर तरीके के क्रियान्वयन से प्रदेश में हर गांव और ढाणी में सड़क का निर्माण होने से राजस्थान एक अलग लुक में दिखेगा प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा स्टेट हाईवे और नेशनल हाईवे, रिंग रोड बनने से प्रदेश के विकास को और गति मिल सकेगी इसलिए प्रधानमंत्री सड़क योजना को लेकर भजनलाल शर्मा काफी सीरियस है इसलिए इस योजना का भरपूर फायदा उठाने के लिए भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के सांसदों को भी कहा है और खुद भी प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा सड़कों के निर्माण को लेकर दिल्ली में राजस्थान का मजबूती से पक्ष रखते रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि जब राजस्थान में बेहतर सड़के होने से राजस्थान में औद्योगिक माहौल भी अच्छा बनेगा मुख्यमंत्री शर्मा इस बात से अच्छी तरह से वाकिफ है कि अटल बिहारी वाजपेई सरकार के समय राजस्थान में सड़कों का जो निर्माण हुआ था वह काफी अद्भुत और ऐतिहासिक था इसलिए वाजपेई सरकार के शासनकाल में सड़कों का नया माहौल राजस्थान में देखने को मिला था वैसा ही सड़कों का माहौल बनाने के लिए भजन लाल शर्मा भरपूर प्रयास कर रहे हैं इसी तरह से मुख्यमंत्री शर्मा ईस्टर्न कैनल योजना को लेकर भी काफी सीरियस है इस योजना के तहत राजस्थान में कई जगहों पर प्रोजेक्ट का काम युद्ध स्तर पर जारी है इसलिए इस योजना की फंडिंग नियमित रूप से केंद्र से राजस्थान को मिलती रहे इस बाबत भी भजनलाल शर्मा केंद्रीय मंत्री पाटिल से नियमित रूप से मिलते रहते हैं ।

सीपी राधाकृष्णन ने नामांकन भरा, नरेंद्र मोदी बने पहले प्रस्तावक

नामांकन के दौरान एनडीए के करीब 160 सांसद रहे मौजूद, भाजपा और सहयोगी दलों के सभी बड़े नेताओं की भी रही मौजूदगी

जयपुर(कासं.) उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को संसद परिसर में अपना नामांकन प्रस्तुत किया । राधा कृष्ण ने नामांकन के चार सेट प्रस्तुत किये है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राधाकृष्णन के पहले प्रस्ताव बने इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गृहमंत्री अमित शाह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, चिराग पासवान, संजय झा सहित केंद्र सरकार के कई मंत्री और एनडीए के करीब 160 सांसद मौजूद रहे नामांकन भरने से पहले सीपी राधाकृष्णन ने संसद परिसर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के आगे नमन किया और सांसद परिषद में ही स्थित प्रेरणा स्थल पर मौजूद कई दिवंगत हस्तियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।जानकारी के अनुसार राधाकृष्णन की जीत करीब तय मानी जा रही है क्योंकि एनडीए के सभी सहयोगी दलों की सहमति के आधार पर ही राधा कृष्ण को उम्मीदवार बनाया गया है और एनडीए के पास पूरा बहुमत भी है लेकिन इंडिया गठबंधन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद इंडिया गठबंधन को ऐसा लग रहा है कि एनडीए के सांसद कहीं ना कहीं क्रॉस वोटिंग कर सकते हैं जिसका फायदा सुदर्शन रेड्डी को मिल सकता है जानकारी के अनुसार सुदर्शन रेड्डी आगामी 21 अगस्त को अपना नामांकन प्रस्तुत करेंगे 21 अगस्त नामांकन प्रस्तुत करने की आखिरी तारीख है हालांकि सुदर्शन रेड्डी दिल्ली में है और हो सकता है नामांकन प्रस्तुत करने से पहले सुदर्शन रेड्डी इंडिया गठबंधन के सांसदों से बातचीत कर सकते हैं इसके अलावा कहीं ना कहीं एनडीए के सांसदों को भी शायद सुदर्शन रेड्डी विश्वास में लेने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करें क्योंकि सुदर्शन रेड्डी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज रह चुके हैं इसके अलावा आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के जज भी रह चुके हैं और एक अच्छे वकील भी रहे हैं इसलिए उन्हें ऐसा लगता है कि उनके व्यक्तित्व को देखते एनडीए के सांसद उन्हें वोट करें। अब देखने वाली बात यह है कि उपराष्ट्रपति पद पर किसकी जीत होती है लेकिन माना यही जा रहा है कि एनडीए के पास पूरा बहुमत है और एनडीए इस चुनाव को लेकर पूरी तरह से एकजुट है इसलिए राधाकृष्णन की जीत निश्चित है ।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री को पद से हटाने वाले बिल को लेकर लोकसभा में हंगामा, बिल जेपीसी को सुपुर्द

कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी पर अन्य विपक्षी दलों ने किया भारी विरोध, गृहमंत्री अमित शाह ने कहा जब गुजरात में मंत्री रहते मुझ पर आरोप लगे तो मैंने खुद आगे बढ़कर मंत्री पद छोड़ा, इस विधेयक से भ्रष्टाचार खत्म होगा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) लोकसभा में बुधवार को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री को पद से हटाए जाने वाले बिल को लेकर विपक्षी दल के सांसदों ने काफी हंगामा मचाया, सांसदों ने गृहमंत्री अमित शाह के माइक को मरोड़ दिया और बिल को फाड़ कर अमित शाह की ओर फेंका, विपक्ष के सदस्य गैलरी में आकर नारेबाजी करने लगे, कुछ गुस्साए सांसद अमित शाह की ओर तेजी से बढ़ने लगे इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के सांसदों ने अमित शाह का बीच बचाव किया, स्पीकर ओम बिरला के बार-बार आग्रह करने के बावजूद भी विपक्षी दलों के सांसद शांत नहीं हुए और जोर-जोर से चिल्लाने लगे मौके पर तनाव के हालात देखते हुए स्पीकर ने लोकसभा की कार्रवाई बुधवार 3.00 बजे तक स्थगित भी कर दी बाद में स्पीकर ओम बिरला ने इस बिल को 21 सदस्यों की जेपीसी के समक्ष भेज दिया, जेपीसी के समक्ष बिल को भेजने के दौरान स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि राजनीति

में सुचिता जरूरी है और इस तरह केवल इमानदारी की राजनीति के लिए जरूरी है । गृहमंत्री अमित शाह ने बिल को लेकर नाराजगी जाहिर कर रहे विपक्ष के सांसदों से कहा कि जब वह गुजरात के मंत्री थे उस समय उन पर झूठे आरोप लगे थे लेकिन इसके बावजूद भी उन्होंने आगे बढ़कर उस समय मंत्री पद छोड़ा और बाद में जब न्यायालय ने उन्हें क्लीन चिट दी उसके बाद उन्होंने विधि विधान और कानून की पालना करते हुए मंत्री पद स्वीकार किया उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र में जेल में रहकर सरकार चलाना ठीक नहीं है, देश में पहले ऐसा देखा गया जब लोग जेल से ही कई दिनों तक सरकार चलाते रहे बुधवार को अमित शाह ने तीन बिल संसद में प्रस्तुत किया जिसमें 130 वां संविधान संशोधन बिल भी शामिल था, बिल में साफ लिखा गया था कि गंभीर अपराधों में कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, या कोई मंत्री 30 दिन तक पुलिस की हिरासत में रहे और 5 साल या इससे अधिक साल की सजा के दायरे में आए उसे मंत्री पद छोड़ना पड़ेगा, जैसे ही यह बिल अमित शाह ने सदन की पटल पर रखा सबसे पहले तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने बिल का जोरदार विरोध किया और नारेबाजी करने लगे, कल्याण बनर्जी को देखकर कांग्रेस पार्टी के अन्य सांसद भी इस अमेंडमेंट के विरोध में जोर-जोर से नारेबाजी करने लगे और कांग्रेस के वेणुगोपाल ने बिल के प्रति को फाड़ दिया और अतीत के टुकड़े अमित शाह की ओर फेंक दिया वेणुगोपाल को देखकर विपक्ष के अन्य कई सांसदों ने अमेंडमेंट के प्रति को फाड़ दिया, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव नारेबाजी करते हुए सदन की गैलरी में आ गए इस दौरान विपक्ष के सभी सांसद सामूहिक रूप से जोर-जोर से नारेबाजी करते रहे हालांकि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला बार-बार विपक्ष के सदस्यों को शांत करने की हिदायत देते रहे लेकिन विपक्ष के सांसद नहीं माने और सदन में हंगामा मचाते रहे इस दौरान कुछ विपक्ष के सांसद गुस्से में आकर अमित शाह की ओर बढ़ने लगे, कांग्रेस के वेणुगोपाल ने अमित शाह के माइक को मरोड़ दिया इस दौरान भाजपा सांसद किरण रिजू और दो-तीन अन्य भाजपा सांसदों ने अमित शाह का बचाव किया बार-बार ठोस हिदायत देने के बावजूद भी विपक्ष के सांसदों का शोरगुल जारी रहा और मौके पर तनाव जैसे हालात पैदा हो गए इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्रवाई को बुधवार शेष खबर पृष्ठ संख्या 3 पर...

दीया कुमारी की पहल, एस्ट्रोटूरिज्म में अग्रणी बनेगा राजस्थान

23 अगस्त को जंतर मंतर पर होगा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन, होगा लाइव खगोलीय अवलोकन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) राजस्थान एस्ट्रोटूरिज्म के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की ओर कदम बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में आगामी 23 अगस्त को जयपुर स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल जंतर मंतर पर राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम राजस्थान पर्यटन विभाग और स्पेस इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में होगा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी। पर्यटन विभाग की आयुक्त रुक्मणि रियाड़ ने बताया कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात में व्यक्त विजन और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य राजस्थान को वैश्विक मानचित्र पर एस्ट्रोटूरिज्म का केंद्र स्थापित करना है। इस वर्ष की थीम प्राचीन आकाश से अंतरिक्ष युग तक रखी गई है, जो भारत की प्राचीन खगोल परंपरा और आधुनिक अंतरिक्ष उपलब्धियों को जोड़ने का कार्य करेगी। स्पेस इंडिया के संस्थापक व सीएमडी डॉ. सचिन भांभा ने बताया कि इस आयोजन में पहली बार जंतर मंतर के प्राचीन यंत्रों

का उपयोग लाइव खगोलीय अवलोकन के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम में भारत की महान खगोल विद्या और आधुनिक अंतरिक्ष उपलब्धियों चंद्रयान से लेकर गगनयान तक को एक सूत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। जंतर मंतर से चंद्रयान तक, इंटरैक्टिव साइंस जोन सुरक्षित सूर्यावलोकन, सौरमंडल वॉक मॉडल, स्पेस क्विज, वॉटर रॉकेट लॉन्च, बच्चों के लिए स्पेस थीम आर्ट और क्राफ्ट, एग्जीबिशन भारत में अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य, लाइव टेलिस्कोप से अवलोकन रात में चंद्रमा, शनि, बृहस्पति, गैलेक्सी और तारामंडल जैसे कई आयोजन होंगे। इस मौके पर राजस्थान से इसरो में सेवाएं दे चुके वैज्ञानिक भी विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को खगोल विज्ञान की गहराई से जानकारी देंगे।

नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव को लेकर कांग्रेस का हल्ला बोल, जयपुर में पैदल मार्च

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली ने राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के कार्यकर्ताओं को हरी झंडी दिखाकर पैदल मार्च के लिए किया रवाना

राज भवन की ओर जा रहे कांग्रेस जनों को पुलिस ने शहीद स्मारक पर रोक दिया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.)। प्रदेश में नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव करवाने का मामला काफी गर्म हो गया है एक तरफ जहां राजस्थान हाईकोर्ट ने चुनाव करवाने को लेकर राजस्थान सरकार और प्रदेश के निर्वाचन विभाग से सवाल जवाब करके चुनाव नहीं करवाने पर नाराजगी जाहिर की है तो दूसरी तरफ राजस्थान कांग्रेस अब इस मामले को लेकर सड़कों पर उतर गई है इसी क्रम में बुधवार को राजस्थान कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायत राज संगठन से जुड़े कांग्रेस जनों ने जयपुर में पैदल मार्च का आयोजन किया और जुलूस के रूप में प्रदर्शन करते हुए राजभवन की ओर कांग्रेस जन जाने लगे तो पुलिस ने उन्हें शहीद स्मारक पर ही रोक दिया जिसकी वजह से नाराज होकर सैकड़ो कांग्रेस जन सड़क पर ही धरने पर

बैठ गए बाद में राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सीबी यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल राज भवन गया और राज्यपाल को ज्ञापन प्रस्तुत करके प्रदेश में जल्दी से जल्दी नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव करवाने की पुरजोर मांग की बुधवार को राजीव गांधी की जयंती पर राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में स्वराज संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया इस कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के कई बड़े नेताओं ने अपने भाषण प्रस्तुत किया, कांग्रेस नेताओं ने अपने भाषण में केंद्र की मोदी सरकार और राजस्थान सरकार पर आरोप लगाया कि जानबूझकर नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव भाजपा की सरकार नहीं करवाना चाहती क्योंकि भाजपा संविधान और लोकतंत्र दोनों को पूरी तरह से नष्ट करना चाहती है और अपनी मनमानी देश में करना चाहती है इसके लिए सभी कांग्रेस जन को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी और देश में स्वराज और लोकतंत्र की रक्षा करनी होगी तथा शेष खबर पृष्ठ संख्या 3 पर...

नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह ने कई बार कहा दिसंबर में करवाएंगे चुनाव

प्रदेश के नगर निकाय मंत्री झाबर सिंह ने कई बार कहा है कि राजस्थान सरकार आगामी दिसंबर माह में नगर निकाय और पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव करवाएगी सरकार वन स्टेट वन इलेक्शन के लिए पूरी तरह से तैयार है, राजस्थान सरकार से जुड़े कई लोगों ने भी वन स्टेट वन इलेक्शन की मांग का समर्थन करते हुए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पालना करने की बात भी कही है लेकिन कानून के जानकारी लोगों का कहना है कि वर्तमान हालातो में राजस्थान में तो कम से कम वन स्टेट और वन इलेक्शन के तहत किसी भी हालत में चुनाव नहीं हो सकते, लेकिन राजस्थान सरकार के मंत्री झाबर सिंह दिसंबर में चुनाव करवाने की बात कहने के साथ-साथ वन स्टेट वन इलेक्शन के तहत ही चुनाव करवाने का दावा भी कर रहे हैं अब देखने वाली बात होगी कि दिसंबर में क्या वास्तव में चुनाव होने जा रहे हैं या फिर राजस्थान हाई कोर्ट चुनाव करवाने के लिए कोई नया फरमान जारी करता है ।

CMYK

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार
21 अगस्त, 2025

जिला कलक्टर ने ली जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक

सुगम व सुरक्षित सडक यातायात हेतु चिन्हित ब्लैक स्पॉटों की संख्या में सतत कमी लाने के लिए संबंधित विभाग करें समन्वित प्रयास - जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कलक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर सड़क सुरक्षा से संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से जिले की सड़को को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने के दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर डॉ. शुक्ला ने कहा कि सडक परिवहन सुगम व सुरक्षित हो इसके मध्यनजर सबंधित विभाग सक्रियता से कार्य करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने जिले में गुजरने वाले सड़क मार्गों पर ब्लैक स्पॉट की वर्षवार विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की ब्लैक स्पॉट की संख्या जो वर्ष 2023-24 में 17 एवं 2024-25 में 13 थी को सतत रूप से घटाने के लिए संबंधित विभाग साझा प्रयास करते हुए सुरक्षात्मक कदम उठाएं तथा जिन ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटना की पुनरावृति हुई है उन स्थानों पर आवश्यक तकनीकी बदलाव कर दुर्घटना मुक्त क्षेत्र बनाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बख्तल की चौकी के ब्लैक स्पॉट को खत्म करने के लिए पुलिस एवं यूआईटी समन्वय स्थापित कर कार्य करें। उन्होंने जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट में एवं दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आने पर एनएचएआई के कार्य की सरहाना कर उन्होंने एनएचएआई को एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटनाओं रोकने के लिए यथाशीघ्र थम्बल स्ट्रेप बार मार्किंग कराने के निर्देश दिये। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता को शहरी क्षेत्र में एक्सीडेट प्रोन स्पॉट का चिन्हिकरण कर क्षेत्र विशेष में जागरूकता गतिविधियां आयोजित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सीएमएचओ से पिनान में निर्माणाधीन ट्रोमा सेन्टर की वस्तुस्थिति जानकर निर्धारित समयावधि में कार्य को पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सडक सुरक्षा ऑडिट के तहत दिए गए सुझावों की पालना रिपोर्ट की समीक्षा कर रिडकोर के प्रोजेक्ट डायरेटर से सडक सुरक्षा के लिए कराये गये कार्यो का फीडबैक लेकर निर्देश दिये कि जिले की प्रत्येक दुर्घटना का गहराई से विश्लेषण किया जाए, जिसमें दुर्घटना के कारणों की खोज कर उससे सबक लेते हुए इस प्रकार की कार्य योजना बनाएं कि भविष्य में उक्त दुर्घटना कारणों की पुनरावृति नहीं होवे। उन्होंने सड़क सुरक्षा संबंधित किए गए उपाय, जिससे प्रमुख सडकों पर दुर्घटनाओं में आई कमी के लिए सतत प्रयास करते हुए अधिक प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह ने बताया कि जिला कलक्टर की प्रभावी मॉनिटरिंग से सडक सुरक्षा से जुडे हुए विभागों के समन्वय से जिले की प्रमुख सडकों पर दुर्घटनाओं में कमी आई है जिसमें सबसे अहम बात दुर्घटना मृत्यु में कमी आना रही है। उन्होंने बताया कि सडक सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। बैठक में एडीएम शहर बीना महावर, प्रशिक्षु आईएएस ऐश्वर्यम प्रजापति, आरटीओ सतीश चौधरी, पीडब्लूडी के अधीक्षण अभियंता भूरीसिंह, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, सीओ ट्रैफिक मुकेश चौधरी, यूआईटी के अधीक्षण अभियंता तैयब खान, नगर निगम के अधिशासी अभियंता खेमराज मीणा, रीडकोर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पंकज मुदगिल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

शारीरिक शिक्षकों ने समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.) शारीरिक शिक्षक संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शारीरिक शिक्षकों को खेल गतिविधियों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही उनके पदनाम में सुधार करते हुए समानता का दर्जा दिया जाए। संघ ने मांग की कि विद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं नियमित रूप से आयोजित हों और इसके लिए अलग से बजट उपलब्ध कराया जाए ज्ञापन में यह भी कहा गया कि 15 अगस्त व 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर शारीरिक शिक्षकों को विशेष जिम्मेदारी सौंपी जाती है, लेकिन उचित मान-सम्मान और सुविधा नहीं मिलती जिस पर शारीरिक शिक्षक संघ ने जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

रोटरी क्लब द्वारा विद्यालय मे कॉपियां की वितरित

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। रोटरी क्लब अलवर अरावली के द्वारा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, उमरैण में कोपिया वितरण का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान 1000 कॉपियां स्कूल में सभी बालिकाओं को वितरित की गई। सचिव दीपक सिंघल ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सुजाता प्लाटून कमांडर राजस्थान पुलिस एवं लक्ष्मेश कुमार सिंह, अध्यक्ष पूर्वांचल विकास समिति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने रोटरी क्लब अलवर अरावली के द्वारा किए जा रहे इस कार्य की सराहना की और बच्चों को अपने वचनों के द्वारा उत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान क्लब के सदस्य रवीश गोयल की धर्मपत्नी का जन्मदिन भी मनाया गया। इस दौरान रोटरी क्लब अरावली के कार्यक्रम संयोजक महेंद्र गोयल, अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सचिव दीपक सिंघल, पीयूष जैन, रघुवीर सिंह यादव, आशीष गोयल, मुकुल अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय समिति की तरफ से संतोष देवी प्रधानाचार्य, महेश कुमार अरोड़ा व्याख्याता, ग्राम पंचायत उमरैन के प्रतिनिधि के रूप में भविंद्र पटेल, सरपंच महेश सैनी, उप प्रधान पंचायत समिति उमरैन गिर्राज यादव, एसडीएमसी सदस्य आदि मौजूद रहे।

शहर के नागरिक सफाई व रोडलाइट संबंधी समस्या के लिए क्लीन अलवर पोर्टल पर दर्ज करें शिकायत

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशन में शहर को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे है। इसके तहत आमजन अलवर शहर में सफाई व्यवस्था व रोडलाइट से संबंधी समस्या के लिए क्लीन अलवर पोर्टल https//Cleanalwar.in एवं नगर निगम के कंट्रोल रूम नंबर 0144-2700466 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, दर्ज शिकायत का निर्धारित टाइमलाइन में समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही शहरवासी नगर निगम की टीम से ऑफलाइन फीडबैक फॉर्म प्राप्त कर या ऑनलाइन माध्यम से अपने सुझाव भेज सकते हैं।

जिला स्तरीय बीमा समिति की बैठक का हुआ आयोजन

बीमा क्लेम करने की प्रक्रिया को जन-जन तक पहुंचाएं -जिला कलेक्टर

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(नि.सं.)। जिला कलेक्टर किशोर कुमार के अध्यक्षता में भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा जिला स्तरीय बीमा समिति की बैठक बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट, खैरथल-तिजारा में आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने बीमा योजनाओं के लाभ आमजन को बताकर इन योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए साथ ही पिछली बैठक में दिए निर्देशों की पालना की समीक्षा की। उन्होंने स्कूलों एवं महाविद्यालय में शिविर लगाकर बीमा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चों को इसके प्रति जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला बैंक अधिकारी को समस्त बैंकों में सरकार द्वारा चलाई जा रहे हैं विभिन्न बीमा योजनाओं के फ्लेक्स बैनर लगाने के निर्देश दिए तथा बैंक स्तर पर नियमित जागरूकता शिविर लगाए जाने की निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए की बीमा क्लेम करने की प्रक्रिया को जन-जन तक पहुंचाने हेतु उचित प्रचार-प्रसार तथा बैंकों द्वारा सुलभ तरीके से लाभार्थियों तक बीमा राशि पहुचाने हेतु कार्य योजना बनाकर आमजन को लाभान्वित करने के लिए कहा। जिला कलेक्टर ने विभागों में कार्यरत

आशा सहयोगिनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहित विभिन्न संविदाकर्मी, ऑपरेटर को ग्रुप इंश्योरेंस के माध्यम से बीमा योजना से जोड़ने के निर्देश दिए ताकि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का फायदा लाभार्थी को मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न कंपनियों में कार्यरत मजदूर को जागरुक कर इन योजनाओं से जोड़ने हेतु निर्देशित किया ताकि सबको बीमा अभियान की सफल क्रियान्वित हो सके। उप निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग सुरभि कुमारी चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना राज्य सरकार की बहुउद्देशीय सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसके अंतर्गत ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिक, लोक कलाकार एवं पथ विक्रेता, जिनकी आयु 45 वर्ष तक है, पेंशन हेतु पात्र हैं। योजना के अंतर्गत 60 वर्ष की आयु के पश्चात पात्र लाभार्थियों को 3000 प्रति माह की पेंशन राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। जिला कलेक्टर ने योजना का प्रचार प्रसार कर ई पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिक, लोक कलाकार एवं पथ विक्रेता का जिले में विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाकर रजिस्ट्रेशन करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, उप निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग सुरभि कुमारी चौधरी, एलडीएम, शाखा प्रबंधक एलआईसी, सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पेंचक सिलाट प्रतियोगिता मे प्रथम

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। छठी राजस्थान राज्य स्तरीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता का भगवान परशुराम भवन मे समापन हुआ जिसमे अलवर जिले ने प्रथम स्थान प्राप्त कर चौंपियन ट्रॉफी अपने नाम की व उदयपुर दुसरे स्थान पर एवं बीकानेर जिला तीसरे स्थान पर रहा प्रतियोगिता मे सर्वश्रेठ खिलाड़ी का खि़ताब जतिन राजपूत को मिला। आयोजक अध्यक्ष सोमवीर सिंह तंवर ने बताया की इस प्रतियोगिता मे अमित कुमार के नेतृत्व मे राजस्थान के 22 जिलों की टीमों मे 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक लक्ष्मेश कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राजस्थान रहे व मुख्य अथिति डॉ. खानु खान बुधवाली अध्यक्ष पेंचक सिलाट समिति राजस्थान, विशिष्ट अतिथि सीदास सिंह राजावत व महेंद्र गोयल, अध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन रहे व अतिथि के रूप में दिपक गुप्ता उद्योगपति, मंजीत राय मीडिया प्रभारी पूर्वांचल विकास सेवा समिति, देवेंद्र सारस्वत, निधि शर्मा, पवन यादव रहे। प्रतियोगिता के समापन पर राजस्थान पुलिस की सब इंस्पेक्टर सुजाता जालप ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनायें दी। कार्यक्रम के संबंध भारतीय पेंचक सिलाट महासंघ, अंतर्राष्ट्रीय पेंचक सिलाट महासंघ, एशियाई पेंचक सिलाट महासंघ मान्यता प्राप्त युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (भारत सरकार), एशियाई ओलंपिक परिषद, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, भारतीय खेल प्राधिकरण, अखिल भारतीय पुलिस नियंत्रण बोर्ड से है, और सभी सहयोगी रहे।

अलवर के मुक्केबाजों का दबदबा, स्कूल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जीते 14 स्वर्ण सहित 29 मेडल

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। जिला कोटपूतली-बहरोड़ में आयोजित वेस्ट जॉन सीबीएसई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अलवर ने 29 पदकों के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 14 स्वर्ण, 7 रजत एवं 8 कांस्य पदक जीतकर अलवर जिले का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और दमन दीव के लगभग 750 खिलाड़ियों ने भाग लिया। अलवर जिला मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष दिनेश भार्गव ने बताया कि प्रतियोगिता अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में बालक एवं बालिका वर्ग में आयोजित की गई। अलवर के खिलाडियों के परिणाम इस प्रकार रहे। कि -14 बालक वर्ग में मो उमर खान, अर्श खान, ओजस्वी व्यास, दिव्यांशु योगी, जयंत सैनी, मो अजीज खान ने स्वर्ण पदक, हिमाक्ष ने रजत पदक और यशराज, यश शर्मा, कृष्ण सिंह नरूका, रुद्र, दिवेश ने कांस्य पदक प्राप्त किया। -17 बालक वर्ग में अश्वनी सैनी और हैदर अली खान ने स्वर्ण पदक, प्रवीण चौधरी ने रजत पदक और जतिन कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त किया। -19 बालिका वर्ग में शानवी चंदरुल, अनुशिका, ना या ठक्कर, दिव्या शर्मा ने स्वर्ण पदक राधा, दृष्टि, पलक, हिमांशी जैन ने रजत पदक एवं हृषिका ने कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं -19 बालक वर्ग में आर्यन फौजदार, अरमिंदर सिंह ने स्वर्ण पदक एवं प्रवीण ने रजत पदक प्राप्त किया। स्वर्ण एवं रजत पदक विजेता मुक्केबाज राष्ट्रीय सीबीएसई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में

भाग लेंगे। इन विजेता खिलाडि़यों के सम्मान में इंदिरा गांधी स्टेडियम एवं रॉयल एकेडमी स्कूल में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रॉयल एकेडमी स्कूल डायरेक्टर सूर्यवीर सिंह रहे। इस अवसर पर अलवर जिला मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष दिनेश भार्गव, सचिव देवेंद्र सिंह रावत, संयुक्त सचिव भूपेंद्र सिंह राठौड़, अजीत यादव, कोच संजीव शर्मा, दीपक प्रजापत, मनीष सैनी, हुकुम सिंह गौड, सुनील सैनी, तेजस इकदाया, राजेश सैनी, सुभाष सैनी, मुकेश सैनी, साक्षी सैनी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने मुक्केबाजों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अलवर पब्लिक स्कूल के छात्रों ने हेल्प ऑल फाउंडेशन में किया भोजन वितरण

नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। हेल्प ऑल फाउंडेशन में एक विशेष सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अलवर पब्लिक स्कूल की (Sustainable Development Goals) टीम के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। स्कूल की स्थ्ठल इंचार्ज शिक्षिका डॉली सुदान बच्चों को लेकर यहाँ पहुँचीं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण किया और समाज सेवा के महत्व को करीब से अनुभव किया। साथ ही विद्यार्थियों ने एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने भोजन के महत्व, उसके संरक्षण और बर्बादी रोकने का सशक्त संदेश दिया। नाटक के माध्यम से बच्चों ने समझाया कि यदि हर व्यक्ति भोजन को बचाने और जरूरतमंदों तक पहुँचाने में योगदान दे, तो जरूरतमंदों की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। हेल्प ऑल फाउंडेशन की ओर से छात्रों को विभिन्न सामाजिक कार्यों की जानकारी दी गई और उन्हें आगे भी समाजसेवा से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों ने भी फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की और कहा कि उन्हें यहाँ आकर बहुत अच्छा अनुभव हुआ। संस्थान के पदाधिकारियों ने अलवर पब्लिक स्कूल और डॉली सुदान की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों को संवेदनशील बनाते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की राह भी खोलते हैं।

जनसुरक्षा अभियान के तहत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में लगेंगे शिविर कल

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। भारत सरकार के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक देशभर में जनसुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रशासन व सभी बैंकों के सहयोग से ग्राम पंचायत स्तर पर कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 22 अगस्त को ग्राम पंचायत गूंदपुर, नांगलरूपा, इटेडा, कफनवाडा, पाटा, पिनान, राजपुर बड़ा, भाखेड़ा, पिपलाई, नूरपुर, भूगोर, बंदीपुरा, दीनार, बबेली, न्यना, खिलोरा, नंदू, सारंगपुर, कलेद, अडोली, जहारखेडा, मोतीवाडा व बीजवा में जनसुरक्षा शिविर आयोजित किए जायेंगे। अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक बाबू लाल पालरिया ने लोगों से अपील की है कि अभियान में सभी आमजन बैंकिंग व सामाजिक सुरक्षा योजनाओ का लाभ उठाये, जिनमें प्रधानमंत्री जन-धन योजना में वर्तमान निष्क्रिय बैंक खातों का पुनः सत्यापन, नये बैंक खाते खोलना ,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना में शिविर स्थल पर ही नामांकन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में प्रतिवर्ष केवल 20 रूपये में 2 लाख का दुर्घटना बीमा, जीवन-ज्योति बीमा योजना में प्रतिवर्ष केवल 436 रूपये में 2 लाख रूपये का जीवन बीमा और अटल पेंशन योजना में न्यूनतम मासिक निवेश करने पर 60 वर्ष की आयु के बाद अंशदान आधारित स्थाई रूप से अधिकतम 5000 रूपये मासिक पेंशन मिलेगी। उन्होंने बताया कि योजनाओ से जुड़ने के लिए अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबरों से एसएमएस एवं मिस्ड कॉल द्वारा भी रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

स्वतंत्रता गौरव उत्सव समिति को सैन्य अधिकारीयों ने किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। पिछले 10 वर्षों से स्वतंत्रता गौरव उत्सव समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम के लिए ईटाराणा छावनी अलवर में सैन्य अधिकारीयों ने सम्मानित किया। इस विषय में समिति से जुड़े विशेश्वर विजय और मोहित पंडित ने बताया कि वर्ष 2016 में अलवर शहर में प्रथम वर्ष स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि व देश के बार्डर पर खड़े भारतीय सेना के जवानों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके बाद निरन्तर अलवर शहीद स्मारक पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। समिति सदस्य मुकेश विजय ने बताया कि देश भक्ति थीम और राष्ट्रीयता के भाव से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में इस वर्ष ईटाराणा छावनी से सेना के उच्च अधिकारी भी सम्मिलित रहे। जिन्होंने समिति द्वारा किए गए सफल आयोजन की सराहना करते हुए समिति के सदस्यों व कार्यक्रम में सम्मिलित बच्चों को ईटाराणा छावनी बुलाकर सम्मानित किया। इस दौरान मेजर जनरल दिगेन्द्र प्रताप सिंह, ब्रिगेडियर आर कुबेर मेजर व आकाश चींचे द्वारा समिति के संरक्षक डॉ. वी के अग्रवाल, समिति अध्यक्ष गौरीशंकर विजय, सदस्य नारायण साईंवाल, एडवोकेट गौरव शर्मा, सुभाष अग्रवाल, मक्खन गुर्जर, हेमन्त विजय, एडवोकेट अजीत सोनी, महेश खंडेलवाल, दिनेश खंडेलवाल, सत्य प्रकाश शर्मा, मनोज विजय, विनोद खंडेलवाल, दिलीप खंडेलवाल, मनोज गुप्ता, ललित मिश्रा, प्रकाश गुप्ता, संजय बवेजा, दीपक अग्रवाल, विशाल विजय, मनोज अग्रवाल (मोनू) मुकेश गौड़ इत्यादि को इंडियन आर्मी कैंप ने गिफ्ट देते हुए सम्मानित किया। इस दौरान कार्यक्रम में सम्मिलित रहे करीब 65 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत समिति के संरक्षक डॉ. वी.के अग्रवाल व समिति अध्यक्ष गौरीशंकर विजय द्वारा सैन्य अधिकारीयों का सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

पीएम नरेंद्र मोदी के सबसे पसंद के ऑफिसर हैं सुधांशु पंत

देश की पूरी आईएएस लॉबी में रखते हैं अपना अलग रुतबा, केंद्र और राजस्थान दोनों सरकारों के हमेशा प्रिय रहे

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों की सरकारों में अपने श्रेष्ठ कार्यों, नवाचारों और नए प्रयोगों से सबके पसंद के ईमानदार और कर्मठ अफसर माने जाते रहे,

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। देश की पूरी आईएएस लॉबी में प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांशु पेंट का अपना एक अलग ही प्रभाव और रुतबा है, यह रुतबा अब से नहीं बल्कि कई सालों से है, ईमानदारी, वर्किंग स्टाइल, नवीन प्रयोग, नवाचारों, निर्णय लेने की क्षमता,टाइम पंक्चुअल, अनुशासन और ड्यूटी के प्रति इनके पूर्ण समर्पण भाव ने इन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निगाहों में ही नहीं बल्कि भाजपा और कांग्रेस के कई बड़े दिग्गज नेताओं की नजरों में अब से नहीं बल्कि कई सालों से पसंदीदा अफसर बने हुए हैं यही वजह है कि राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों की सरकारों में इन्हें बड़े-बड़े विभागों की जिम्मेदारी दी गई और उस जिम्मेवारी को इन्होंने बहुत ही बढ़िया तरीके से निभाया भी, केंद्र में भी इन्हें जब प्रतिनियुक्ति पर काम करने का मौका मिला तो वहां भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया, देश में कोरोना की अवधि में केंद्र में स्वास्थ्य विभाग में इन्होंने सेक्रेटरी पद पर रहते हुए जिस तरह से विभाग का श्रेष्ठ संचालन किया, उस समय कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी इन्होंने अपने अनुभव, नवाचारों, और नवीन प्रयोगों से कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए विभागीय स्तर पर जो उत्कृष्ट कार्य किया

उसी का नतीजा रहा की पूरी दुनिया में कोरोना मैनेजमेंट में भारत काफी आगे रहा, इस उपलब्धि को पीएम नरेंद्र मोदी आज तक नहीं भूले यही वजह है कि दिसंबर 2023 में जब राजस्थान में तत्कालीन मुख्य सचिव उषा शर्मा की रिटायरमेंट का समय आया तो उस समय आधा दर्जन वरिष्ठ अधिकारियों को लांघकर सुधांशु पंत को प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया, इसका कारण शासन सचिवालय के गलियारों में यह माना गया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जिम्मेवारी और काम को आसान बनाने और प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में क्रांतिकारी बदलाव लाने के प्रयासों में मुख्य सचिव पद के लिए सुधांशु पेंट सबसे काबिल और भरोसेमंद अफसर भाजपा के रणनीतिकारों को नजर आए इसलिए इन्हें केंद्र से हाथों-हाथ रिलीव करके राजस्थान भेजा गया ताकि राजस्थान में भजनलाल सरकार को नई ऊर्जा और संबल मिल सके यह निर्णय आज बिल्कुल सही साबित होता हुआ दिख रहा है क्योंकि भजनलाल सरकार के अब तक के कार्यकाल की समीक्षा करें तो प्रदेश में पिछले 2 साल में कई बड़े ऐतिहासिक निर्णय और फैसले लिए गए, कई बड़े काम संपादित हुए जिनकी वजह से प्रदेश के लोगों को काफी राहत मिली है और प्रदेश सरकार के काम की तारीफ प्रदेश की जनता ही नहीं बल्कि देशभर में हो रही है जिसका बड़ा कारण यही बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव इन दोनों ही महत्वपूर्ण पदों पर ईमानदार, कर्मठ और साफ सुथरी छवि के शख्स विराजमान हैं तो फिर सरकार के काम तो अच्छे होंगे ही।

3सुधांशु पंत के प्रयासों से प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में आया क्रांतिकारी बदलाव

इसमें कोई संदेह नहीं इस बात को सब स्वीकार करते हैं कि पिछले 2 साल में प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में नीचे से लेकर ऊपर तक क्रांतिकारी बदलाव आया, प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यशैली और व्यवहार में काफी बदलाव हुआ है, अधिकारियों और कर्मचारियों का ऑफिस समय पर आना ऑफिस को समय पर छोड़ना, अनुशासित तरीके से ऑफिस में काम होना इत्यादि सब कुछ बिल्कुल परफेक्ट नजर आने लगा है इस तरह का बदलाव नीचे से लेकर ऊपर तक के सभी सरकारी दफ्तरों में देखने को मिल रहा है यह जो नया माहौल सरकारी दफ्तरों में देखने को मिल रहा है इसका पूरा श्रेय मुख्य सचिव सुधांशु पंत को दिया जा सकता है क्योंकि उन्होंने जिस दिन मुख्य सचिव की कुर्सी संभाली थी उस दिन से ही सभी सरकारी विभागों के बड़े अधिकारियों से रोजाना नियमित रूप से संवाद करते हैं उनसे उनके कामों की रिपोर्ट मांगते हैं, सभी सरकारी विभागों में फाइलों की पेंडेंसी का भी बारीकी से अवलोकन करते हैं समय-समय पर खुद भी बिना बताए किसी भी दफ्तर में हालातो की जानकारी लेने के लिए अचानक पहुंच जाते हैं जिसकी वजह से प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े सभी छोटे-बड़े अधिकारी अपने कार्य और अपनी ड्यूटी को लेकर पहले की तुलना में बहुत ज्यादा गंभीर और चौकस रहने लगे हैं क्योंकि उन्हें अब अपने काम की रिपोर्ट नियमित रूप से अपने से ऊपर अधिकारी तक पहुंचानी पड़ती है पहले इतनी पाबंदियां नहीं थी लेकिन उनसे सवाल-जवाब पूछा जाता है अब उनसे अनुपस्थित रहने का कारण पूछा जाता है अब उनसे ऑफिस का कोई काम नहीं हुआ है तो उसके बारे में भी नियमित रूप से पूछा जाता है इसलिए सभी छोटे-बड़े अधिकारी अपने रोजाना के ऑफिशियल वर्किंग काम को लेकर काफी गंभीर रहने लगे हैं जिसकी वजह से सरकारी दफ्तरों की कार्यशैली में काफी नयापन और बदलाव आया है जिसकी वजह से प्रदेश के प्रशासनिक व्यवस्था को एक नई दिशा और एक नई ऊर्जा मिली है।

राष्ट्रीय लोक दल ने मुख्य चुनाव अधिकारी से मिलकर पार्टी के चुनाव चिन्ह की मांग की

नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव में पार्टी के चुनाव चिन्ह हेड पंप की मांग की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश में आने वाले दिनों में होने जा रहे नगर निकाय और पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में राजस्थान में राष्ट्रीय लोकदल ने भी चुनाव लड़ने का मन बना लिया है इसके लिए राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के चुनाव चिन्ह हेड पंप के सिंबल पर ही चुनाव लड़ना चाहती है इसी परिपेक्ष में राष्ट्रीय लोकदल के राजस्थान इकाई के अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह अवाना ने बुधवार को राजस्थान के मुख्य चुनाव अधिकारी मधुकर गुप्ता से मुलाकात की और नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव में पार्टी को पार्टी का चुनाव चुनाव चिन्ह हेड पंप उपलब्ध करवाने की मांग की द्य पिछले दिनों जोगेंद्र सिंह अवाना ने दिल्ली में चुनाव आयोग के बड़े अधिकारियों से भी मुलाकात करके राजस्थान में नगर निकाय और पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में पार्टी के उम्मीदवारों को पार्टी का चुनाव चिन्ह हेड पंप उपलब्ध करवाने की पुरजोर मांग की थी और बुधवार को उन्होंने राजस्थान के चुनाव अधिकारी से मिलकर अपनी मांग पुरजोर तरीके से रखी है प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी मधुकर गुप्ता ने भी अवाना और उनके साथ गए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को विश्वास दिलाया कि नियमों और प्रक्रियाओं के तहत आपकी बात को गंभीरता से सुना जाएगा उल्लेखनीय है कि केंद्र की मोदी सरकार में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी एनडीए की घटक दल है और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री भी हैं इसलिए राजस्थान में भी इस बार राष्ट्रीय लोक दल एक बार फिर से अपनी पार्टी के विस्तार के सपने के साथ नगर निकाय और पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव लड़ने का पूरा मन बना लिया है लेकिन पार्टी यह चाहती है कि इन चुनाव में पार्टी की उम्मीदवारों को पार्टी का चुनाव चिन्ह हेड पंप चुनाव आयोग की तरफ से उपलब्ध करवाया जाए, हेड पंप चुनाव सिंबल पर ही पार्टी चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार दिख रही है द्य उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने नदबई के पूर्व विधायक और गहलोत सरकार में मंत्री रहे जोगेंद्र सिंह अवाना को राष्ट्रीय लोकदल राजस्थानी इकाई का प्रमुख बनाया था इसके बाद से ही जोगिंदर सिंह अवाना राजस्थान में पार्टी के विस्तार के लिए निरंतर प्रदेश भर का भ्रमण करके पार्टी के कार्यकर्ताओं की निचले स्तर पर भी टीम बनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं बातचीत के दौरान जोगेंद्र सिंह अवाना ने पत्रकारों से कहा था कि राजस्थान में राष्ट्रीय लोकदल भारतीय जनता पार्टी की सरकार का विरोध सड़कों पर नहीं करेगी लेकिन जनता से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए सरकार से टेबल पर बात जरूर करेगी और प्रदेश के लोगों को राहत पहुंचाने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

राजस्थान आवासन मंडल की 5 नई आवासीय योजनाओं का शुभारम्भ

667 नए आवासों से हर वर्ग को मिलेगा सम्मानजनक और आधुनिक जीवन का अवसर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) राजस्थान आवासन मंडल की बहुप्रतीक्षित पांच आवासीय योजनाओं का बुधवार को जयपुर स्थित आवास भवन में भव्य शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया। उन्होंने कहा कि यह केवल मकान निर्माण नहीं, बल्कि प्रदेशवासियों को सुरक्षित, सुविधायुक्त और सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में राज्य सरकार का ठोस कदम है। श्री खर्रा ने बताया कि इन पांच योजनाओं के तहत कुल 667 आवास/फ्लैट्स बनाए जाएंगे। ये आवास उदयपुर, बारां, बूंदी, धौलपुर और बाड़मेर जिलों में विभिन्न आय वर्ग के लिए उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वर्ग को आधुनिक आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सम्मानजनक जीवन का माध्यम

मंत्री खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार सिर्फ मकान नहीं दे रही, बल्कि एक ऐसा माध्यम दे रही है जिससे हर वर्ग को आधुनिक जीवन की समस्त सुविधाओं के साथ सम्मानजनक जीवन मिल सके। सभी योजनाओं को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से विकसित करने का आश्वासन भी दिया गया। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए आवासन मंडल की योजनाओं को आमजन के सपनों का घर बताया। उन्होंने कहा कि आवासन मंडल आज भी लोगों की पहली पसंद है।

पूर्व योजनाओं का जिक्र

मई माह में ही मंडल ने जयपुर, बारां, बूंदी और धौलपुर में 427 आवासों की पांच योजनाएं शुरू की थीं।

समारोह में उपस्थिति

शुभारंभ समारोह में आवासन मंडल के अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि, आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, सचिव डॉ. अनिल पालीवाल, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, टीएस मीना, प्रतीक श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इसे आमजन के आवासीय सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार का मजबूत कदम बताया।

योजनाओं का विवरण

नैनवा आवासीय योजना (बूंदी) पॉकेट A एवं B में 72 स्वतंत्र आवास, लागत 7.80 लाख से प्रारंभ।

अटरू आवासीय योजना (बारां) 189 स्वतंत्र आवास, लागत 7.60 लाख से प्रारंभ।

लंगेरा आवासीय योजना (बाड़मेर) ईडब्ल्यूएस व एलआईजी वर्ग के लिए 200 स्वतंत्र आवास, लागत 8.61 लाख से प्रारंभ।

बाड़ी रोड योजना (धौलपुर) ईडब्ल्यूएस व एलआईजी (जी+3) वर्ग के लिए 64 फ्लैट्स, लागत 12.45 लाख से प्रारंभ।

पानेरिया की मादड़ी (उदयपुर) ईडब्ल्यूएस व एलआईजी (जी+3) वर्ग के लिए 142 फ्लैट्स, लागत 11.68 लाख से प्रारंभ।

गुरुवार को आयोजित होगा जिलास्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम

कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 21 अगस्त, 2025 (गुरुवार) को जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे। जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे। इससे पहले गुरुवार को ही जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक प्रातः 10:30 बजे आयोजित की जायेगी। बैठक में समिति में दर्ज प्रकरणों पर गहनता से चर्चा की जायेगी।

पेज नं. 1 कि शेष खबर...

जयपुर और दिल्ली के बीच मजबूत पुल तैयार...

ज्यादा से ज्यादा धन जुटाना का प्रयास करते हुए दिखे हैं इसलिए जानकार लोगों का कहना है कि भजनलाल शर्मा का बार-बार दिल्ली जाना कोई केंद्रीय नेताओं से शिष्टाचार की भेंट तक ही सीमित नहीं रह गया है बल्कि भजनलाल शर्मा एक बहुत बड़े मिशन और संकल्प के साथ दिल्ली जा रहे हैं उनकी यह कोशिश है कि प्रदेश को केंद्र से ज्यादा से ज्यादा फंडिंग मिले राजस्थान को ज्यादा से ज्यादा केंद्र से योजनाओं की स्वीकृति मिले ताकि प्रदेश का विकास तेजी से आगे बड़े और प्रदेश के लोगों को काफी सुविधा मिले इसलिए वे बार-बार केंद्रीय मंत्रियों के समक्ष उपस्थित होकर उन्हें उनके वादों और भरोसे को याद दिलाते रहते हैं और प्रदेश के लिए ज्यादा से ज्यादा धन जुटाना की जुगाड़ बिठाते रहते हैं जानकार लोगों का कहना है कि भजनलाल शर्मा यह अच्छी तरह से जानते हैं कि भले ही दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार हो लेकिन जब तक दिल्ली वालों को राजस्थान की समस्याओं के बारे में राजस्थान की योजनाओं के बारे में और राजस्थान की जरूरत के बारे में ठीक तरह से प्रस्तुतीकरण नहीं देंगे तब तक दिल्ली से आशा के अनुरूप कुछ भी मिलने वाला नहीं है इसलिए वे बार-बार दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मिलकर उनके दिमाग में राजस्थान के विकास का नक्शा फिट करके आते हैं ताकि उन्हें राजस्थान सपने में भी नजर आता रहे जानकार लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर और दिल्ली के बीच मजबूत पुल बनाने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, शर्मा यह जानते हैं कि केंद्र के सहयोग के बिना राजस्थान का अपेक्षित विकास नहीं हो सकता और यह राजस्थान के लिए सबसे बढ़िया मौका है कि इस समय डबल इंजन की सरकार संचालित है ऐसे में केंद्र सरकार से नियमित संपर्क में रहकर ही राजस्थान के विकास को ठीक तरह से गति दी जा सकती है इसीलिए शर्मा बार-बार दिल्ली जाते हैं और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करके उन्हें राजस्थान के लिए ज्यादा से ज्यादा फंडिंग और नई स्वीकृतियों के लिए अपील करते हैं जिसके अच्छे परिणाम भी सामने आए हैं।

नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव को लेकर कांग्रेस...

संविधान को बचाना होगा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में स्वराज संवाद कार्यक्रम के समापन के बाद प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली दोनों ने राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के कार्यकर्ताओं को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर राज भवन जाने के लिए रवाना किया, पैदल मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस जनों ने अपनी उपस्थिति दिखाई और कांग्रेस जनों के हाथों में बैनर और पोस्ट थे जिसमें स्वराज बचाने, संविधान को बचाने, लोकतंत्र को बचाने, और राजस्थान में नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव करवाने की बातें लिखी गई थी इस दौरान राजभवन की और पैदल मार्च करते जा रहे कांग्रेस जनों को पुलिस ने शहीद स्मारक पर ही बैरिकेट्स लगाकर रोक लिया जिसकी वजह से कांग्रेस जन नाराज हो गए और सड़क पर ही धरने पर बैठ गए बाद में पुलिस के बड़े अधिकारियों ने उन्हें समझाया इसके बाद राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के अध्यक्ष सीबी यादव की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल राज भवन गया और राज्यपाल को अपनी मांग का ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें राजस्थान में नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव करवाने की मांग के अलावा और कई बड़ी मांगे थी प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश में नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव करवाने के लिए प्रदेश भर से लोगों के हस्ताक्षर के बुकलेट भी राज्यपाल को सौंप गई।

हाई कोर्ट ने चुनाव नहीं करवाने पर कर दी है नाराजगी जाहिर

अभी हाल ही में राजस्थान हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान प्रदेश में जिन नगर निकायों और पंचायत राज संस्थाओं का कार्यकाल पूरा हो गया है वहां पर 6 महीने बीत जाने के बावजूद भी चुनाव नहीं करवाने से चुनाव आयोग ने राजस्थान सरकार और राजस्थान के निर्वाचन विभाग से सवाल जवाब किया और कहा कि परिसीमन का बहाना बनाकर चुनाव टालना संविधान और नियम कानून के खिलाफ है हाई कोर्ट ने निर्वाचन विभाग से भी कहा कि निर्वाचन विभाग चुनाव करवाने के लिए अपने स्तर पर राजस्थान सरकार को तैयार करें हाई कोर्ट कि इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस पार्टी को भी अपनी बात कहने का मौका मिल गया और बुधवार को ही कांग्रेस पार्टी ने जोरदार तरीके से चुनाव करवाने की मांग को लेकर जयपुर की सड़कों पर पैदल मार्च निकाला।

मधुकर गुप्ता का मानना वर्तमान में राजस्थान में वन स्टेट वन इलेक्शन के तहत चुनाव होना नामुमकिन

राजस्थान के मुख्य चुनाव अधिकारी मधुकर गुप्ता ने न्यूज़ चैनल से बातचीत करने के दौरान साफ कहा है कि राजस्थान में वन स्टेट वन इलेक्शन के तहत चुनाव करवाया जाना फिलहाल नामुमकिन है उन्होंने यह भी कहा कि वन स्टेट वन इलेक्शन के लिए पहले संविधान में संशोधन करना होगा उसके बाद ही चुनाव संपादित किया जा सकते हैं क्योंकि बहुत से ऐसे बड़े कारण हैं जिनकी वजह से वर्तमान परिस्थितियों में वन स्टेट वन इलेक्शन के तहत किसी भी हालत में चुनाव नहीं हो सकते उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में बहुत सी नगर निकाय और बहुत सी पंचायत राज संस्थाएं ऐसी हैं जहां निर्धारित 5 साल का कार्यकाल पूरा होने में काफी समय बचा है ऐसी हालत में निर्धारित पूरी होने से पहले से यहां कैसे चुनाव करवा सकते हैं यह तभी संभव है जब पहले संविधान में संशोधन किया जाए मधुकर गुप्ता ने यह भी कहा है कि निर्वाचन विभाग हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पालना करेगा और हो सकता है बहुत जल्दी ही प्रदेश में चुनाव करवाने की तारीख निर्वाचन विभाग की ओर से निर्धारित कर दी जाए

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री को पद से हटाने वाले बिल को लेकर...

3.00 बजे तक स्थगित कर दी बाद में स्पीकर ने इस इस बिल को 21 सदस्यों की जेपीसी के हवाले कर दिया और इसकी जानकारी सदन के साथ शेयर की जानकारी के अनुसार गृहमंत्री अमित शाह ने गंभीर अपराधों में आरोपित प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री और मंत्री को हटाए जाने संबंधित तीन अलग-अलग बिल सदन में प्रस्तुत किए थे क्योंकि इन तीनों बिल केंद्र सरकार, राज्य सरकार और केंद्र शासित राज्य के लिए अलग-अलग प्रावधान थे इसलिए तीन अलग-अलग बिल इस बाबत संसद में प्रस्तुत किए गए पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बिल को लेकर कहा कि यह बिल सुपर इमरजेंसी की तरह है जिसमें देश में विपक्ष की सरकारों को खत्म करने के लिए हथियार के तौर पर काम में लिया जाएगा बनर्जी ने कहा कि यह विपक्ष को और कमजोर करने की साजिश है जो लोकतंत्र और संविधान के लिए ठीक नहीं।

कई हित सधेंगे सीपी राधाकृष्णन के जरिए

इसे संयोग कहें या कुछ और, देश के शीर्ष दो पदों पर विराजमान हस्तियों का नाता झारखंड से रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर चुने जाने से पहले झारखंड की राज्यपाल रहीं और देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे सीपी राधाकृष्णन भी इस राज्य के राज्यपाल रहे हैं। इन दिनों वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वे झारखंड के साथ ही तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी-शाह का उन पर भरोसा कितना है, इसे इससे समझा जा सकता है कि उन्हें एक समय एक साथ तीन-तीन राज्यों के राज्यपालों की जिम्मेदारी थमाई गई थी।
सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधा जी के नाम से जाने जाते हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से 1998 और 1999 के आम चुनावों में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए सीपी राधाकृष्णन ने स्कूली जीवन से ही जनसंघ का दामन थाम लिया था।

भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने चंद्रपुरम पोन्नुस्वामी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है। इनकी चर्चा तमिलनाडु के मोदी के रूप में भी होती है। तमिलनाडु में सीपीआर के नाम से चर्चित सीपी राधाकृष्णन 2013 में एक तमिल चैनल के डिबेट में तब शामिल हुए थे, जब नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाए जाने पर बहस हो रही थीं। उस चर्चा में तमिलनाडु के मोदी के रूप में उनका परिचय दिया गया था।

उपराष्ट्रपति के प्रत्याशी के रूप में उनका चयन कर भाजपा ने एक साथ कई राजनीतिक लक्ष्य साधे हैं। भाजपा को उनके उपराष्ट्रपति बनने का लाभ तमिलनाडु के साथ दक्षिण के अन्य राज्यों में भी मिल सकता है। चूंकि वह ओबीसी हैं, इसलिए तमिलनाडु में डीएमके की ओबीसी केंद्रित राजनीति को जवाब देने में तो आसानी होगी ही, ओबीसी कार्ड खेल रहे राहुल गांधी का मुकाबला करने में भी सुविधा रहेगी।

इसे संयोग कहें या कुछ और, देश के शीर्ष दो पदों पर विराजमान हस्तियों का नाता झारखंड से रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर चुने जाने से पहले झारखंड की राज्यपाल रहीं और देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे सीपी राधाकृष्णन भी इस राज्य के राज्यपाल रहे हैं। इन दिनों वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वे झारखंड के साथ ही तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी-शाह का उन पर भरोसा कितना है, इसे इससे समझा जा सकता है कि उन्हें एक समय एक साथ तीन-तीन राज्यों के राज्यपालों की जिम्मेदारी थमाई गई थी।

सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधा जी के नाम से जाने जाते हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से 1998 और 1999 के आम चुनावों में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए सीपी राधाकृष्णन ने स्कूली जीवन से ही जनसंघ का दामन थाम लिया था। हालांकि एक दौर में वे तमिल राजनीति में अन्नाद्रमुक के करीब माने जाते थे। उनके तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं से मधुर संबंध हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में डीएमके भी उनकी उम्मीदवारी का विरोध करना कठिन हो सकता है।

इसका कारण तमिल अस्मिता की राजनीति है। तमिल अस्मिता की राजनीति करने वाले मुख्यमंत्री स्टालिन के लिए सीपीआर का विरोध करना आसान नहीं होगा। इस समय लोकसभा में डीएमके के 22 और राज्यसभा में 10 सदस्य हैं। हालांकि डीएमके ने केंद्र सरकार के खिलाफ भाषा, नई शिक्षा नीति और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ जिस तरह मोर्चा खोल रखा है, उसकी वजह से इसमें संदेह है कि वह सीपीआर के पक्ष में खुलकर खड़ी होगी।

सीपीआर के पिता बताते थे कि उनके पूर्वज उत्तर भारत से ही मीनाक्षीपुरम में व्यापार के लिए आए और फिर वहीं के होकर रह गए। वे अपना संबंध उत्तर भारत के मारवाड़ी और वैश्य बिरादरी से जुड़ा बताते थे। इस नाते कह सकते हैं कि राधाकृष्णन का नाता उत्तर भारत से भी है। सीपी राधाकृष्णन के एक रिश्तेदार कांग्रेस के सांसद रहे। वह तमिलनाडु भाजपा के 2004 से 2007 तक अध्यक्ष भी रहे। इस दौरान उन्होंने पूरे राज्य का दौरा किया था। इसके जरिए उन्होंने तमिलनाडु भाजपा में नया उत्साह भरने की भरपूर कोशिश की थी।

वर्ष 2004 और 2014 के आम चुनावों में सीपी राधाकृष्णन को सफलता नहीं मिली, जबकि 2009 के आम चुनावों में उन्होंने हिस्सा नहीं लिया था। 2014 की प्रचंड मोदी लहर में उन्हें जीत का पूरा भरोसा था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इसके बाद 2016 में उन्हें राष्ट्रीय केयर बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया। सांसद रहते वक्त स्टाक एक्सचेंज घोटाले की जांच करने वाली संसदीय समिति और प्रेस परिषद में लोकसभा के प्रतिनिधि सदस्य रहे राधाकृष्णन को भाजपा ने 2020 में केरल का प्रभारी बनाया था। उन्होंने झारखंड का राज्यपाल रहते समय भी पूरे राज्य का दौरा किया था और जनता की समस्याएं सुनीं। सीपीआर राज्य की कौंडर जाति से आते हैं, जो अन्य पिछड़ा समाज में आती है। इस जाति विशेष का बड़ा आधार तमिलनाडु में नहीं है, लेकिन राज्य में वह भाजपा का मजबूत वोटबैंक है। सीपीआर के जरिए भाजपा ने तमिलनाडु में अपने आधार वोटबैंक को संदेश देने की भी कोशिश की है। इसके अलावा तमिल नाडु की जनता को भी यह संदेश दिया गया है कि भाजपा राज्य को विशेष महत्व देती है। जब वह पहली बार राज्यपाल बनाए गए थे, तब सक्रिय राजनीति से दूरी का अंदेशा उन्हें निराश कर रहा था, लेकिन नियति ने कुछ और ही रच दिया है। उनका उपराष्ट्रपति बनना लगभग तय है। उपराष्ट्रपति के साथ राज्यसभा के सभापति के रूप में उनके पास बड़ी जिम्मेदारी होगी। इस दायित्व में सक्रियता की खूब गुंजाइश है। ध्यान रहे कि वे ऐसे समय उपराष्ट्रपति बनेंगे, जब जगदीप धनखड़ ने अचानक इस्तीफा देकर भाजपा के लिए समस्या खड़ी करने का काम किया और उस विपक्ष को हमलावर होने का मौका दिया, जो सभापति के तौर पर उनके रुख-रवैये से नाखुश रहता था। एक बार तो उसने सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ महाभियोग लाने की पहल कर दी थी।

सम्पादकीय

टोल नाके पर जाम और लंबी कतारें

सुविधा ही जब समस्या बन जाए तो उसका निराकरण नितांत आवश्यक हो जाता है। मसला जब सार्वजनिक हित से जुड़ा हो तो उसका महत्त्व और भी गहरा हो जाता है। देश भर में टोल शुल्क की वसूली का मकसद आम लोगों के लिए सफर को आसान और सुगम बनाना बताया जाता है। मगर, लोगों को इन जगहों पर यदि घंटों जाम की समस्या से जूझना पड़े तो शुल्क वसूलने के औचित्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ऐसे ही एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि अगर किसी व्यक्ति को पैंसठ किलोमीटर लंबे राजमार्ग को तय करने में बारह घंटे लगते हैं, तो उस यात्री को टोल शुल्क का भुगतान करने के लिए क्यों कहा जाए। यानी जिस दूरी को पार करने में तकरीबन एक घंटे का समय लगता हो, उसमें ग्यारह घंटे अतिरिक्त लग जाएं तो ऐसी सुविधा के नाम पर शुल्क की वसूली क्यों होनी चाहिए? यह मामला तो एक बानगी है, देश भर में न जाने कितने लोगों को रोजाना शुल्क का भुगतान करने के बावजूद इस तरह की समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। असल में जब किसी सड़क मार्ग पर टोल शुल्क की वसूली शुरू होती है तो यात्रियों को यह विश्वास होता है कि उनका सफर सुविधाजनक होगा। मगर, सुचारु यातायात प्रवाह बनाए रखने में विफलता से जन विश्वास भी डगमगाने लगता है। नियमानुसार, जो कंपनी टोल शुल्क की वसूली करती है, संबंधित सड़क मार्ग की देखभाल और निर्बाध यातायात की व्यवस्था करना भी उसी की जिम्मेदारी होती है। शीर्ष अदालत पहुंचा संबंधित मामला केरल के त्रिशूर से जुड़ा हुआ है। उच्च न्यायालय ने छह अगस्त को राष्ट्रीय राजमार्ग 544 के एडापल्ली-मन्नुथी खंड की खराब स्थिति और निर्माण कार्यों के कारण लगने वाले यातायात जाम के आधार पर टोल शुल्क के निलंबन का आदेश दिया था। दरअसल, उच्च न्यायालय ने कहा था कि जब राष्ट्रीय राजमार्ग का रखरखाव ठीक से नहीं हो रहा है और यातायात जाम बहुत अधिक है, तो वाहन चालकों से टोल शुल्क नहीं वसूला जा सकता। हालांकि, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से टोल शुल्क वसूली को लेकर कई तरह के नियम बनाए गए हैं, जिनमें टोल नाके पर वाहन के रुकने की समय सीमा भी निर्धारित है। यानी उस समय सीमा के भीतर ही किसी एक वाहन से शुल्क लेने की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। मगर, ज्यादातर जगहों पर इन नियमों का पूरी तरह पालन नहीं हो पाता है। यही वजह है कि आए दिन टोल नाकों पर यात्रियों और टोल कर्मियों के बीच विवाद एवं मारपीट की खबरें आती रहती हैं। रविवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में छुट्टी के बाद ड्यूटी पर लौट रहे एक सैन्यकर्मी की कार टोल नाके की लंबी कतार में फंस गई और टोल कर्मचारियों से जाम हटाने को कहने पर उसके साथ मारपीट की गई। यहीं नहीं, कई बार जल्दबाजी में या अन्य किसी वजह से ज्यादा शुल्क कट जाने पर संबंधित यात्री को शेष पैसे वापस लेने के लिए बैंक की जटिल प्रक्रिया से जूझना पड़ता है। टोल नाकों पर जाम की स्थिति से छुटकारा दिलाने के लिए सरकार ने फास्टैग की व्यवस्था भी लागू की है, इसके बावजूद कई जगह वाहनों की लंबी कतारें अक्सर देखी जा सकती हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि टोल वसूलने वाली जगहों और संबंधित कंपनियों के लिए नियमों को कड़ाई से लागू

निराशा से निकले धमकी के सुर

महज कुछ माह के अंतराल में अपनी दूसरी अमेरिकी यात्रा के दौरान पाकिस्तान सेना के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर ने भारतीय उपमहाद्वीप में परमाणु हथियारों से जुड़ा वितंडा खड़ा किया। उन्होंने भारत के मौजूदा बुनियादी ढांचे और भावी अहम परियोजना को निशाना बनाने की धमकी दी। उनकी इस धमकी को भारत की उस नई रणनीति के आलोक में देखने की जरूरत है, जिसमें नई दिल्ली ने दशकों पुराने रवैये को पीछे छोड़ते हुए आतंक की किसी भी घटना को देश पर हमले के रूप में मानते हुए उसके कड़े प्रतिकार की नई नीति बनाई है। इस नीति का उद्देश्य यह है कि पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस की स्थिति में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की सैन्य कार्रवाई के प्रति समर्थन सुनिश्चित करते हुए उसकी करतूतों को उजागर किया जा सके।

मुनीर की परमाणु हथियार के इस्तेमाल की धमकी वैसी ही बयानबाजी है, जैसी अक्सर पाकिस्तान की ओर से होती रहती है। कुछ पहलुओं पर इसकी पड़ताल भी जरूरी हो जाती है। यह किसी से छिपा नहीं रहा कि पाकिस्तान का कुलीन वर्ग और सेना मुख्य रूप से अपना अस्तित्व ही भारत के खिलाफ भावनाओं का भयादोहन करके ही बचाते आए हैं। पाकिस्तानी सेना देश और देश के बाहर नैरेटिव को नियंत्रित करने वाली सबसे प्रमुख कड़ी बनी हुई है। मुनीर की बयानबाजी पाकिस्तान सेना की इस छवि को नए सिरे से स्थापित करने का ही प्रयास है कि सेना पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा करने में समर्थ है।

पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठतम अधिकारी के रूप में मुनीर की पाकिस्तानी परमाणु नीति में बदलाव अपनी ओर से पेश किए जा रहे खतरे को दोहराने की कोशिश है। इसके पीछे की मूल मंशा मुनीर की उस मजहबी-वैचारिक सोच से जुड़ी है, जिसके अनुसार भारत को एक ऐसे हिंदू देश के रूप में देखा जाता है, जो पाकिस्तान के लिए खतरा है। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर जोर देने की धमकी भारत के साथ रणनीतिक स्थिरता को पुनः संतुलित करने की कोशिश है। वर्ष 1998 में परमाणु क्षमता हासिल करने के बाद से ही पाकिस्तान नई दिल्ली पर परमाणु धमकियों के जरिये दबाव डालने की कोशिश कर रहा है।

इसके जवाब में भारत अपनी पारंपरिक सैन्य कार्रवाइयों के माध्यम से अधिक जोखिम उठाकर डेटरेंस यानी निवारक क्षमता बढ़ाने और परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के स्तर पर नए आयाम गढ़ने का काम करता आया है। पाकिस्तान जानबूझकर अस्थिरता की आशंका को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है ताकि नई दिल्ली पर दबाव बनाया जा सके। पाकिस्तान इस नैरेटिव को स्थापित करना चाहता है कि यदि भविष्य में भारत "आपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य कार्रवाई फिर करता है, तो पाकिस्तान को (टैक्टिकल) परमाणु हथियार इस्तेमाल करने पर मजबूर होना पड़ेगा। पाकिस्तान जो भी कहना चाहे, उसके लिए परमाणु हमले का जोखिम उठाना और भारत की सुनिश्चित जवाबी कार्रवाई का सामना करना अब भी एक बड़ी चुनौती है।

मुनीर के बयानों का मकसद पाकिस्तान की 'आपसी असुरक्षा' की अवधारणा को मजबूत करना और भारत की प्रतिक्रिया देने की संभावना को कम करना है, लेकिन पाकिस्तान का यह ढांचा पहले ही भारत की कार्रवाई से काफी हद तक टूट चुका है और इसका ताजा उदाहरण पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर है। ऐसे परिदृश्य में स्थिरता बनाए रखने का मुख्य दारोमदार पाकिस्तान का है। खुद को पाकिस्तान के विचार का संरक्षक मानने वाली पाकिस्तानी सेना ने भारत की पारंपरिक श्रेष्ठता और सैन्य बढ़त का मुकाबला करने के लिए ही आक्रामक परमाणु नीति अपनाई है।

मुनीर की भारत-विरोधी परमाणु दांव और पारस्परिक तबाही की धमकी अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बीच में लाने की कोशिश है, ताकि भारत की प्रतिक्रिया और प्रतिकार(डेटरेंट) नीति पर अंकुश लगाया जा सके। डेटरेंट सदैव मनोवैज्ञानिक रणनीति के दायरे में शुरू और समाप्त होता है।

पाकिस्तान का रिकार्ड यह दर्शाता है कि वह भारत के खिलाफ बार-बार परमाणु हथियार के इस्तेमाल की धमकी देकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचने की कोशिश करता है।

आधुनिकता के पैमाने

आज उसे जिन समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है, उनकी उसके पूर्वजों ने कभी कल्पना तक नहीं की होगी। इसलिए आज के मनुष्य के अंदर इतना लचीलापन अवश्य होना चाहिए कि वह नए विचारों को किसी मानसिक दबाव या कुंठा का शिकार हुए बिना अपना सके। गौरतलब है कि जनसंचार माध्यमों में हुई प्रगति के कारण आज के मनुष्य के सामने सूचनाओं का अंबार लग गया है। उसके पास अब अपना भला-बुरा सोचने के लिए समय नहीं है। ऐसा लगता है जैसे वह इस पृथ्वी पर सिर्फ कार्य निष्पादन के लिए आया है

इस पृथ्वी पर अपने उद्भव के तुरंत बाद से ही मनुष्य के रहन-सहन के तौर-तरीकों और उसकी सोच में परिवर्तन होते रहे हैं, लेकिन तब से लेकर पचास-साठ वर्ष पहले तक ऐसे परिवर्तनों की गति बहुत धीमी रही। नतीजतन, एक लंबे समय तक मनुष्य उन मानसिक दुविधाओं से मुक्त रहा जो आज नित नई जानकारियों की वजह से पैदा हो रही हैं। पिछले कुछ दशकों में ज्ञान-विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हुई आशातीत प्रगति के कारण मनुष्य के रहन-सहन में ही नहीं, बल्कि उसकी सोच में भी व्यापक बदलाव आया है। यह बदलाव इतनी तेजी से हो रहा है कि सदियों से चली आ रही सामाजिक मान्यताओं, परंपराओं, रीति-रिवाजों और मानवीय मूल्यों को आधुनिकता के नाम पर बिना कोई सोच-विचार किए नकारा जा रहा है। हालांकि कुछ ऐसी जड़ परंपराओं और रीति-रिवाजों को खत्म हो ही जाना चाहिए, जिन्हें मानवीयता और बराबरी आधारित जीवन के विरुद्ध कहा जा सकता है। बहरहाल, किसी भी प्रगतिशील मनुष्य के लिए यह निहायत जरूरी है कि वह वर्तमान में जीए। तभी उसका सर्वांगीण विकास हो सकता है। दरअसल, हरेक दौर की अपनी अपेक्षाएं और आवश्यकताएं होती हैं। वर्तमान दौर का मनुष्य अपने पूर्वजों का हमराही चाहते हुए भी नहीं रह सकता है। आज उसे जिन समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है, उनकी उसके पूर्वजों ने कभी कल्पना तक नहीं की होगी। इसलिए आज के मनुष्य के अंदर इतना लचीलापन अवश्य होना चाहिए कि वह नए विचारों को किसी मानसिक दबाव या कुंठा का शिकार हुए बिना अपना सके। गौरतलब है कि जनसंचार माध्यमों में हुई प्रगति के कारण आज के मनुष्य के सामने सूचनाओं का अंबार लग गया है। उसके पास अब अपना भला-बुरा सोचने के लिए समय नहीं है। ऐसा लगता है जैसे वह इस पृथ्वी पर सिर्फ कार्य निष्पादन के लिए आया है और एक मनुष्य के रूप में उसकी कोई अन्य उपयोगिता नहीं है। वह सिर्फ एक संसाधन है और उसकी भूमिका और उपयोगिता का निर्णय किसी और को करना है। बढ़ते हुए उपभोक्तवाद ने इस स्थिति को विकट बना दिया है। आज का मनुष्य अपनी वेशभूषा और आहार-सूची तय करने का अधिकार तक खो चुका है। दरअसल, आज सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि आधुनिकता का अर्थ क्या है! कहीं ऐसा तो नहीं है कि आधुनिकता के नाम पर हम उन मूल्यों को त्यागते जा रहे हों, जिनकी वजह से हमें प्रकृति की सर्वोत्तम रचना कहलाने का हक हासिल हुआ। आधुनिकता पर चर्चा करना इसलिए भी जरूरी है कि इसे विचारों के रूप में नहीं, बल्कि फैशन के रूप में अपनाया जा रहा है। अधिकतर लोगों के लिए आधुनिकता का अर्थ नए फैशन के कपड़े पहनना और घर को विलासिता की वस्तुओं से भरना है। ऐसे लोग आधुनिकता को एक ऐसी वस्तु समझते हैं, जिसे पर्याप्त कीमत देकर कभी भी प्राप्त किया जा सकता है। खेद की बात है कि हमने अपने समाज को आधुनिकता का वही अर्थ समझने दिया, जिसे कुछ स्वार्थी तत्त्व निज लाभ के लिए प्रचारित-प्रसारित करते रहते हैं। यही कारण है कि हमारे अधिकतर प्रौढ़ और युवाओं के लिए इसका अर्थ सिर्फ जींस पहनना, सिगरेट के छल्ले बनाते हुए किसी की जीवनशैली का उपहास करना और अंग्रेजी फिल्मों की अधकचरी समीक्षा करना है। सच तो यह है कि आधुनिकता का संबंध न तो 'किस मी नॉट' की चेपी लगी जींस-पैंट पहनना है और न ही मुंह को गोल बना कर कंधे उचका कर अंग्रेजी बोलते हुए शराब पीकर कमरतोड़ नृत्य करना है। इसका अर्थ तो उन विचारों को अपनाने से है जो हमारे सामाजिक जीवन के लिए प्राणवायु की भूमिका निभाते हैं और जो हमें एक प्रगतिशील देश के सजग नागरिक होने की योग्यता प्रदान करते हैं। गौरतलब है कि आधुनिक दिखने और आधुनिक होने में जमीन-आसमान का अंतर है। बाप-बेटे का साथ बैठ कर शराब पीना, मां-बेटी का किटी पार्टियों में जुआ खेलना और बड़े-बुजुर्गों द्वारा दिए जाने वाले सलाह-मशविरों का मजाक उड़ाना जैसे कार्यों को आधुनिकता से जोड़ना दिमागी दिवालियापन ही है। आजकल हमारे युवा वर्ग का एक तबका भ्रमवश यह समझ बैठा है कि अब तक चली आ रही सामाजिक वर्जनाओं की अनदेखी करना ही आधुनिकता है। इसी धारणा का शिकार बने युवा वाहनों, पार्कों, बाजारों, सिनेमाघरों और दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर अपने प्रेम का प्रदर्शन करते नजर आते हैं।

तेहरान में काम करने के लिए तुरंत हां कहा था

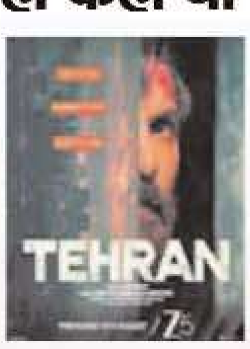

अभिनेत्री मधुरिमा तुली अपनी फिल्म तेहरान को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उन्होंने जॉन अब्राहम के विपरीत जासूस काजल सिंघानिया का रोल निभाया है। फिल्म में अपने रोल के बारे में मधुरिमा ने कहा कि पिछली फिल्मों के मुकाबले इस फिल्म में उनका रोल एकदम अलग और नया है। बातचीत में मधुरिमा तुली ने कहा मेरे पिछले किरदारों के मुकाबले तेहरान में मेरा रोल सबसे अलग और नया है। मैंन पहले काल्पनिक रोल जैसे राजकुमारी, पुलिस और योद्धा का किरदार निभाया था लेकिन इस फिल्म में असली रोल निभाया है। यह रोल किसी से प्रेरित नहीं है। इस रोल से मैंने जुड़ाव महसूस किया है। मधुरिमा ने बताया कि वह इस फिल्म में काम करने के लिए बहुत जल्दी तैयार हो गई थीं। उन्होंने कहा तेहरान का पूरा सेट बहुत अच्छा था, चाहे वह मेरे साथी कलाकार हो, प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स हो या फिर कहानी हो। यह सच्ची घटना पर आधारित है। सब कुछ बहुत अच्छा था। इसलिए इस फिल्म को ना कहने के लिए मेरे पास कोई कारण नहीं था। जब मैंने सुना कि यह रोल जॉन के विपरीत है तो मैंने तुरंत इसके लिए हां कह दिया। मधुरिमा को लगता है कि तेहरान ने उन्हें एक जमीनी और भावनात्मक स्तर पर रोल निभाने का मौका दिया है। फिल्म में उन्होंने महिलाओं की ताकत को दर्शाया जो अपने प्रियजनों का सपोर्ट करती है।

बिपाशा पर मृणाल ठाकुर की टिप्पणी को लेकर उर्फी ने दी प्रतिक्रिया

मृणाल ठाकुर अपने एक पुराने वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं। मृणाल इस वीडियो में कथित तौर पर अभिनेत्री बिपाशा बसु की बॉडी पर तंज कसती दिखी हैं। वे खुद को बिपाशा से ज्यादा खूबसूरत बता रही हैं और कहती हैं कि बिपाशा के मैनली मसल्स हैं। इस पर बिपाशा बसु ने एक क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए मृणाल को जवाब दिया। मृणाल ठाकुर इस पर सफाई देकर माफी मांग चुकी हैं। अब उर्फी जावेद ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है।

उर्फी ने लिखा, हम सभी ने ऐसी बातें कही हैं मृणाल ठाकुर ने इस वायरल वीडियो में जो कुछ कहा, उसने तूल पकड़ लिया है। बिपाशा के फैंस मृणाल को ट्रोल कर रहे हैं। उनकी समझ पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद ने मृणाल ठाकुर का बचाव किया है। उर्फी ने आज शुक्रवार को मृणाल का वह पुराना वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है और इसके साथ लिखा है, हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं।

विचारधाराओं में बदलाव होता है उर्फी ने लिखा है, जब हम युवा होते हैं तो हमें कुछ भी बेहतर नहीं पता होता, हम हर दिन सीखते और बढ़ते हैं। हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं, जिनसे अब हम सहमत नहीं हैं, क्योंकि हम विकसित होते हैं, बदलते हैं, हमारे नैतिक मूल्य भी बदलते हैं। विचारधाराओं में भी बदलाव होता है। मैंने पिछले इंटरव्यू में भी कुछ ऐसी बातें कही हैं, जो मुझे पसंद नहीं हैं।

मृणाल ने मांगी थी माफी

बता दें कि मृणाल ठाकुर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर इस टिप्पणी पर सफाई दी थी कि उन्होंने इरादतन कोई बात नहीं कही थी। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, 19 साल की उम्र में मैंने टीनएज में कई ऐसी बेवकूफी भरी बेतुकी बातें कही थीं। मुझे यह समझ नहीं थी कि आवाज में कितनी ताकत होती है या महज मजाक में भी कहे गए शब्द कितना दुख पहुंचा सकते हैं। लेकिन ऐसा हुआ और इसके लिए मुझे बहुत अफसोस है। मेरा इरादा कभी किसी को बॉडी शेम करने का नहीं था। यह एक इंटरव्यू में मजाकिया अंदाज में कही गई बात थी। यह मजाक हद से ज्यादा बढ़ गया। काश मैंने अपने शब्द अलग तरह से चुने होते। समय के साथ, मैं समझने लगी हूं कि सुंदरता हर रूप में होती है और अब मैं इसी को सच में महत्व देती हूं।

कार्तिक आर्यन के हाथ लगी इस निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म

अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म की चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे आगामी फिल्म कैप्टन इंडिया में वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते दिखेंगे। कार्तिक आर्यन के हाथ निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म लगी है, जिसमें वे पायलट का रोल करेंगे। शिमित अमिन के साथ कार्तिक आर्यन की यह पहली फिल्म होगी। बता दें कि शिमित को अब तक छप्पन और चक दे! इंडिया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक और शिमित पिछले एक साल से बातचीत कर रहे थे। दोनों के बीच कई विषयों पर बातचीत चल रही थी। इसी बीच शिमित ने कार्तिक को कैप्टन इंडिया के बारे में बताया। उन्हें यह कहानी काफी दिलचस्प लगी। सूत्र ने आगे कहा, शिमित ने कैप्टन इंडिया के लिए एक शानदार स्क्रीनप्लेय तैयार किया है। वे 2026 की पहली छमाही में कार्तिक के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। शिमित ने जब कार्तिक को फिल्म की कहानी सुनाई, तो एक्टर को भी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है। फिल्म की शूटिंग मार्च से जुलाई 2026 तक निर्धारित है।

कई बायोपिक करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

पॉपुलर वेब सीरीज एस्पिरेंट्स का संदीप भैया का किरदार आज भी ऑडियंस के दिलों में एक खास जगह बनाए हुए है। इस किरदार को निभाने वाले अभिनेता सनी हिंदुजा अब एक नए रोल में नजर आएंगे। वो वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट के किरदार में दिखेंगे।

एक्टर हमेशा भूखा रहता है...

बातचीत में सनी हिंदुजा ने कहा, एक्टर होता है तो भूखा होता है, मतलब हमेशा अच्छे रोल्स का इंतजार करता रहता है। मैं भी उसी कड़ी में हूं। अच्छे राइटर्स, अच्छे मेकर्स और अच्छे प्लेटफॉर्म्स के लिए इंतजार करना पड़ता है।

लोगों का प्यार गहरा होता है, भले नाम न जानें

एक्टर ने आगे कहा कि ट्रोलर्स के जो चुटकुले बनते हैं, उन्हें देखकर लगता है कि लोगों की मोहब्बत कितनी गहरी है। भले वे मेरा नाम भी सही से न जानते हों। कोई मुझे संदीप भैया बुलाता है, कोई 'सनी' ही समझ लेता है। अब कुछ लोग मुझे पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट समझ बैठे हैं, मजाक अलग है लेकिन ये भी एक तरह का प्यार ही है।

बायोपिक्स करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

अभिनेता ने आगे कहा कि हां, ऐसा बिल्कुल नहीं है कि मैं संतुष्ट हूं। मैं चाहता हूं कि मैं बायोपिक्स करूं, अलग-अलग किरदार निभाऊं, खुद को एक्सप्लोर करूं। लेकिन जो भी रोल मिले, उसमें पूरी मेहनत और लगन से काम करना चाहिए। छोटे या बड़े रोल से फर्क नहीं पड़ता, जो दिल से निभाए वही कामयाब होता है।

हर किरदार में देना चाहिए सर्वश्रेष्ठ

सनी ने यह भी बताया कि एक्टिंग में सही स्क्रिप्ट, टीम और रोल मिलना कितना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब आपको अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है और रोल में जान डालने का मौका मिलता है, तो आपको वह काम पूरे दिल से करना होता है। चाहे वह आईएएस बनने की कोशिश कर रहा संदीप भैया हो या एक जासूस जैसा पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट, हर किरदार में आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है।

लोगों से मिले प्यार को खास मानते हैं सनी

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी ऐसा महसूस हुआ कि उन्हें वह रोल नहीं मिला जिसकी वे हकदार थे और क्या वे अभी भी उस खास मौके का इंतजार कर रहे हैं। इस पर सनी ने जवाब देते हुए कहा कि सच्चाई ये है कि मैं आज जिस पोजीशन पर हूं, वह बहुत खास है। इतना प्यार मिलता है कि मेरा पैशन और प्रोफेशन दोनों साथ-साथ चल रहे हैं। अगर ये मुझे नहीं मिला होता, तो मैं बस एक्टिंग करता रहता, लेकिन इतनी जल्दी प्यार और पहचान मिलना मेरे लिए बड़ी खुशी की बात है।

मधुर भंडारकर ने शुरू की 'द वाइफ्स' की शूटिंग ओरी संग नजर आईं मौनी रॉय

डायरेक्टर मधुर भंडारकार ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइफ्स' की घोषणा पिछले दिनों की। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार वाइफ्स के ऊपर बन रही है। एक चर्चित एक्ट्रेस फिल्म में लीड रोल निभा रही हैं। वहीं इंफ्लुएंसर ओरी भी एक अहम किरदार इस फिल्म में कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ओरी ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। साथ में वह चर्चित एक्ट्रेस भी नजर आ रही हैं।

मधुर भंडारकर संग बातचीत करता दिखा ओरी

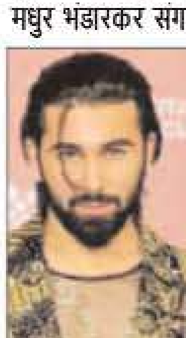

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है, उसमें डायरेक्टर मधुर ओरी और लीड एक्ट्रेस के साथ नजर आए। इंफ्लुएंसर ओरी भी अपने किरदार में नजर आ रहा है। वह ट्रेडिशनल ड्रेस पहने सेट पर मौजूद दिखा। डायरेक्टर और इन एक्टर्स के बीच किसी बात को लेकर डिस्कशन हो रहा था।

मौनी रॉय बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी

सेट पर मौनी रॉय भी दिखीं। वह लाल साड़ी पहने नजर आईं। फिल्म में वह एक बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी। मौनी इस फिल्म में लीड रोल में होंगी। पिछले दिनों मौनी के साथ फोटो साझा करते हुए मधुर भंडारकर ने यह जानकारी साझा की थी। मधुर भंडारकर 'फैशन', 'चांदनी बार', 'हीरोइन' और 'पेज 3' जैसी फिल्मों में अलग-अलग इंडस्ट्री की चमक के पीछे की दुनिया को दिखा चुके हैं। अब वो बॉलीवुड स्टार वाइफ्स की चमकदार दुनिया को बड़े पर्दे पर दर्शकों को दिखाएंगे। बॉलीवुड के कई राज भी वह इस फिल्म के जरिए खोल सकते हैं।

प्रतीक गांधी ने बताया फिल्म इंडस्ट्री का असली सच

अभिनेता प्रतीक गांधी अपनी नई वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में एक एजेंट का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में उन्होंने इस सीरीज की तैयारी? अपने किरदार की गहराई और स्कैम 1992 की सफलता के बाद अपनी फिल्मों को मिले मिक्स रिस्पॉन्स के बारे में अनुभव साझा किए। साथ ही, थिएटर की मौजूदा चुनौतियों और अपने अगले प्रोजेक्ट का जिक्र भी किया। वह महात्मा गांधी का रोल निभाने वाले हैं।

एजेंट के रोल की तैयारी करने में आपको सबसे ज्यादा क्या खास लगा?

सीरीज की शूटिंग शुरू करने से पहले मैंने नेटफिलक्स पर एक फिल्म देखी थी, जो जासूसों की जिंदगी को बहुत ही नए और दिलचस्प तरीके से दिखाती है। यह अनुभव मेरे लिए बहुत नया था और इससे मुझे विष्णु के किरदार को समझने में मदद मिली। मैंने स्क्रिप्ट को बहुत ध्यान से पढ़ा क्योंकि इसमें बहुत कुछ था जो जानना और महसूस करना जरूरी था। रीडिंग मटीरियल स्क्रिप्ट से कहीं ज्यादा था। चूंकि यह एक लंबी सीरीज थी, इसलिए किरदार की पूरी कहानी को समझना था। आधा पढ़कर मैं फैसला नहीं कर पाया क्योंकि पढ़ने में इतना मजा आ रहा था कि रुकना मुश्किल था। इसे पढ़ते-पढ़ते मुझे यकीन हो गया कि यह शो बहुत अच्छा बनेगा।

शूटिंग के दौरान कोई ऐसी बात जो आपको चौंकाने वाली लगी हो?

हां, बहुत कुछ। जैसे डॉक्टर भाबा के प्लेन क्रैश की घटना, जो सच है। लेकिन इसके आस-पास कितनी जिंदगियों पर असर पड़ा होगा, ये सोचकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। इन एजेंट्स के अंदर जो भावनात्मक उलझन होती है, इतनी सारी जानकारी लेकर कैसे जिया जाता है? ये समझना बहुत ही दिलचस्प था। ये लोग हमारे आसपास होते हैं, सामान्य लगते हैं, लेकिन उनकी जिंदगी बिल्कुल अलग होती है। उनका नाम कभी अखबारों में नहीं आता, न उन्हें कोई मेडल मिलता है। ये चुपचाप अपना काम करते हैं, इतने प्रेशर के बीच। ये मेरे लिए बेहद खास अनुभव था।

फिजिकल-मेंटल प्रिपरेशन कैसी रही?

इसमें फाइट सीन नहीं थे, क्योंकि एजेंट का काम ही ये है कि फाइट तक ना पहुंचे। मिशन फेल हो चुका होता अगर फाइट करनी पड़ी। इसलिए हमें ज्यादा साइकोलॉजिकल और मेंटल ट्रेनिंग मिली। रिएक्टिव ना होकर रिस्पॉन्सिव रहना, डायलॉग के बीच का गैप, जहां अंदर प्रोसेसिंग होती है, उसे समझना। 70 के दशक के लोगों के चलने-फिरने और बोलने के अंदाज को समझना भी बहुत जरूरी था।

आपको एजेंट की मानसिक स्थिति को समझने में क्या सबसे ज्यादा दिलचस्प लगा?

ये लोग अपनी सफलता का जश्न कभी नहीं मना पाते। न उन्हें मेडल मिलते हैं, न नाम अखबार में आता है। ये लोग बहुत प्रेशर के बीच चुपचाप अपना काम करते हैं। इस बात को एक्सप्लोर करना मेरे लिए कमाल का अनुभव था।

'स्कैम 1992' के बाद क्या आपको लगा कि हमेशा एक जैसे रोल मिल रहे हैं?

नहीं, ऐसा कभी नहीं लगा। हर बार नया किरदार मिला है। लोग मुझे अलग-अलग किरदारों के लिए सोचते हैं। मुझे लगता है कि मैं अपने किरदारों में कुछ नया लेकर आता हूं। स्टीरियोटाइप से बचना मुश्किल है, लेकिन मैं कोशिश करता हूं, इस चीज से खुद को दूर रखूं।

क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कोई व्यवस्था होनी चाहिए जिससे अच्छी फिल्में ज्यादा लोगों तक पहुंचें?

बिलकुल। इंडस्ट्री में काफी इनोवेशन की जरूरत है। टेक्नोलॉजी तो है, बस उस ऑडियंस तक पहुंचने का रास्ता ढूंढना होगा। इंडस्ट्री धीरे-धीरे उस दिशा में बढ़ रही है, लेकिन और सुधार की जरूरत है।

आप अगले प्रोजेक्ट में महात्मा गांधी का किरदार निभा रहे हैं और आपकी सीरीज टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चुनी गई है?

यह मेरे लिए एक बहुत खास मौका है। महात्मा गांधी जैसा बड़ा किरदार निभाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। इसे निभाने के लिए बहुत तैयारी करनी पड़ती है, क्योंकि गांधीजी की जिंदगी में कई पहलू हैं जो समझने जरूरी हैं। इस रोल को निभाना मेरे लिए गर्व की बात है। साथ ही, सीरीज गांधी का टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सेलेक्ट होना इस सफर की बड़ी सफलता है, जिससे मैं बहुत खुश हूं।

जब राजस्थान की जनता के साथ खड़े हुए 26 वर्षीय भावेश कुमावत-कहा अधूरा न्याय मिला

समाज में जागा नया विश्वास"

नर्मदाबेन कुमावत को म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की ज्यादतियों के दबाव ने आत्महत्या करने पर किया मजबूर

घटनाक्रम को लेकर भावेश के साथ कुमावत समाज ने दिखाई ताकत प्रशासन को हिला दिया

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर/पाली(नि.सं.)। नर्मदाबेन कुमावत की मौत ने राजस्थान समाज को हिला कर रख दिया। राजस्थान पाली जिले के मनिहारी निवासी रमेश भाई कुमावत की धर्म पत्नी नर्मदा बेन ने अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की ज्यादतियों और

उनकी दुकान तोड़ने के दबाव ने उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया।

लेकिन सबसे बड़ा आघात तब हुआ जब पुलिस ने मामला दर्ज करने से इनकार कर दिया। 3 दिन बाद जाकर एक मामूली मामला दर्ज की गई जो की व्यापारी एसोसिएशन एवं स्थानीय लोगो के दबाव पर की गई । इस घटनाक्रम को लेकर परिवार इतना हताश था,शव तीन दिन तक पड़ा रहा। तभी समाज ने देखा -युवा नेतृत्व की ताक़त। जब नेता नहीं, समाज का बेटा खड़ा हुआ साथ राजस्थान के बागड़ी गांव के मूल निवासी भावेश कुमावत- 26 वर्षीय स्विस बैंक अधिकारी और भारतीय युवा संगठन के अध्यक्ष- ने इस कठिन समय में मोर्चा संभाला। उन्होंने मुंबई से अहमदाबाद आकर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। सैकड़ों समाज बंधु उनके साथ खड़े होकर सड़क पर उतरे। पुलिस और प्रशासन पर दबाव डालते हुए उन्होंने FIR में भारत-नया संहिता की धाराएँ जोड़वाने में सफलता पाई। यह केवल व्यक्तिगत संघर्ष नहीं था-यह समाज की एकजुटता और एक युवा के नेतृत्व का नतीजा था। जिन्होंने कम उम्र में समाज को एकजुट करने एवं किसी परिवार के साथ अन्याय होने पर उसे न्याय दिलाना गुजरात में नई छाप छोड़ी है। जनता का समर्थन - सबसे बड़ी ताक़त भावेश के साथ समाज के बुज़ुर्ग, महिलाएँ और युवा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। यह स्पष्ट संदेश था- "अपने साथ हुए अन्याय के ख़िलाफ़ अब चुप नहीं रहेंगे। घटना के दौरान उन्होंने कहा कि "हमारे पास अब अपना नेतृत्व है- आधा न्याय,लंबा सफर" भावेश कुमावत ने समाज को संबोधित करते हुए बताया कि मामलें में धाराएँ जुड़वाना एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन यह अधूरा न्याय है। जब तक दोषियों को सज़ा और परिवार को इंसाफ़ नहीं मिलता, यह लड़ाई पूरी नहीं होगी। इस घटनाक्रम को लेकर अहमदाबाद की सड़कों पर भावेश कुमावत के साथ युवाओं का दमखम देखने को मिला जोकि नेतृत्व का प्रतीक था। भावेश ने दिखा दिया कि सच्चा नेता वही है जो संकट में समाज का हाथ थाम ले,और वक्त पर परिवार के साथ में खड़े रहे। उन्होंने सिर्फ़ आवाज़ नहीं उठाई,बल्कि समाज को संगठित कर प्रशासन को झुकने पर मजबूर कर दिया। यह केवल शुरुआत है- असली बदलाव तब होगा जब समाज इस युवा नेतृत्व के साथ आगे बढ़ेगा। न्याय की इस अधूरी राह में समाज और युवा प्रतीक कुमावत का यह संगठित संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बनेगा। इस मौके पर भावेश कुमावत के साथ बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतरे,और ताकत दिखाई।

शराब ठेकेदार के बदमाशों की फायरिंग से बाप मां बेटा घायल

जयपुर टाइम्स

भरतपुर(नि.सं.)। राजस्थान के भरतपुर में नदबई थाना क्षेत्र के बैलारा गांव में बुधवार को शराब ठेके पर कीमत से 10 रुपए अधिक लेने के मामले को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद ठेकाकर्मियों ने ग्राहक के घर पहुचकर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। बदमाशों की गोलियां लगने के बाद ग्राहक व उसकी पत्नी को घायल हालत में भरतपुर के जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि पुत्र का नदबई अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस सूत्रों ने शराब ठेकाकर्मियों के साथ हथियारों से लैस करीब एक दर्जन बदमाशों की फायरिंग में घायलों के नाम गांव बैलारा निवासी सरमन सिंह (50), उनकी पत्नी पिस्ता देवी (45) और बेटा संजू (25) बताये है। सरमन और पिस्ता देवी के पैरों में गोली लगी है। जबकि एक गोली संजू के कान को छू कर गई है। गांव में अचानक हुई फायरिंग से अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर सीओ नदबई अमर सिंह राठौड़ ने पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंच हालात का जायजा लिया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिव्यांग बच्चों के चेहरे खिले

धौलपुर में 127 बच्चों को व्हील चेयर, ट्राई साइकिल और अन्य उपकरण वितरित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर,(नि.सं.) राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार समग्र शिक्षा के अंतर्गत बुधवार को जिला स्तरीय अंग उपकरण वितरण कैंप का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पचगांव में हुआ। कैंप का शुभारंभ अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा जितेन्द्र सिंह जादौन ने किया। उन्होंने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चे अपने अंदर विशेष प्रतिभा लेकर जन्मे हैं। इन्हें कमजोर मानने के बजाय आत्मविश्वास दिलाना ज़रूरी है, ताकि वे समाज में अलग पहचान बना सकें।

बच्चों को मिला आत्मविश्वास

उपकरण पाकर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास झलक उठा। सहायक परियोजना समन्वयक विशाल कुमार गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार व एल्मिकों के सहयोग से दिए जा रहे ये उपकरण बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव लाएँगे। उन्होंने इन बच्चों को सक्षम और समर्थ बताया। कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने संवेदनशील समाज के निर्माण की बात करते हुए कहा कि विशेष बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा दिलाना आवश्यक है, ताकि वे समाज से बेहतर तालमेल बैठा सकें। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य विनीता शर्मा सहित अभिभावक और शिक्षक मौजूद रहे।

उपकरण वितरण

कैंप में कक्षा 1 से 12 तक के 127 दिव्यांग बच्चों को उपकरण दिए गए।

भैंस चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। दो भैंस व एक भैंसा चोरी करने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीआई बैगाराम मीणा ने बताया कि रामलाल गुर्जर निवासी नया बास ने इस मामले की रिपोर्ट दी थी। जिसके बाद पुलिस द्वारा आरोपी राजू पुत्र मेघराज निवासी सुजानगढ़ तथा ओमप्रकाश पुत्र जैसाराम निवासी जसवन्तगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को डीडवाना की जेल से गिरफ्तार किया गया तथा न्यायालय में पेश करने पर दोनों को जेल भेजे जाने के आदेश न्यायाधीश ने दिए। पुलिस ने दो भैंस व एक पाडी बरामद की है, जो परिवादी को सुपुर्द कर दी गई है।

फर्जी दस्तावेज पेश करने का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। ट्रक की सुपुर्दगी को लेकर न्यायालय में फर्जी दस्तावेज पेश करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोतवाली सीआई बैगाराम मीणा ने बताया कि आरोपी सुनील पुत्र बलबीर निवासी कुस्तर, जिला सिरसा हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार करने में हैड कांस्टेबल करणाराम, जगदीश, दीनदयाल की भी अहम भूमिका रही। आरोपी को न्यायालय में पेश करके जेल भिजवाया गया है।

बार-बार अघोषित बिजली कटौती से क्षेत्रवासी परेशान जनता का रहना हुआ मुश्किल

औद्योगिक क्षेत्र में कटौती से उद्योग प्रभावित,व्यापारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(नि.सं.) मंत्री जी के गृह क्षेत्र सुमेरपुर में पिछले लंबे समय से अघोषित बिजली कटौती को लेकर क्षेत्रवासी बेहद परेशान है। बार-बार कटौती से लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। सुमेरपुर शहर से लेकर गांवो में दिन रात घंटो तक बिजली काटी जा रही है। बार-बार कटौती होने से क्षेत्रवासियों में रोष है। औद्योगिक क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से उद्योगपतियों के साथ आमजन में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को उद्योगपतियों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान कराने की मांग की। अध्यक्ष रमेश कुमार परिहार, सचिव देवी प्रसाद लखोटिया और उपाध्यक्ष मुपव मेहता के नेतृत्व में ज्ञापन दिया । व्यापारियों ने बताया कि बार-बार बिजली बंद होने से उत्पादन कार्य प्रभावित हो रहा है, साथ ही घरों में रहना लोगों का मुश्किल हो गया है। मशीनें ऑन-ऑफ करने से उनके खराब होने की आशंका बढ़ गई है,जिससे उद्योगों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके साथ गर्मी में लोगों का जीना हराम हो गया है तथा घरेलू उपकरणों को नुकसान हो रहा है। उद्योगपतियों ने कहा कि बिजली कटौती से श्रमिकों का समय और संसाधन दोनों बर्बाद हो रहे हैं। इस विषय में पूर्व में भी बिजली विभाग को लिखित व मौखिक शिकायत की गई थी,लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। उन्होंने इसे "उद्योगों के विकास में गंभीर बाधा" बताया।

व्यापारियों ने रखी मांग

व्यापारियों ने कहा कि विद्युत विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली से जनता निराशा और हताश है समय पर काम नहीं हो रहा है। शहर में बार-बार बिजली कटौती की जा रही है। ऐसे में पुरानी शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लेकर समाधान किया जाए। औद्योगिक क्षेत्र के साथ साथ शहर में नियमित व निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर या लाइन सुधार कार्य शीघ्र करवाया जाए। बिजली विभाग को आवश्यक निर्देश दिए जाएं ताकि जनता का भरोसा बना रहे और क्षेत्र का औद्योगिक विकास बाधित न हो। ज्ञापन में कहा कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने को लेकर अधिकारी गंभीर रहें जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

भरतपुर(नि.सं.) कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला कलक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की स्थिति पर जानकारी दी। जिला कलक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट विजन है कि बजट घोषणाओं को जल्द से जल्द धरातल पर उतारा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने कार्यों को प्राथमिकता से लें और किसी भी प्रकार की देरी या अड़चन को तुरंत सुलझाएं। उन्होंने कहा कि क्रियान्वयन के दौरान गुणवत्ता से समझौता न हो और हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे। उन्होंने विभागीय बजट घोषणाओं पर विस्तार से चर्चा की। पर्यटन विभाग को दाऊ मदनमोहन मंदिर पर पार्किंग स्थल और अन्य सुविधाओं का विकास कार्य बीडीए को कार्यकारी एजेंसी बनाकर करने के निर्देश दिए। साथ ही पदम हवेली, श्री बालानंद जी मंदिर, अटारी में गोविंद स्वामी पैनोरमा, श्री गोकुला जाट पैनोरमा, राजा खेमकरण पैनोरमा, किशोरी महल, वैर का सफेद महल, प्रताप फुलवाड़ी, बांके बिहारी मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, गंगा मंदिर, झील का बाड़ा स्थित कैलादेवी मंदिर समेत प्रमुख धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों के जीर्णोद्धार और नाइट ट्यूरिज्म की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। कलक्टर ने बंध बारेठा बांध के पास महमदुपुरा गांव में जूलॉजिकल पार्क, सलीम अली सेंटर और एक्वेरियम की स्थापना की योजना तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने विधायक जनसुनवाई केंद्रों हेतु भूमि आवंटन के लिए विधायकों से वार्ता कर अनुशंसा प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जैविक उत्पादों की प्रमाणीकरण यूनिट्स, मृदा परीक्षण हेतु एग्री क्लिनिक, मेडिकल कॉलेज में स्पाइनल इंजरी सेंटर, विज्ञान केंद्र, डिजिटल तारामंडल, आरबीएम अस्पताल में आधारभूत सुविधाओं का विकास, नदबई में ईडब्ल्यूएस छात्रावास, गर्ल्स स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट, बालिका सैनिक स्कूल, आदर्श वेद आवासीय विद्यालय, अटल इनोवेशन स्टूडियो, फ्लड ड्रेन व बांधों के जीर्णोद्धार जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। बैठक में डीएफओ मानस सिंह, अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी, एसीईओ विनय मित्र, जल संसाधन अधीक्षण अभियंता बनय सिंह, पीएचईडी नरेन्द्र वर्मा, पर्यटन संयुक्त निदेशक संजय जौहरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चूरू के एस-400 लॉन्चर इंचार्ज को मिलेगा वीरता पदक, राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

जयपुर टाइम्स

चूरू (नि.सं.)। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर में वीरता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए चूरू के लाल को राष्ट्रपति द्वारा वीरता पदक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। चूरू के हासियावास निवासी भले सिंह (38) ने एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 के लॉन्चर इंचार्ज रहते हुए पाकिस्तान के एफ-16 सहित 5 फाइटर जेट मार गिराए थे। राष्ट्रपति भवन से 14 अगस्त को जारी वीरता पदक सूची में उनको सम्मानित करने की घोषणा की गई है। गांव के लाडले को वीरता पदक पुरस्का''र मिलने की सूचना के बाद गांव हासियावास के ग्रामीणों में खुशी की लहर है। ऑपरेशन सिंदूर में चूरू जिले की सिद्धमुख तहसील के गांव हासियावास के रहने वाले भले सिंह (38) एस-400 मिसाइल प्रणाली के लॉन्चर इंचार्ज थे। बुधवार को चूरू आए भले सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में एस 400 यूनिट ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। इससे उन्होंने पाकिस्तान के एफ-16 सहित 5 फाइटर जेट मार गिराए। उनकी टीम ने पाकिस्तान एयरफोर्स का अवाक्स फायटर जेट भी मार गिराया था, जिसमें काफी लोग अंदर बैठकर काम करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में उन्होंने एस-400 मिसाइल से पाकिस्तान एयरफोर्स की कमर तोड़ते हुए पाकिस्तान को सीज फायर करने पर मजबूर कर दिया। भले सिंह ने बताया कि टीम ने पाकिस्तान में 314 किलोमीटर अंदर पेशावर के पास रनवे से उड़ान भर रहे अवाक्स जेट को मार गिराया था। जिसकी पुष्टि भारतीय वायुसेना के उच्च अधिकारियों ने भी की थी।

पूर्ववर्ती ई– बीआरकेजीबी की बैंकिंग सेवाएं 22 से 26 अगस्त तक अस्थाई बंद रहेंगी

राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक (ई-आरएमजीबी) एवं पूर्ववर्ती बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (ई– बीआरकेजीबी) का समामेलन, अब राजस्थान ग्रामीण बैंक की सेवाओं का मिलेगा लाभ

जयपुर टाइम्स

चूरू,(नि.सं.) पूर्ववर्ती राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक (ई-आरएमजीबी) एवं पूर्ववर्ती बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (ई– बीआरकेजीबी) के समामेलन के पश्चात राजस्थान ग्रामीण बैंक लगभग 1600 शाखाओं एवं 26 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से सम्पूर्ण राजस्थान में कार्यरत राज्य का एकमात्र क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक बन गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल अग्रवाल ने बताया कि समामेलन पश्चात तकनीकी माइग्रेशन एवं सॉफ्टवेयर एकीकरण की प्रक्रिया के सफल क्रियान्वयन हेतु पूर्ववर्ती ई– बीआरकेजीबी की सभी शाखाएं, डिजिटल बैंकिंग सेवाएं (जैसे एटीएम इंटरनेट बैंकिंग मोबाईल बैंकिग यूपीआई, एईपीएस आदि) एवं बैंक के बीसी चैनल पर सभी लेनदेन तथा सेवाएं 23 अगस्त, 2025 से 26 अगस्त, 2025 तक और चेक /क्लियरिंग संबंधी समस्त प्रक्रियाएं 22 अगस्त, 2025 से 26 अगस्त, 2025 तक अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त, 2025 से राजस्थान ग्रामीण बैंक की सभी बैंकिंग सेवाएं पूर्ववत एवं पूर्ण रूप से संचालित की जाएगी। उन्होंने बैंक के सभी ग्राहकों से अपील की है कि सभी अपने वित्तीय लेनदेन इस समयरेखा के अनुसार बनाएँ।

राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने सादगी पूर्वक मनाया अपना जन्मदिन

कार्यकर्ताओं को दिया संदेश हम सबको स्वर्गीय हरिश्चंद्र कुमावत के पद चिन्ह पर चलना है......... विजय सिंह चौधरी

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(नि.सं.) भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल के द्वारा नावां विधायक तथा राज्यमंत्री विजय सिंह चौधरी के जन्मदिवस पर भाजपा कार्यालय मे सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें राज्यमंत्री सम्मिलित हुए तथा सर्व प्रथम भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष, पालिका अध्यक्ष, विधायक स्वर्गीय हरीश चंद्र कुमावत को पुष्पांजलि देकर कार्यक्रम की विधिवत शुरुवात की गई इस अवसर पर राज्यमंत्री का भाजपा कार्यालय के प्रमुख कर्मचारी और कार्यकर्ता मातादीन वाल्मीकि और आनंद शर्मा ने माल्यार्पण तथा साफा बंधन करके अभिनंदन किया साथ में पूर्व जिला महामंत्री गोविंद कुमावत,मंडल अध्यक्ष बाबूलाल कुमावत कमल दादा पहाड़िया महामंत्री जसराज खुड़ीवाल,राजेंद्र सिंह,सुशील काबरा आनंद व्यास किशन गुर्जर छीतरमल कुमावत राजेंदर सिंह प्रेममपुरा खेताराम सिसोदिया जिला पदाधिकारी बरखा जेन गोरूराम कुमावत,सुरेश सिखवाल, नंदा राम बुगालिया हेमंत पारीक अयूब शेख ओमप्रकाश सेन नथमल शर्मा सुनील चावला आकाश जैन मनोज स्नेही ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष कमल राजोरिया युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर कुमावत मुकेश कुमावत शेखर कड़वा भंवरलाल चावला भैरूराम कुमावत रमेश चावला संदीप जैन आकाश जैन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे,राज्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया था कहा कि हम सब को स्वर्गीय हरीश कुमावत के पदचिन्हों पर चलना है कार्यक्रम के अंत में बाबूलाल कुमावत ने सभी भाजपाइयों का आभार व्यक्त किया इसके पश्चात सभी गौ शाला बीड,शाकम्बरी माता मंदिर,नली का बालाजी मंदिर पहुंचे जहां पर विकास समिति तथा अन्य संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा स्वागत और सम्मान किया गया ।

धौलपुर के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा- राजवीर सिंह राजावत

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। भारतीय जनता पार्टी धौलपुर के जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर धौलपुर के विकास व संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की। भरतपुर संभाग सह मीडिया प्रभारी मुकेश सक्सेना ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से उनके निवास पर भेंट कर धौलपुर के मचकुंड महाराज धाम को कृष्णा सर्किट में शामिल करने का मुद्दा उठाया। इस पर शेखावत ने कहा कि धौलपुर से उनका विशेष लगाव है और वे हरसंभव प्रयास कर धौलपुर को कृष्णा सर्किट से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में धौलपुर की अपार संभावनाएं हैं और इन पर काम किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश

प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर से भी मुलाकात की। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर चर्चा हुई और दोनों नेताओं ने उपयोगी सुझाव दिए। साथ ही, प्रतिनिधिमंडल ने कृषि एवं आपदा प्रबंधन मंत्री किरोड़ी लाल मीणा से भेंट कर हाल ही में आई बाढ़ आपदा से प्रभावित धौलपुर के पीड़ितों को शीघ्र और अधिक से अधिक मुआवजा राशि उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्री एस. पी. सिंह बघेल से भी शिष्टाचार मुलाकात की गई। इस प्रतिनिधिमंडल में राजवीर सिंह राजावत के साथ महामंत्री मदन कोली, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कमल पहाड़िया, वरिष्ठ भाजपा नेता बच्चा राम बघेल, आशीष मिश्रा, प्रदीप सिसोदिया, रविंद्र हतवारी, पंकज शर्मा, संदीप परमार, डॉ. मनोज शर्मा, विवेक रावत, नितिन अग्रवाल और राज परमार शामिल रहे। राजवीर सिंह राजावत ने कहा कि धौलपुर के सर्वांगीण विकास के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी और भाजपा संगठन जनहित के मुद्दों पर मजबूती से कार्य करेगा।

श्याम विहार कॉलोनी विकास समिति ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। श्याम विहार कॉलोनी विकास समिति, सिरसी रोड, भांकरोटा ने मुख्यमंत्री महोदय को पत्र लिखकर कॉलोनीवासियों के आवासीय भूखंडों के पट्टे जारी करने की मांग उठाई है। समिति ने अपने निवेदन पत्र में बताया कि वर्ष 1996 में सिरसिली गृह निर्माण विकास समिति, जयपुर द्वारा इन्हें आवासीय भूखंड आवंटित किए गए थे। उस समय 100 फीट की सड़क और हाईटेंशन लाइन के नीचे प्रस्ताव पारित किया गया था। समिति ने पत्र में उल्लेख किया है कि राज्य सरकार ने 17 जून 2022 को संयुक्त शासन सचिव प्रथम के माध्यम से हाईटेंशन लाइन के नीचे 120 फीट रोड का प्रस्ताव जारी किया था। वर्तमान सेक्टर प्लान में भी 220 केवी हाईटेंशन लाइन के नीचे 35 मीटर कॉरिडोर तथा 24-24 मीटर की सड़कें दर्शाई गई हैं। विकास समिति का कहना है कि श्याम विहार कॉलोनी अब पूरी तरह बसी हुई है और जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) का कैंप भी यहां लग चुका है। ऐसे में हाईटेंशन लाइन के नीचे 100 फीट सड़क को मान्य मानते हुए कॉलोनीवासियों को भूखंडों के पट्टे दिलवाए जाने चाहिए। साथ ही उन्होंने मांग की है कि सेक्टर प्लान में दिखाई गई सड़कों को रद्द किया जाए, क्योंकि यह व्यवस्था पहले से बसी कॉलोनी के लिए अव्यवहारिक है। कॉलोनीवासियों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे इस विषय में आवश्यक आदेश जारी करें, ताकि लंबे समय से भूखंड मालिकों की लंबित समस्या का समाधान हो सके और उन्हें अपने भूखंडों के वैध पट्टे प्राप्त हो सकें।

गौशाला सेवार्थ हेतु अध्यक्ष को किया चेक भेंट

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। श्री सार्वजनिक गौशाला स्टेशन रोड अलवर में डॉ माथुर के पुत्र और पुत्र वधू हेमलता अभिनव माथुर निवासी लंदन (यूके) ने गौशाला को एक लाख एक हजार रुपए की राशि का चेक गौशाला के सेवार्थ हेतु अध्यक्ष अजय अग्रवाल को भेंट किया। इस अवसर पर गौशाला के सेक्रेटरी उपाध्यक्ष अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने दानकर्ता के प्रति आभार व्यक्त किया।

गौशाला में संधारित गौवंश हेतु सहायता आवेदन की अन्तिम तिथि 22 अगस्त

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। गौसंरक्षण एवं संवर्धन निधि नियम-2016 संशोधित नियम-2021 अन्तर्गत वित्त वर्ष 2025-26 के प्रथम चरण माह अप्रैल, मई, जून - 2025 (90 दिवस) की देय सहायता हेतु गोपालन वेब पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 22 अगस्त, 2025 है। पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ सुनील मेहरा ने बताया कि 22 अगस्त, 2025 के बाद गौशालाओं के ऑनलाईन आवेदन नहीं हो पाएंगे। इसलिए सभी गौशाला प्रबन्धन समितियां निर्धारित तिथि तक सहायता आवेदन करना सुनिश्चित करें। जिला गोपालन अधिकारी डॉ बीआर बायल ने बताया कि आदिनांक तक गौशाला प्रबन्धन समितियों द्वारा 11 आवेदन ही किए गए हैं। निर्धारित दिनांक तक ऑनलाईन आवेदन अपलोड नहीं करने वाली गौशालाओं की पात्रता पर विचार नहीं किया जाएगा एवं गौशाला को सहायता देय नहीं होगी। आवेदन में तकनीकी सहायता हेतु कार्यालय समय में सम्पर्क किया जा सकता है। ऑफलाइन सहायता आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगें।

औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर गुरुवार को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र द्वारा गुरुवार, 21 अगस्त, 2025 को सवेरे 10 बजे जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल में औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर आयोजित किया जाएगा।
उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने बताया कि शिविर में चूरू के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं, उद्यमियों, बेरोजगारों को उद्योग विभाग की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, डॉ भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी, राजस्थान एक जिला एक उत्पाद पॉलिसी, राजस्थान एक्सपोर्ट पॉलिसी, उद्यम रजिस्ट्रेशन, हस्त शिल्प परिचय- पत्र आदि विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि उद्योग/सेवा क्षेत्र व व्यवसाय के क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक व्यक्ति अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर विभागीय योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

आईपीएल मैचों पर सट्टा लगवाने का आरोपी गिरफ्तार, बदमाश को कोटा से पकड़ा

सवाई माधोपुर

(निसं.)सवाई माधोपुर की मानटाउन थाना पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैचों पर सट्टा लगाने वाले गिरोह के वांछित इनामी बदमाश मोहम्मद इंसाफ को गिरफ्तार किया है। आरोपी इंसाफ को मानटाउन पुलिस ने कोटा शहर से दबोचा है। आरोपी पर सवाई माधोपुर ने 5? हजार रुपए का इनाम घोषित था। गौरतलब है कि 05 अप्रैल 2024 को कोतवाली पुलिस ने सवाई माधोपुर के एक लग्जरी होटल के वीआईपी कमरे में छापा मारकर क्रिकेट सट्टेबाजी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था। उस समय पुलिस ने भारी मात्रा में उपकरण जब्त किए थे। जिनमें 12 मोबाइल फोन, दो लैपटॉप, मोबाइल कम्युनिकेशन सिस्टम शामिल थे। छापे के दौरान 10 करोड़ 50 लाख रुपए का लेन-देन हिसाब भी मिला था।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा पासपोर्ट नम्बर N2852351है जिसमें गलती से मेरा नाम कपिल देव थालोड़ व पिता का नाम तना राम दर्ज हो गया है जो गलत है। जबकि मेरा वास्तविक नाम कपिल थालोड़ व पिता का नाम तना राम थालोड़ है जो सही व सत्य है। मेरे पासपोर्ट में मेरा व मेरे पिता का नाम सही करने बाबत।
कपिल थालोड़ पुत्र तना राम थालोड़, गांव श्यामपुरा पोस्ट देपालसर, तहसील व जिला चूरू (राज.)

व्यापार संघों ने मण्डी प्रांगणों में यूजर चार्ज लगाए जाने के निर्णय का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्य सरकार द्वारा कृषि उपज मण्डी प्रांगणों में गैर अधिसूचित कृषि जिन्सों और खाद्य पदार्थों के व्यापार पर यूजर चार्ज लगाए जाने के निर्णय का विभिन्न व्यापार संघों ने स्वागत किया है। निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेश कुमार चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में वर्तमान में 337 कृषि उपज मण्डी समितियां संचालित हो रही हैं, जहां अधिसूचित कृषि जिन्सों का थोक व्यापार किया जाता है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में जयपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर और जोधपुर सहित कई बड़े मण्डी प्रांगणों में अधिसूचित जिन्सों के साथ-साथ गैर अधिसूचित खाद्य पदार्थों जैसे दाल, मसाले, आटा, तेल एवं अन्य दैनिक उपभोग की वस्तुओं का व्यापार भी शुरू हो गया था। चूंकि इन वस्तुओं का व्यापार मण्डी प्रांगणों में अनुमत नहीं था, इसलिए उन पर किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा रहा था। राज्य सरकार ने इस स्थिति को देखते हुए राजस्थान कृषि उपज मण्डी अधिनियम, 1961 की धारा 17-ख में संशोधन किया है। संशोधन के तहत अब गैर अधिसूचित कृषि जिन्सों और खाद्य पदार्थों के व्यापार को भी विधिवत अनुमत कर दिया गया है। इसके लिए मण्डी समितियों को अधिकार दिया गया है कि वे ऐसे व्यापार पर केवल 0.50 प्रतिशत की दर से उपयोक्ता प्रभार (यूजर चार्ज) वसूल करें। चौहान ने बताया कि इस निर्णय से दोहरा लाभ होगा। एक ओर गैर अधिसूचित व्यापार करने वाले व्यापारियों को मण्डी प्रांगणों में दुकानों और गोदामों का आवंटन मिल सकेगा, वहीं दूसरी ओर मण्डी समितियों को प्रांगण के रखरखाव और विकास कार्यों के लिए स्थायी राजस्व प्राप्त होगा। इस जनकल्याणकारी निर्णय का प्रदेशभर के व्यापार संघों द्वारा स्वागत किया गया है। श्रीगंगानगर, उदयपुर, डीग, बहरोड, ब्यावर, जयपुर, प्रतापगढ़, निम्बाहेड़ा, कुम्हेर, भरतपुर, तिजारा, धौलपुर, डेगाना, मेडतासिटी, खेडली और लक्ष्मणगढ़ के व्यापार संघों ने इसे सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि इससे व्यापारियों को औपचारिक मान्यता मिलेगी और मण्डियों का समुचित विकास सुनिश्चित होगा। व्यापार संघों ने राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा कि यह निर्णय न केवल व्यापारियों के लिए राहतकारी है बल्कि मण्डी समितियों को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक साबित होगा।

नगर निगम ग्रेटर जयपुर में मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना का शिविर, 200 से अधिक ने किया आवेदन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी में मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत पात्र आवेदकों के लिए शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मौके पर ही आवेदन किए। बुधवार को 200 से अधिक पात्र आवेदकों ने योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इस योजना का उद्देश्य नगर निगम ग्रेटर जयपुर क्षेत्र के जरूरतमंद और असहाय परिवारों से जुड़े असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को आर्थिक संबल प्रदान करना है। इसमें भवन एवं निर्माण श्रमिक, गिग वर्कर, परिवहन श्रमिक, घरेलू श्रमिक, सफाई कर्मी, हॉकर्स, वेस्ट वर्कर, दस्तकार और हस्तशिल्प श्रमिक शामिल हैं। योजना के माध्यम से इन्हें बिना गारंटी के 80 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि ऋण तीन चरणों में दिया जाएगा - 10 हजार रुपये (12 माह की अवधि), 20 हजार रुपये (18 माह की अवधि) और 50 हजार रुपये (36 माह की अवधि)। राज्य सरकार द्वारा बैंक ऋण पर 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही, ऋण उपलब्ध कराने पर किसी भी प्रकार का प्रक्रिया शुल्क नहीं लिया जाएगा। शिविर में उपस्थित लाभार्थियों को योजना की विस्तृत जानकारी दी गई तथा मौके पर ही आवश्यक दस्तावेजों - जनाधार कार्ड, बैंक पासबुक, आधार से लिंक मोबाइल नंबर और व्यवसाय संबंधित कागजात के आधार पर आवेदन भरवाए गए। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इस योजना से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को आर्थिक मजबूती मिलेगी और उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

स्वामी त्रिलोकनाथ जी महाराज का अनूठा संकल्प

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। समाज और संस्कृति के लिए समर्पित कावड़िया संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी त्रिलोकनाथ जी महाराज ने एक ऐसा भावनात्मक अभियान शुरू करने का बीड़ा उठाया है, जो सीधे मानवता और आस्था के हृदय से जुड़ा है। उन्होंने घोषणा की है कि कोरोना काल में जिन लोगों ने असमय अपनी प्राण त्यागे और उचित संस्कारों से वंचित रह गए, उनके लिए नारायण बली और अन्य विधिवत क्रियाकर्म करवाकर उनकी आत्माओं को शांति और मोक्ष दिलाया जाएगा।

कोरोना पीड़ितों के लिए आत्मिक संबल

कोरोना महामारी ने न केवल लाखों जीवन छीन लिए, बल्कि अनेक परिवारों को अधूरी स्मृतियों और अपूर्ण संस्कारों की पीड़ा भी दे दी। कई मृतकों का अंतिम संस्कार परिस्थितियों के कारण अधूरा रह गया। स्वामी त्रिलोकनाथ जी का कहना है कि यह केवल कर्मकांड का विषय नहीं है, बल्कि यह आत्माओं के प्रति करुणा और मानवता का कर्तव्य है। "जब तक आत्मा को शांति न मिले, तब तक परिजनों के हृदय भी बेचैन रहते हैं," उन्होंने कहा।

खंडित मूर्तियों का पुनः प्रतिष्ठापन

स्वामी जी ने यह भी संकल्प लिया है कि पूरे भारतवर्ष में जहां कहीं भी मंदिरों में खंडित मूर्तियां हैं, वहां नई मूर्तियों की स्थापना करवाई जाएगी। उनका मानना है कि खंडित मूर्तियां उपेक्षा का प्रतीक बन जाती हैं, जबकि नई प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा श्रद्धालुओं के विश्वास को नया जीवन देती है। यह कार्य न केवल धार्मिक आस्था का सम्मान है, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का प्रयास भी है।

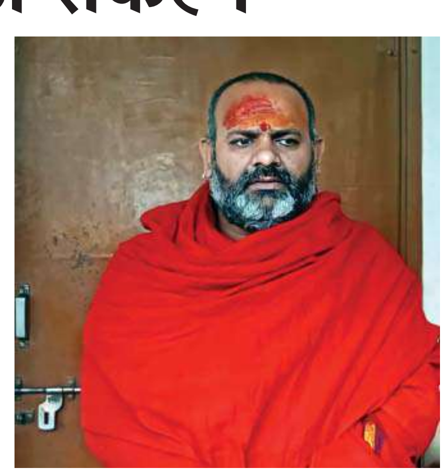

राष्ट्रव्यापी अभियान

यह अभियान केवल एक स्थान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे देश में चलाया जाएगा। स्वामी त्रिलोकनाथ जी महाराज का उद्देश्य है कि प्रत्येक आत्मा को उचित सम्मान मिले और हर मंदिर में आस्था की लौ पुनः प्रज्वलित हो। उन्होंने समाज से भी आह्वान किया है कि इस पवित्र कार्य में सहयोग दें और इसे मानवता के महायज्ञ के रूप में देखें।

भावनात्मक संदेश

यह संकल्प केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उन अनगिनत पीड़ित परिवारों के लिए सहारा है, जो अब भी अपनों के अधूरे संस्कार की टीस महसूस करते हैं। स्वामी जी का यह प्रयास उन सभी आत्माओं को श्रद्धांजलि है, जिनकी आवाजें मौन हो गईं पर जिनकी स्मृतियां आज भी दिलों में जीवित हैं। यह अभियान एक गहरी संवेदना का संदेश देता है–"आस्था और करुणा ही वह दीपक है, जो अंधकारमय पीड़ा को भी प्रकाश में बदल सकता है।"

आरजीएचएस योजना सुदृढ़ करने के लिए दिशा-निर्देश जारी

जिलों में सीएमएचओ को मिला क्रियान्वयन का जिम्मा, मां योजना के नोडल अधिकारी ही संभालेंगे आरजीएचएस

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में राजस्थान सरकार ने राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों के हित में लागू राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (आरजीएचएस) को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए इस बदलाव का उद्देश्य योजना के संचालन, मॉनिटरिंग और नियंत्रण को और प्रभावी बनाना है। विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने जानकारी दी कि राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर आरजीएचएस का जिम्मा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सौंपा है। अब योजना की सभी पत्रावलियां राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से विभाग को भेजी जाएंगी। एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजी लाल अटल ने बताया कि जिला स्तर पर योजना के संचालन, मॉनिटरिंग और समग्र क्रियान्वयन की जिम्मेदारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को दी गई है। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में नियुक्त जिला नोडल अधिकारी ही आरजीएचएस योजना के भी नोडल अधिकारी होंगे। वे जिले में योजना से जुड़े सभी कार्यों का निर्वहन करेंगे और योजना से जुड़े न्यायिक मामलों में राज्य सरकार की ओर से प्रभावी पैरवी भी सुनिश्चित करेंगे। परियोजना अधिकारी शाहीन अली ने बताया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के जिला परियोजना समन्वयक को भी अब आरजीएचएस के कार्यों में शामिल किया गया है। वे जिले में सीएमएचओ और नोडल अधिकारी के निर्देशानुसार योजना के समुचित क्रियान्वयन, समन्वय, मॉनिटरिंग और नियंत्रण का कार्य करेंगे। राज्य सरकार का मानना है कि इन नए दिशा-निर्देशों से योजना का संचालन अधिक पारदर्शी और प्रभावी होगा। साथ ही कर्मचारियों और पेंशनरों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समय पर और बेहतर तरीके से मिल सकेगा।

निवेशकों व अधिकारियों के समन्वय से यथाशीघ्र धरातल पर उतरें राइजिंग राजस्थान एमओयूः सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बुधवार को जिला परिषद सभागार में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट सम्मिट अंतर्गत जिले में विभिन्न विभागों के माध्यम से किए एमओयू की क्रियान्विति की चर्चा करते हुए निवेशकों व अधिकारियों से संवाद किया। इस दौरान जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि निवेशकों व अधिकारियों के समन्वय से राइजिंग राजस्थान एमओयू यथाशीघ्र धरातल पर उतरें। एमओयू की समयबद्ध क्रियान्विति के लिए अधिकारी व निवेशक परस्पर सामंजस्य से आ रही समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान निवेश सम्मिट प्रदेश सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है और प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में अभूतपूर्व पहल है। हम सभी मिलकर राजस्थान की औद्योगिक गति को तीव्र करें तथा प्रत्येक स्तर पर अपनी भागीदारी निभाएं। इस दौरान जिला कलक्टर सुराणा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट के दौरान संपादित एमओयू जिनमें धरातल पर लाने हेतु आ रही समस्याओं पर चर्चा एवं उनके निराकरण के लिए अधिकारियों व निवेशकों के साथ संवाद किया। बैठक में सोलर एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग, फर्नीचर निर्माण, शिक्षा, चिकित्सा आदि सैक्टर्स के निवेशकों ने भाग लिया। जिला कलक्टर ने उपस्थित प्रत्येक निवेशक से उनके एमओयू के निष्पादन एवं उससे जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की तथा मौके पर ही उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। निवेशकों ने बिजली, भू- रूपांतरण, सब्सिडी संबंधित विषयों पर चर्चा की। एडीएम अर्पिता सोनी ने निर्देशों की पालना करने तथा आ रही समस्याओं के निस्तारण के लिए समन्वय को लेकर चर्चा की। इस दौरान निवेशक महेश कुमार ने जिला प्रशासन के प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुए बताया कि उनको विभागीय अधिकारियों का समुचित सहयोग मिला और उनके एमओयू की ग्राउंडब्रेकिंग होकर उत्पादन प्रारंभ हो गया है। उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने बैठक का संचालन करते हुए एमओयू की जानकारी दी।

कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है..........

श्री श्याम संकीर्तन में खाटूश्यामजी का लगा दरबार

जयपुर टाइम्स

राजगढ(निसं.) कस्बे के ख्वास का बाग बड़ी गुवाड़ी में श्री श्याम मित्र मंडल बड़ी गुवाड़ी के तत्वावधान में प्रथम श्री श्याम जागरण का आयोजन बुधवार को हुआ।

श्री श्याम मित्र मंडल बड़ी गुवाड़ी के कल्याण सहाय सैनी ने बताया कि संकीर्तन का शुभारंभ विधि विधान से पूजा अर्चना कर व बाबा श्याम की ज्योत प्रज्वलित कर किया गया। भजन संध्या का शुभारंभ अलवर के मनोज लाड़ला ने गणेश वंदना, हनुमान स्तुति व गुरु वंदना के साथ किया। इस दौरान उन्होंने श्याम थारी चौखट पर आया हूं में हार के भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में लक्षिता आर्ट ग्रुप तिजारा की ओर से राधा-कृष्ण की अलौकिक सजीव झांकी, कृष्ण सुदामा मिलन तथा हनुमान जी की झांकी सजाई गई। संकीर्तन में राजगढ़ के भजन प्रवाहक सरदार सुरजीत सिंह ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को ताली बजाने पर मजबुर कर दिया। उन्होंने नजर ना लग जाये, तेरे मोटे-मोटे नयन, सांसों का बनाकर हार बाबा को चढ़ा दूं, साथी हमारा कौन बनेगा तुम ना सुनोगे तो कौन सुनेगा आदि भजन सुनाकर सब नाचने पर मजबुर कर दिया। संकीर्तन में कानपुर के विकास अग्रवाल ने खाटू बुला रहा है कृपा नहीं तो क्या है, हारा हूं बाबा पर तुझपे भरोसा है आदि भजन सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कीर्तन समापन पर महाआरती की गई। आरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन हारे का सहारा मित्र मंडल के राजकुमार गुप्ता ने किया। इस दौरान भगवान सहाय सैनी, जीतू सैनी, घनश्याम सैनी, रोहित सैनी, राहुल सैनी, मुकुल बड़ाया, महेश खण्डेलवाल, राकेश सैनी, सोनू सैनी, विमला देवी, धर्मचंद सैनी, जितेंद्र सैनी, राजेश सैनी, मुन्ना लखपति, गिर्राज मैदानी सहित सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरूष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जयपुर टाइम्स की खबर का असर

जैन मंदिर मुख्य मार्ग की सफाई शुरू

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निसं.) जयपुर टाइम्स में प्रकाशित समाचार का त्वरित असर देखने को मिला है। ग्राम पंचायत बापूगांव प्रशासन ने छोटा गिरनार जैन मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग की साफ-सफाई करवाई। लंबे समय से इस मार्ग पर गंदगी व नालियों की खराब स्थिति के कारण यहां आने वाले श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जयपुर टाइम्स में श्रद्धालुओं की कठिनाइयों और सफाई व्यवस्था की अनदेखी को लेकर खबर प्रकाशित की गई थी। खबर सामने आने के तुरंत बाद ही ग्राम पंचायत प्रशासन हरकत में आया और सफाईकर्मियों को भेजकर मंदिर मार्ग की सफाई करवाई गई। साथ ही नालियों की भी सफाई की गई, जिससे मार्ग पर फैली गंदगी दूर हो सकी। स्थानीय श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने जयपुर टाइम्स का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मीडिया की सक्रिय भूमिका से ही उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान संभव हो पाया है। श्रद्धालुओं ने संतोष व्यक्त किया कि अब राजस्थान से बाहर से आने वाले तीर्थयात्रियों को भी मंदिर तक पहुँचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। ग्राम पंचायत सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी ने भी आश्वासन दिया कि आगे समय-समय पर साफ-सफाई और नालियों की देखरेख की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जैन मंदिर जाने वाले मार्ग की जल्द ही मरम्मत भी करवाई जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को स्थायी समाधान मिल सके। जयपुर टाइम्स की खबर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि समाज की समस्याओं को उजागर कर प्रशासन तक पहुँचाना कितना प्रभावी साबित हो सकता है।

किसानों की आय वृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए मोदी सरकार की पहल: राजस्थान दूसरे स्थान पर

जयपुर टाइम्स

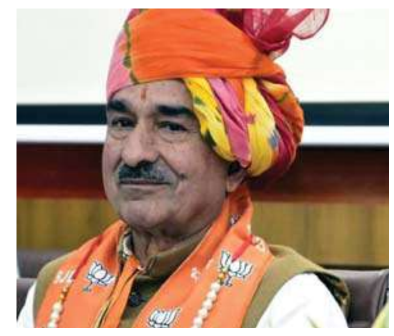

जयपुर(कासं.) राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों की आय वृद्धि, ऋण सुविधा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के अंतर्गत देशभर में 31 मार्च 2025 तक कुल 7.72 करोड़ सक्रिय खाते हैं। इनमें से 71.27 लाख खाते राजस्थान के किसानों के नाम पर हैं, जो कुल का लगभग 9.23 प्रतिशत है। इस भागीदारी ने राजस्थान को देशभर में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर स्थापित किया है। सांसद राठौड़ ने यह जानकारी अपने सवाल के जवाब में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी द्वारा राज्यसभा में दी गई जानकारी का हवाला देते हुए साझा की। उन्होंने कहा कि यह आँकड़ा राजस्थान के किसानों की आर्थिक सक्रियता और मोदी सरकार की किसान-हितैषी नीतियों की सफलता का प्रमाण है। राठौड़ ने आगे बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में किसानों को कुल 17,811.72 करोड़ रुपए की ब्याज सहायता दी गई। इसमें ब्याज सब्सिडी और समय पर पुनर्भुगतान प्रोत्साहन दोनों शामिल हैं। संशोधित ब्याज अनुदान योजना किसानों को कम ब्याज दर पर कृषि ऋण उपलब्ध कराने और समय पर पुनर्भुगतान को बढ़ावा देने में क्रांतिकारी पहल साबित हो रही है। यह योजना किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाने के साथ-साथ आधुनिक कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और खाद जैसी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करती है। सांसद राठौड़ ने कहा कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (पैक्स), जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (डीसीसीबी) और राज्य सहकारी बैंक (एसटीसीबी) इस योजना को अंतिम स्तर तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इनके माध्यम से किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध हो रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर और सशक्त बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की किसान-हितैषी नीतियाँ न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश में कृषक समाज को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान कर रही हैं। राठौड़ ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में इस योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

सड़क हादसे पर गहलोत के बयान को विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया निंदनीय

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर में हाल ही में हुए सड़क हादसे पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण और पूर्णतः निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की ओछी राजनीति करना एक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि को शोभा नहीं देता। पटेल ने आरोप लगाया कि गहलोत अब वैमनस्य से भरी राजनीति करने पर उतर आए हैं, जो लोकतांत्रिक परंपरा के लिए दुखद है। पटेल ने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस घटना के बाद महज दो घंटे के भीतर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर पीड़ित परिवार से संपर्क साधा और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके विपरीत, उन्होंने दावा किया कि गहलोत ने अपने कार्यकाल में कभी भी ऐसी घटनाओं पर त्वरित संज्ञान नहीं लिया। "आज जब वे अपनी पार्टी में हाशिये पर जा रहे हैं तो केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं," पटेल ने कहा। उन्होंने गहलोत पर आरोप लगाया कि नाबालिग बच्चों की मृत्यु जैसी दुखद घटनाओं पर राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। "यदि उन्हें कोई सुझाव देना था या किसी कमी की ओर ध्यान दिलाना था तो वे जिम्मेदारी से कर सकते थे, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने इसे भी वैमनस्य का मुद्दा बना दिया," पटेल ने जोड़ा। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए पटेल ने कहा कि पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को स्पष्ट करना चाहिए कि स्क्रीनिंग कमेटी कब बनी, उसमें कौन-कौन से अधिकारी शामिल थे और चयन प्रक्रिया कैसे हुई। उन्होंने कहा कि चयन एक पारदर्शी और पूर्वनिर्धारित प्रक्रिया के तहत हुआ है। "यह कहना कि किसी जाति या धर्म के आधार पर चयन नहीं हुआ, संकीर्ण राजनीति का हिस्सा है। कांग्रेस को इससे बाज आना चाहिए," उन्होंने कहा। पटेल ने यह भी कहा कि वर्षों बाद विभिन्न सेवाओं से आने वाले अधिकारियों को आईएएस बनने का अवसर मिला है और कांग्रेस को इस उपलब्धि की सराहना करनी चाहिए, न कि विभाजनकारी राजनीति करनी चाहिए।

सुरानी-कालीखेड़ा क्षेत्र में शराब फैक्ट्रियों का अपशिष्ट, ग्रामीणों ने किया धरना-प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

अजीतगढ़(निसं.)। गढटकनेत ग्राम पंचायत के सुरानी-कालीखेड़ा क्षेत्र में पिछले कई महीनों से अलवर, बहरोड़ और जयपुर की शराब फैक्ट्रियों का अपशिष्ट पदार्थ डाले जाने से ग्रामीणों का जीना दूभर हो गया है। मक्खी-मच्छरों के प्रकोप और दुर्गंध से परेशान ग्रामीणों ने बुधवार को कांग्रेसी नेता कर्मजीत खेरवा के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन कर अजीतगढ़ थाना अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

अपशिष्ट से फैल रही बीमारियों की आशंका

ग्रामीणों का कहना है कि फैक्ट्रियों का अपशिष्ट खेतों में डाला जा रहा है, जिससे दुर्गंध, मच्छर और मक्खियों की भरमार हो गई है। इससे बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार लगातार ट्रकों और डंपरों से यह गंदा पानी और अपशिष्ट इलाके में गिरा रहे हैं।

पुलिस पहुंची, कार्रवाई का आश्वासन

धरना स्थल पर स्थिति को देखते हुए अजीतगढ़ थाने के सहायक थाना अधिकारी नेकीराम व बलवीर सिंह पुलिस जाप्ते के साथ पहुंचे और ग्रामीणों से बात की। बाद में थाना अधिकारी रिया चौधरी ने बताया कि मौके पर खड़े अपशिष्ट से भरे डंपरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया।

कांग्रेस नेता बोले- हल नहीं हुआ तो करेंगे बड़ा आंदोलन

कर्मजीत खेरवा ने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं। यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। इस दौरान विक्की मीणा, मालीराम यादव, प्रभात यादव, सीताराम मीणा, ओमप्रकाश मीणा, पवन योगी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

फैक्ट्री प्रबंधन ने झाड़ा पल्ला

इस मामले में अजीतगढ़ एग्रो बायोटेक लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट अनिल सेठ ने सफाई दी कि उनकी फैक्ट्री का अपशिष्ट इस क्षेत्र में नहीं डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि "हमारी फैक्ट्री का इस गंदगी से कोई लेना-देना नहीं है। कार्रवाई होनी चाहिए और हम ग्रामीणों के साथ हैं।" इस घटनाक्रम ने एक बार फिर औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन की खामियों को उजागर कर दिया है और ग्रामीण समाधान की राह देख रहे हैं।

स्वतंत्रता सेनानी बद्रीप्रसाद गुप्ता को दी श्रद्धांजलि, सुपौत्र रिपु दमन गुप्ता का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। स्वतंत्रता गौरव उत्सव समिति, अलवर द्वारा आयोजित एक गरिमामयी समारोह में स्वतंत्रता आंदोलन में अहम योगदान देने वाले ताम्रपत्र प्राप्त स्वतंत्रता सेनानी एवं राजस्थान सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री स्वर्गीय बद्रीप्रसाद गुप्ता के योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर समिति द्वारा उनके सुपौत्र रिपु दमन गुप्ता को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके महान पूर्वज के देशहित में किए गए त्याग और संघर्ष को मान्यता देने हेतु प्रदान किया गया। समारोह में सुरेंद्र माथुर, गौरी शंकर विजय, मनोज गुप्ता, नारायण साईंवाल, प्रकाश गुप्ता, संजय बवेजा, सत्य प्रकाश शर्मा, अजीत सोनी, शैलेन्द्र माथुर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अलवर आगार की मुख्य प्रबंधक के खिलाफ दिया धरना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। बुधवार को भारतीय मजदूर संघ अलवर की ओर से बस स्टैंड पर मुख्य प्रबंध सपना मीणा के खिलाफ धरना दिया गया संघर्ष समिति के संयोजक पुष्पराज शर्मा ने बताया कि मुख्य प्रबंधक सपना मीणा द्वारा ऐसे चालकों द्वारा बस चलवाई जा रही है जिन्हें स्वास्थ्य विभाग ने अनफिट कर रखा है एवं आरटीओ द्वारा उनका लाइसेंस का नवीनीकरण भी नहीं हुआ है। जिससे वह कर्मचारी एवं आमजन के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। अगर उनके खिलाफ कोई आवाज उठाता है तो उन्हें नोटिस देने एवं निलंबित करने की धमकी देती है। सह संयोजक मोरध्वज यादव ने बताया कि धरने पर लोकेश शर्मा, सरजीत यादव, प्रदीप यादव, महिपाल, सतीश, मोरध्वज यादव, नरेंद्र सिंह, चतर सिंह, किशनलाल व धर्मेंद्र चौधरी धरने पर बैठे सह संयोजक ने बताया कि आंदोलन की सूचना प्रदेश स्तर पर पहुंचा दी गई है। अगर मुख्य प्रबंधक के खिलाफ शीघ्र निलंबित की करवाई नहीं कि तो आंदोलन उग्र किया जाएगा। धरने की शुरुआत मुख्य प्रबंधक के खिलाफ नारेबाजी करके की गई जिसमें पीयूष शर्मा, खे़म चंद सैन, विशाल शर्मा, धीरेन्द्र सिंह, सतीश, लोकेश, योगेश नेहरा, उत्सव शर्मा, सिद्धार्थ, गोपाल सहित सैकड़ो की संख्या में सभी विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

तहसीलदार लालसिंह मीणा और उनके स्टाफ पर हुए हमले की कड़ी निंदा

जयपुर टाइम्स

झालावाड़(निसं.) राजस्थान तहसील दार सेवा परिषद ने 19 अगस्त को झालावाड़ जिले के झालरापाटन तहसील कार्यालय में तहसीलदार लालसिंह मीणा और उनके स्टाफ पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। परिषद ने इस घटना को प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमा पर हमला बताते हुए कहा कि यह केवल कानून-व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि लोकसेवकों के मनोबल के लिए भी गंभीर खतरा है। परिषद का कहना है कि इस तरह की घटनाएं सरकारी कार्यप्रणाली को प्रभावित करती हैं और इससे आमजन के कार्यों में बाधा उत्पन्न होती है। ज्ञापन में कहा गया कि कुछ लोगों ने कार्यालय में घुसकर मारपीट, अभद्रता, तोड़फोड़ और सरकारी दस्तावेज नष्ट करने जैसी गतिविधियों को अंजाम दिया, जो कि गंभीर अपराध है। इसके बावजूद दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी नहीं होना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। परिषद का मानना है कि यदि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं होती तो भविष्य में अपराधियों का हौसला और बढ़ेगा और सरकारी अधिकारियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। परिषद ने अपनी मांगों में स्पष्ट कहा है कि दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की जाए। तहसीलदार और नायब तहसीलदार स्तर के अधिकारियों को सुरक्षा प्रोटेक्शन प्रदान किया जाए ताकि वे निर्भीक होकर अपने दायित्व निभा सकें। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि एफआईआर दर्ज होने के 72 घंटे के भीतर गिरफ्तारी हो। परिषद ने मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तहसील कार्यालयों में पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराया जाए। परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि 21 अगस्त तक दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो प्रदेशभर के तहसीलदार कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। परिषद का कहना है कि यह आंदोलन मजबूरी में उठाया जाने वाला कदम होगा क्योंकि लगातार बढ़ती घटनाओं ने अधिकारियों की सुरक्षा को संकट में डाल दिया है। ज्ञापन देने के दौरान पाटन के तहसीलदार सुभाष चंद्र भी मौजूद रहे और उन्होंने कहा कि तहसील स्तर पर काम करने वाले अधिकारी जनता की सेवा के लिए समर्पित रहते हैं, लेकिन यदि उनके साथ इस प्रकार का व्यवहार किया जाएगा तो वे निष्पक्ष रूप से कार्य नहीं कर पाएंगे। परिषद ने उम्मीद जताई है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से लेकर दोषियों पर शीघ्र सख्त कार्रवाई करेगी।

किसानों ने बिजली आपूर्ति में अव्यवस्था को लेकर सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निसं.)। राजलदेसर क्षेत्र के किसानों ने अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष कामरेड भादर भाम्भू के नेतृत्व में बुधवार को बिजली आपूर्ति में अव्यवस्था को लेकर सहायक अभियंता जोविविनि राजलदेसर के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन कनिष्ठ अभियंता को सौंपा गया। किसानों ने आरोप लगाया कि बण्डवा रोही फीडर में बार-बार ट्रिपिंग हो रही है। दो-तीन दिन से लगातार हर 15 से 20 मिनट में बिजली काटी जा रही है। इससे बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है और फसलों की सिंचाई का काम भी बाधित हो रहा है। किसानों का कहना है कि बार-बार की इस समस्या के कारण वे बेहद परेशान हैं और उनकी खेती-किसानी प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में किसानों ने मांग रखी कि थ्री फेस सप्लाई नियमित रूप से कम से कम छह घंटे और सिंगल फेस सप्लाई अठारह घंटे दी जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। कामरेड भादर भाम्भू ने कहा कि बिजली ग्रामीण जीवन और खेती-किसानी दोनों के लिए बुनियादी जरूरत है। बार-बार की ट्रिपिंग और अस्थिर आपूर्ति से ग्रामीणों के साथ-साथ विद्यार्थी और किसान दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से तुरंत प्रभाव से इस समस्या को दूर करने की मांग की।

एपिलेप्सी अवेयरनेस कार्यक्रम का किया आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। रोटरी क्लब ऑफ अलवर के तत्वावधान में एपिलेप्सी अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन आदिनाथ पब्लिक स्कूल ऑडिटोरियम में किया गया।जिसमें डॉ अमित खंडेलवाल द्वारा एपिलेप्सी के विषय में जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया की एपिलेप्सी यानी मिर्गी के बारे में बहुत गलत धारणाएं विद्यमान है। यह केवल एक न्यूरो डिसऑर्डर है जिसका इलाज संभव है। अज्ञानता के अभाव में लोग मरीज को जूते सुंघाने लगते हैं, कोई देवी देवता का साया मानने लगता है तथा उसका उचित इलाज नहीं कराया जाता है। इस कार्यक्रम में श्री आदिनाथ जैन शिक्षण संस्थान के उपाध्यक्ष नीरज जैन, सहसचिव मगन चंद जैन तथा संस्थान के सभी प्रिंसिपल्स स्टाफ तथा विद्यार्थी भी विद्यमान रहे। रोटरी क्लब की अलवर की अध्यक्षा बबीता खंडेलवाल द्वारा भी कार्यक्रम को संबोधित किया गया। इस कार्यक्रम में रोटेरियन सरोज यादव, रोटेरियन कविता खंडेलवाल भी उपस्थित रही। कार्यक्रम को आशीष जैन द्वारा कॉर्डिनेट किया गया।

कॉमन सीनियरिटी पर भिड़े व्याख्याता, रेसला में दो फाड़, कई पदाधिकारियों ने दिए इस्तीफे

एक पक्ष कॉमन सीनियरिटी आधारित प्रमोशन का समर्थक, दूसरा चल रही प्रक्रिया के साथ, संगठन में खींचतान तेज

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.) व्याख्याता संगठन रेसला में कॉमन सीनियरिटी को लेकर घमासान मचा हुआ है। 2015 भर्ती के व्याख्याताओं की पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर संगठन दो धड़ों में बंट गया है। एक गुट जहां शिक्षा विभाग की मौजूदा प्रमोशन प्रक्रिया के पक्ष में है, वहीं दूसरा बड़ा खेमा कॉमन सीनियरिटी के आधार पर ही पदोन्नति की मांग कर रहा है। इसी विवाद के चलते संगठन में आंतरिक तनाव बढ़ गया है और संगठन के उदासीनता रवैये को लेकर कई पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से अपने-अपने पदों से इस्तीफे दे दिए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक इस्तीफा देने वालों में नीमकाथाना जिला अध्यक्ष डॉ. सुमेर कालश, दूदू जिला अध्यक्ष अमित शर्मा, उदयपुरवाटी ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चंद्र सैनी, मालपुरा ब्लॉक महामंत्री हेमराज जाट, नीमकाथाना ब्लॉक मंत्री महेश कुमार यादव, अजीतगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष विजेंद्र लांबा, मकराना ब्लॉक महामंत्री मनोज जांगिड़ और कोटपूतली-बहरोड़ जिला सहसंयोजक डॉ इंद्राज गुर्जर शामिल हैं। इन सभी पदाधिकारियों ने इस्तीफे में वर्तमान पदोन्नति प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जब मामला राजस्थान हाईकोर्ट में विचाराधीन है, तब तक किसी भी तरह की पदोन्नति प्रक्रिया रोकी जानी चाहिए।

क्या है विवाद की जड़?

दरअसल, व्याख्याताओं की पदोन्नति में सीनियरिटी का आधार तय करने को लेकर मतभेद गहराते जा रहे हैं। एक पक्ष चाहता है कि कॉमन सीनियरिटी लागू हो, जिससे सभी को बराबरी का मौका मिले, जबकि दूसरा पक्ष वर्तमान विभागीय प्रक्रिया को सही ठहरा रहा है। इस मुद्दे पर राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की गई है, जो फिलहाल विचाराधीन है।

क्या है मामला

वर्ष 2015 में राजस्थान लोक सेवा आयोग ने व्याख्याता पदों के लिए 19 विषयों की परीक्षा आयोजित की। भर्ती परीक्षा में 13098 पदों के लिए गणित, चित्रकला, रसायन विज्ञान, दर्शनशास्त्र, राजस्थानी, सिंधी, संगीत, समाजशास्त्र आदि आठ विषयों में 1247 व्याख्याता को 2016 में पोस्टिंग दे दी गई। इसके बाद जून 2017 में सबसे पहले राजनीति विज्ञान एवं अंग्रेजी के 3 हजार चयनितों को पोस्टिंग दी गई। जून 2017 में ही इन दो विषयों के बाद हिंदी, भूगोल, इतिहास, वाणिज्य, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, अर्थशास्त्र, संस्कृत सहित कुल 9 विषयों में 8755 पदों पर पोस्टिंग हुई, इन नो विषयों की पदोन्नति अटकने की अब नौबत आ गई है। वर्तमान में उपप्राचार्य पदोन्नति में राजनीति विज्ञान और अंग्रेजी विषयों तक संपूर्ण व्याख्याता पदोन्नत हो जाएंगे, लेकिन शेष विषयों के प्रथम वरीयताधारी चयनित भी इस पदोन्नति से वंचित रह जाएंगे। विभाग अगर इसी प्रक्रिया को अपनाता है तो हजारों व्याख्याताओं को पदोन्नति से 8-10 साल तक वंचित होना पड़ेगा।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।

अजीतगढ़ की अरावली पर्वत माला पर पैंथर का मूवमेंट

जयपुर टाइम्स

अजीतगढ़(निसं.) कस्बे की अरावली पर्वतमाला पर मंगलवार की शाम एक पैंथर का मूवमेंट देखा गया जानकारी के अनुसार यह पहाड़ी अजीतगढ़ बस स्टैंड से बिल्कुल करीब है जहां पहाड़ी पर मूवमेंट करता है यह पैंथर दिखाई देता है जिस कारण कई लोगों ने इस पैंथर के मूवमेंट का फोटो व वीडियो अपने मोबाइल में कैद किया। जानकारी के अनुसार इस अरावली पर्वतमाला पर तीन से चार पैंथर बताए जाते हैं।

मोक्ष धाम की बगीची में रखा सामान चोरी

जयपुर टाइम्स

दांतारामगढ़(निस.)। दांता कस्बें में स्थित सर्व समाज मोक्ष धाम की बगीची (शिव हनुमान मंदिर) में मंगलवार रात्रि को कमरे का ताला काटकर कमरे की अलमारी में रखे पीतल और तांबे के बर्तन व अन्य सामान अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिए गए । जानकारी अनुसार घटना का पता सुबह चला जब नारायण दर्जी बगीची में गए तो कमरे का गेट खुला था और नीचे ताला कटा हुआ पड़ा था एवं कमरे में अलमारी खुली थी और काफी संख्या में पीतल व तांबे के बर्तन गायब थे। नारायण दर्जी, श्री राम सोनी, पवन कुमार सोनी, पूसाराम खटीक, जुगल शर्मा, गजानंद चौहान, ललित अग्रवाल आदि लोग बगीची में पहुंचे और सामान को संभाला और घटना की जानकारी ली। उक्त घटना को लेकर पुलिस को सूचना दे दी गई ।

तहसीलदार ने सम्भाला पदभार

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निसं.) राज्य सरकार की ओर से जारी स्थानांतरण सुची अनुसार आज तहसीलदार हरदिप सिंह ने पदभार सम्भाला। पदभार सम्भालने के बाद उन्होंने स्टाफ के साथ मिटिग ली तथा परिचय लिया। उन्होंने सरकार की योजना आमजन तक पहुंचाने को प्राथमिकता से करने आमजन कि फरियाद पर शीघ्रता से समाधान के लिए सभी साथ मिलकर कार्य करने की अपील की। तहसीलदार हरदिप सिंह का स्टाफ ने माला साफा पहनाकर स्वागत किया। साथ ही एडवोकेट रोहित मारू, एडवोकेट कपिल पारीक, एडवोकेट श्रवण मोडसरा, गिरधारी ज्यादती,बजरंग नाई,सांवरमल, रामलाल सहित लोग उपस्थित थे।

गाय को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा दिलाने आरजे 10 गौ रक्षक दल का जुलूस

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। गाय को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर आरजे 10 गौ रक्षक दल और बाबा गौ रक्षक दल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को विशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस स्थानीय इंद्रमणि पार्क से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए बागला खेल मैदान तक पहुंचा। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं ने साधु-संतों के सान्निध्य में "गाय माता की जय", "भारत माता की जय", "गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करो" और "आवारा गोवंश का संरक्षण हो" जैसे नारे लगाए। बाद में जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। जुलूस के दौरान मुख्य बाजार में कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। बिसाऊ धाम के रविनाथ जी महाराज, चूरू के ध्याननाथ जी महाराज और चिमा बाबा ने कहा कि सरकार को गाय संरक्षण के लिए कठोर कानून बनाने चाहिए और गोवंश की तस्करी पर रोक लगानी चाहिए। रविनाथ जी महाराज ने नगर परिषद को फटकार लगाते हुए आवारा गोवंश के संरक्षण, मृत गोवंश के सम्मानजनक अंतिम संस्कार और कचरा निस्तारण की व्यवस्था सुधारने की मांग की। जिला प्रशासन ने जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग दिया।

झुग्गी बस्ती में महिलाओं को वितरित किये सेनेटरी नैपकिन

जयपुर टाइम्स

चूरूः(निसं.)। राजीव गांधी जयंती के उपलक्ष में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की ओर से नारी स्वास्थ्य संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार बुधवार को रामसरा रोड़ स्थित झुग्गी बस्ती में महिलाओं और युवतियों को नारी स्वास्थ्य संकल्प कार्यक्रम के तहत कांग्रेस महिला मंडल की जिलाध्यक्ष सुनिता कपूरिया के नेतृत्व में सेनेटरी नैपकिन वितरित किये गये। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कपूरिया ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इस अवसर पर सुशीला सुण्डा, बालीबाई, दीपिका सैन, राखी, बबीता गुर्जर, माला, नगीना सहित अनेक महिलाएं उपस्थित थी।

नाम परिवर्तन

मेरे पुत्र विरेंद्र के शाला रिकॉर्ड में उसका नाम विरेंद्र VIRENDAR, जन्मतिथि 01- 07- 2010 अंकित है, जो गलत है। जबकि जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम विरेन्द्र VIRENDRA और जन्मतिथि 12- 10- 2012 है, जो सत्य एवं सही है। अब में शाला रिकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम और जन्मतिथि संशोधित करवाना चाहता हूं। जगदीश पुत्र लूणा राम जाट, ग्राम करेजड़ा, तहसील सुजानगढ़ (चूरू)

कार्यालय नगरपरिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

क्रमांक : – न.प.सु./भूमि शाखा/2025/5428–29 दिनांक 18–08–2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे अंकित निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा कृषि भूमि नियमन के अन्तर्गत पट्टा नियमन हेतु आवेदन किया हुआ है। उक्त के सम्बंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो आपत्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत करे। बाद मियाद गुजरने पश्चात् किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और इकतरफा कार्यवाही की जावेगी।

क. सं.	आवेदक का नाम व पता	कस्बा	ख.नं.	क्षेत्रफल वर्गमीटर	आवासीय/व्यावसायिक
01.	श्री दिनेश पुत्र श्री जीवराज सिंह	सुजानगढ़	1929/633	366.67	आवासीय

आयुक्त
नगरपरिषद, सुजानगढ़

आम सूचना

मै. रामस्वरूप सैनी पुत्र गुलाबचन्द जाति माली निवासी रामपुरा तहसील तारानगर जिला चूरू ;राजस्थानद्ध का हूँ यह विकास सैनी मेरे बड़े भाई पवन कुमार पुत्र गुलाबचन्द का रियल पुत्र है जो कि मैनें दिनांक 19 जून 2025 को कानूनी कार्यवाही पूरी कर गोद ले लिया है जो कि गोद लाइन करवाकर गोद पत्र सूची पुस्तक सं. 04 जिल्द सं. 09 में पृष्ठ सं. 126 क्रम सं. 202503341400013 पर पंजीबद किया गया तथा अतिरिक्त पुस्तक सं. 41 जिल्द नं. 18 के पृष्ठ सं. 107 से 116 पर चस्पा किया गया है। यह कि आज दिनांक 27 जून 2025 को मैं रामस्वरूप सैनी शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि विकास सैनी के स्कूल रिकॉर्ड मे पिता का नाम पवन कुमार की जगह रामस्वरूप सैनी किया जाना सही एवं सत्य है।

भवदीय
रामस्वरूप सैनी

अघोषित बिजली कटौती से आमजन परेशान

मण्डावा(निसं.)। । मण्डावा शहर सहित पूरे क्षेत्र में बिजली कटौती ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। भीषण गर्मी और उमस के बीच लगातार हो रही बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। रात में भी बिजली नहीं आने से ग्रामीणों को जागना पड़ता है। लोगों का कहना है कि मानसून के दौर में जहां उमस में लोग बेहाल हैं वहीं बिजली कोढ़ में खाज का काम कर रही है। बिजली की कमी से पेयजल आपूर्ति भी बाधित हो रही है। बिजली निगम के अधिकारी व डबल इंजन की सरकार वाले नहीं दे रहे ध्यान ।

जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक 29 अगस्त को

झुंझुनूं(निसं.)।। जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी की अध्यक्षता में 29 अगस्त को दोपहर 12.15 बजे जिला परिषद सभा भवन में आयोजित की जाएगी । जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजीत सिंह गोदारा ने बताया कि बैठक में पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग से संबंधित कार्यों, पंचायती राज संस्थाओं को हस्तांतरित विभागों की गतिविधियों व योजनाओं पर चर्चा की जाएगी । इस दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 की पूरक वार्षिक कार्य योजनाओं पर चर्चा कर अनुमोदन भी किया जाएगा ।

नोटिस मजरिया अदालत सिविल न्यायाधीश, सुजानगढ़ जिला चूरू

न.मु. 18/2024
श्रीमती मन्जू आदि बनाम सर्वसाधारण

वाद-पत्र बाबत लापता गिरधारीलाल की सिविल मृत्यु की घोषणा हेतु

नोटिस बनाम सर्वसाधारण

उपरोक्त अनवानी वाद - पत्र बाबत लापता व्यक्ति की सिविल मृत्यु से घोषणा आवेदक श्रीमती मन्जू देवी अपने पति, दिनेश सैन, खेमाराम सैन, विरेंद्र सैन नाबालिग अपने पिता, पारा देवी अपने पुत्र गिरधारीलाल पुत्र बालाराम जाति सैन, निवासी ग्राम ढ़ाकावाली, तहसील सुजानगढ़, जिला चूरू (राज.) लापता व्यक्ति की सिविल मृत्यु घोषणा हेतु प्रस्तुत किया है, जो कि विचाराधीन है, जिसमें आपको अनावेदक के रूप में पक्षकार संयोजित किया गया है। अतः आपको जरिये नोटिस आगाह किया जा रहा है। कि यदि आपको कोई उजर आपति हो तो दिनांक 20-09-2025 के रोज वक्त 10.30 एएम बजे पर स्वयं अथवा जरिये अपने वकील उपस्थित होकर वजह जाहिर करें, इसके बावजूद भी आपके अनुपस्थित रहने पर लापता व्यक्ति की सिविल मृत्यु की घोषणा के वाद की इकतरफा सुनवाई की जाकर वाद का फैसला कर दिया जावेगा।

नोटिस आज दिनांक 27-03-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर न्यायालय की आज्ञा से

रीडर
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट,
सुजानगढ़ (चूरू) राज.

निविदा सूचना 08 /2025-26

एदत् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यलय द्वारा चूरू जिला स्तर पर RSWAN पॉप रूम स्थानांतरित करने के लिए एल्यूमिनियम के पार्टिशन, दरवाजे, सिविल कार्य, लाईट फिटिंग इत्यादि कार्य करवाये जाने हेतु निविदाये आमंत्रित की जाती है । निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी लोक उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर NIB Code ITC2526A0034 Bid Title/(UBN) ITC2526WSOB00033 एवं कार्यालय नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।
अनुमानित लागत 3.72 लाख रूपये ।
नोट- निविदा में RTPP Act 2012 & Rules 2013 के नियम लागु होगे ।

DIPR/C/11637/2025

कार्यालय- सदस्य सचिव, रा. मे.रि. सो. राजकीय डी. बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

Email: msdbhchuru@gmail.com, Phone: -01562-250333
क्रमांक- RMRS/लेखा / विज्ञापन / 2025-26/3163 दिनांकः-12/8/25

विज्ञापन सूचना

इस चिकित्सालय में प्राप्त विभागीय दिशा निर्देशों के अनुसार रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहन के संचालन हेतु निम्नलिखित स्टॉफ आर. एम. आर.एस के माध्यम से संविदा पर लिये जाने हेतु निर्धारित आवेदन आमंत्रित किये जाते है-

क्र.स.	पदनाम	मानदेय प्रतिमाह	योग्यता
01	चिकित्सा अधिकारी	50000/-	एमबीबीएस + आरएमसी पंजीकरण + ब्लड बैंक में अनुभव को प्राथमिकता
02	लैब टेक्निशियन (02)	7500/-	सीनियर सैकण्डरी विज्ञान एवं डीएमएलटी / बीएससीएलटी/ एमएससीएलटी+ आरपीएमसी पंजीकरण + ब्लड बैंक अनुभव को प्राथमिकता

नोटः-
01. उक्त विज्ञप्ति के संबंध में आवेदन पत्र मय शर्ते अधीक्षक राजकीय डी.बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू, कार्यालय की संस्थापन शाखा कमरा 102 से प्राप्त किये जा सकते है।
02. निर्धारित प्रपत्र में आवेदन दिनांक 01.09.2025 को सांय 5.00 बजे तक व्यक्तिशः / रजिस्टर्ड / साधारण डाक से बंद लिफाफे में कार्यालय अधीक्षक राजकीय डी.बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू में जमा करवाये जा सकते है। निर्धारित समय के बाद आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जायेगा ।

सदस्य (RMRS)
DIPR/C/11821/2025 राजकीय डी. बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड रतनगढ़

क्रमांक- 1166-1175 दिनांक- 6/8/25

ई-निविदा सूचना संख्या 13 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला चूरू में सड़क निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी । निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB No - PWD2526A2475
UBN No- 1. PWD2526WSOB09152
2. PWD2526WSOB09154
3. PWD2526WSOB09155

DIPR/C/11550/2025

अधिशाषी अभियन्ता
सानिवि खण्ड रतनगढ़

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सरदारशहर

क्रमांक- 1154-1161 दिनांक- 30/07/ 2025

ई-निविदा सूचना सं. 11/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सरदारशहर खण्ड के अन्तर्गत मिसिंग लिंक / नॉन पेचेबल सड़क निर्माण कार्य हेतु कुल 06 कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हों, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन ई-निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। आर. पी.डब्ल्यू. ए. - 100 की शर्त लागू होगी। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट dipr. rajasthan. gov.in एवं विभागीय वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है । SPPP पर अपलोड NIB No. PWD252642324 के UBN No. निम्न प्रकार है

Sn.	UBN No.	Sn.	UBN No.
1	PWD2526WSOB08533	2	PWD2526WSOB08534
3	PWD2526WSOB08535	4	PWD2526WSOB08536
5	PWD2526WSOB08537	6	PWD2526WSOB08538

(राजेन्द्र कुमार सैनी)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड सरदारशहर

DIPR/C/11645/2025

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)

Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504
क्रमांक- न.पा.रा./2025-26/7039 दिनांक- 19/08/25

आपत्ति विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि को गैर कृषि प्रयोजन उपयोग के लिए उपयोग की अनुज्ञा और आंवटन) नियम 2012 के तहत भूमि रूपान्तरण उपरान्त कृषि भूमि के पट्टे के तहत स्वामित्व पट्टे आवंटन व नीचे वर्णित भूमि मे अपने अधिकार राजस्थान नगरपलिका अधिनियम 2009 की धारा 69-क के तहत आवासीय प्रयोजन हेतु पत्रावली प्राप्त हुई है। उक्त वर्णित पत्रावली के पट्टे आवंटन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय दस्तावेजो के अंदर मियाद 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद गुजर मियाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.स.	नाम आवेदनकर्ता	पता	क्षेत्रफल	प्रयोजन
01.	श्री अब्दुल करीम पुत्र श्री अलाउदीन खत्री	वार्ड नं. 20 राजलदेसर	97.44 वर्गमीटर	69-क

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका राजलदेसर

कार्यालय ग्राम पंचायत धानोठी बड़ी पंचायत समिति राजगढ, (चूरू) राज.

क्रमांक- ग्रा.प./निविदा/2025-26/ दिनांक- 14.08.2025

कार्यालय आदेश

इस कार्यालय के वर्ष 2025-26 की अवधि के लिए महात्मा गांधी नरेगा व अन्य योजनाओं में निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु सूचना संख्या 02/2025-26 दिनांक 08.08.2025 से दिनांक 28.08.2025 तक तथा सूचना संख्या 03/2025-26 दिनांक 16.08.2025 से दिनांक 25.08. 2025 तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित शर्त एवं विवरण http://sppp. rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत धानोठी बड़ी
पंचायत समिति (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत कालरी, पंचायत समिति राजगढ, (चूरू) राज.

क्रमांक- ग्रा.प./निविदा/2025-26/ दिनांक- 11.08.2025

खुली बोली आंमत्रण सूचना 01/2025-26

इस कार्यालय के वर्ष 2025-26 की अवधि के लिए निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु दिनांक 12.08.2025 से दिनांक 25.08.2025 तक ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित शर्त एवं विवरण http:// sppp. rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

श्रवण कुमार
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कालरी
पंचायत समिति (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत दूंकर

पंचायत समिति बीदासर

क्रमांकः ग्रा.पं/ खु.नि. / 2025-26 / 56-60 दिनांक- 19.8.2025

निविदा सूचना संख्या 01 (वित्तीय वर्ष 2025-26)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत दूंकर के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुकजी.एस.टी.पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है।निविदा फार्म / शर्तें कार्यालय में तथा SPPP पोर्टल पर उपलब्ध है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की प्रारम्भ दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	ग्राम पंचायत दूंकर के समस्त गावों में पांच माह हेतु घर-घर आवासीय एवं व्यवसायिक से कचरा संग्रहरण एवं पृथक्ककरण, सड़क दूकानों के आगे सफाई व नाली की सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	929256	18590	200	दिनांक 20.8.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 30.8.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 30.8.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 30.8.2025 साय 4.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदा शुल्क, अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा के साथ संलग्न करने होंगे ।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत दूंकर कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी. डी. / बैंकर चैक प्रशासक ग्राम पंचायत दूंकर के नाम बनाना होगा।
4. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।
5. बोलीदाता / संवेदक बंद लिफाफे पर ग्राम पंचायत दूंकर का नाम लिखकर एवं टेण्डर की कॉपी नियमानुसार कार्यालय ग्राम पंचायत सडू छोटी कार्यालय में जमा करावें ।

NIB code ZCR2526A0337 UBN is: ZCR2526SSOB00540

प्रशासक
ग्राम पंचायत दूंकर
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत दूंकर
पं. स. बीदासर (चूरू)

सीकर में एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी करने वाला गैंग पकड़ा, तीन युवक गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सीकर(निस.)। साइबर थाना पुलिस ने एस्कॉर्ट सर्विस और मसाज पार्लर के नाम पर ठगी करने वाले एक शातिर गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है जो शहर में किराए के फ्लैट से लोगों को अपने जाल में फंसाकर पैसे ऐंठते थे। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 मोबाइल फोन, 3 चार्जर, 6 एटीएम कार्ड और एक पावर स्विच बरामद किया है। यह कार्रवाई नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो से मिले इनपुट और ह्यूमन इंटेलिजेंस की सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष जाखड़ (21) निवासी जाखड़ों की ढाणी किशनगढ़ रेनवाल, विकास कुमार (21) निवासी करणपुरा लोसल और आर्यन (20) निवासी बस्सी नागा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि ये तीनों आरोपी सीकर के एसके अस्पताल के पास हनुमान टावर में किराए के फ्लैट में रहते थे और यहीं से ठगी का खेल खेलते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों का रोजाना 20 से 30 लोगों को ठगने का टारगेट रहता था। इनके ठगी का तरीका बेहद चालाकी से भरा था। पहले यह मेंबरशिप शुल्क के नाम पर पीड़ित से 200 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाते थे। इसके बाद इंटरनेट से डाउनलोड की गई लड़कियों की तस्वीरें भेजकर और लोकेशन डालकर हजारों रुपए की मांग करते। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और टेलीग्राम पर आरोपियों ने "शिवानी B2B सर्विस" नाम से विज्ञापन डाला हुआ था। इस विज्ञापन पर क्लिक करते ही पीड़ित सीधे वॉट्सऐप चैट पर पहुंच जाता, जहां आरोपी खुद को एस्कॉर्ट या मसाज सर्विस से जुड़ा दिखाकर बातचीत शुरू कर देते। जैसे ही पीड़ित रकम भेजता, आरोपी उसका नंबर ब्लॉक कर देते। साइबर थाना पुलिस के अनुसार यह गैंग अब तक 500 से ज्यादा लोगों को ठग चुका है। कई पीड़ित शिकायत लेकर सीकर साइबर थाने भी पहुंचे थे। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आईटी एक्ट और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आरोपी इतने शातिर थे कि जब कोई ग्राहक उनसे लोकेशन पूछता तो वे उसके आसपास मौजूद किसी होटल का नाम भेज देते। इससे पीड़ित को विश्वास हो जाता कि सर्विस वास्तविक है और वह तुरंत पैसे ट्रांसफर कर देता। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपियों में कोई केवल 12वीं पास है, तो कोई ग्रेजुएट। फिलहाल पुलिस उनसे पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि क्या इस गिरोह में और भी लोग शामिल हैं। आरोपियों के बैंक खातों और लेनदेन की भी गहन जांच की जा रही है ताकि अब तक हुई ठगी की पूरी रकम का खुलासा हो सके। इस पूरी कार्रवाई में साइबर थाना पुलिस के डीवाईएसपी अनुज डाल के नेतृत्व में एएसआई दीनदयाल, कांस्टेबल लक्ष्मणराम, आनंद, भागीरथ मल, दिलावर और वीरेंद्र शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे साइबर अपराधों से बचने के लिए लोगों को जागरूक रहना होगा और किसी भी तरह की संदिग्ध ऑनलाइन सर्विस में पैसा ट्रांसफर करने से पहले पूरी जांच करनी होगी।

किसान महापंचायत का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन 21 अगस्त को खटकड़ में

जयपुर टाइम्स

अजीतगढ़(निसं.) किसान महापंचायत का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन 21 अगस्त को खटकड़ (किशोरपुरा) मे आयोजित होगा। किसान महा पंचायत के प्रदेश महामंत्री सुंदरलाल भावरिया ने बताया कि इस कार्यकर्ता सम्मेलन में किसान महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष मुसद्दीलाल, संगठन मंत्री गोवर्धन सिंह, जिला अध्यक्ष कैप्टन बलदेव यादव, प्रदेश महामंत्री सुंदरलाल भावरिया समेत कई प्रदेश स्तरीय किसान नेता उपस्थित रहेंगे। भावरिया ने बताया कि इस कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य मुद्दा होगा की शेखावाटी के सीकर जिले के किसानों को सिंचाई का पानी मिले, स्मार्ट मीटर के नाम से आम उपभोक्ताओं को लूटने,एमएसपी खरीद का गारंटी कानून बने, मनरेगा को खेती से जोड़ने एवं कृषि बीमा का सरलीकरण करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी साथ ही बैठक में 6 अक्टूबर को आयोजित होने वाली किसान रैली को लेकर चर्चा की जाएगी।

गौशाला में संधारित गौवंश हेतु सहायता आवेदन की अन्तिम तिथि 22 अगस्त

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। गौसंरक्षण एवं संवर्धन निधि नियम-2016 संशोधित नियम-2021 अन्तर्गत वित्त वर्ष 2025-26 के प्रथम चरण माह अप्रैल, मई, जून - 2025 (90 दिवस) की देय सहायता हेतु गोपालन वेब पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 22 अगस्त, 2025 है। पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ सुनील मेहरा ने बताया कि 22 अगस्त, 2025 के बाद गौशालाओं के ऑनलाईन आवेदन नहीं हो पाएंगे। इसलिए सभी गौशाला प्रबन्धन समितियां निर्धारित तिथि तक सहायता आवेदन करना सुनिश्चित करें। जिला गोपालन अधिकारी डॉ बीआर बायल ने बताया कि आदिनांक तक गौशाला प्रबन्धन समितियों द्वारा 11 आवेदन ही किए गए हैं। निर्धारित दिनांक तक ऑनलाईन आवेदन अपलोड नहीं करने वाली गौशालाओं की पात्रता पर विचार नहीं किया जाएगा एवं गौशाला को सहायता देय नहीं होगी। आवेदन में तकनीकी सहायता हेतु कार्यालय समय में सम्पर्क किया जा सकता है। ऑफलाइन सहायता आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगें।

औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर गुरुवार को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र द्वारा गुरुवार, 21 अगस्त, 2025 को सवेरे 10 बजे जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल में औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर आयोजित किया जाएगा। उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने बताया कि शिविर में चूरू के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं, उद्यमियों, बेरोजगारों को उद्योग विभाग की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, डॉ भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी, राजस्थान एक जिला एक उत्पाद पॉलिसी, राजस्थान एक्सपोर्ट पॉलिसी, उद्यम रजिस्ट्रेशन, हस्त शिल्प परिचय- पत्र आदि विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि उद्योग/सेवा क्षेत्र व व्यवसाय के क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक व्यक्ति अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर विभागीय योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

देवनारायण सेवा समिति रेला की ओर से 10वीं पदयात्रा का आयोजन

जयपुर टाइम्स

पाटन(निसं.)। देवनारायण सेवा समिति रेला, तहसील पाटन की ओर से इस वर्ष 10वीं पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। समिति अध्यक्ष रामेश्वर चेची ने जानकारी दी कि पदयात्रा का शुभारंभ 21 अगस्त को प्रातः 6 बजे रेला से झंडा पदयात्रा के रूप में किया जाएगा। यह यात्रा कोटपुतली के लिए रवाना होगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। अध्यक्ष चेची ने बताया कि जो भी श्रद्धालु इस धार्मिक यात्रा का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे रेला स्थित देवनारायण स्थान पर संपर्क कर सकते हैं। पदयात्रा के मार्ग में श्रद्धालुओं के लिए उचित व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रा सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके। समिति उपाध्यक्ष पूरणमल चेची ने बताया कि यात्रा 22 अगस्त को भाभरू पहुंचेगी। यहां तक भी इच्छुक भक्त जुड़ सकते हैं और आगे की यात्रा में सहभागिता कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक श्रद्धालु इस पदयात्रा में भाग लेकर भगवान देवनारायण के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करें। पदयात्रा का समापन 28 अगस्त को जोधपुरिया धाम, निवाई (टोंक) में होगा। समापन अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्षेत्रभर से भक्तजन सम्मिलित होंगे। इस अवसर पर समिति ने सभी श्रद्धालुओं और भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं और आह्वान किया है कि वे यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लें।

उपजिला अस्पताल की मेडिकल रिलीफ सोसायटी की बैठक का हुआ आयोजन

अजीतगढ़(निसं.) कस्बे के बाबा नारायण दास राजकीय उपजिला चिकित्सालय में नीमकाथाना के अतिरिक्त जिला कलेक्टर भागीरथ साख एवं अस्पताल के पीएमओ डॉक्टर अशोक कुमावत एवं सोसायटी के सदस्यों की उपस्थिति में मेडिकल रिलीफ सोसायटी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कई प्रस्ताव पारित किए गए। पीएमओ डॉक्टर अशोक कुमावत ने बताया कि बैठक में अस्पताल की सुरक्षा के लिए संविदा पर गार्ड लगाने, इलेक्ट्रीशियन, फार्मासिस्ट लगाने के प्रस्ताव लिए गए साथ ही बैठक में सदस्यों ने अस्पताल के लेबर रूम एवं ऑपरेशन थिएटर की मरम्मत कराकर रंग रोगन कराने का मुद्दा उठाया जिस कारण बैठक में इन दोनों का प्रस्ताव भी पारित किया गया। कुंबावत ने बताया कि दांतों व ईएनटी समेत ऑर्थो के लिए उपकरण खरीदने के लिए जिला कलेक्टर की अनुमति मिलने पर ही उपकरण खरीदने का प्रस्ताव लिया साथ ही अस्पताल की एंबुलेंस का किराया पहले प्रति किलोमीटर 12 रुपए था जिस कारण इसका किराया बढ़ाकर प्रति किलोमीटर 15 करने का प्रस्ताव लिया गया। कुमावत ने बताया कि इस बैठक अन्य कई छोटे बड़े प्रस्ताव भी लिए गए। इस अवसर पर एडीएम ने कहा कि अस्पताल में किसी प्रकार की कौताई नहीं होनी चाहिए इस समय मौसमी बीमारियों का प्रकोप चल रहा है इसलिए सभी कर्मचारी व चिकित्सक समय पर अपनी ड्यूटी पर आकर मरीज का समुचित उपचार करें। इस अवसर पर सोसाइटी सदस्य सीए नितिन जोशी, शेर सिंह, डॉक्टर मनीष जांगिड़, लेखाधिकारी सरोज, नर्सिंग अधिकारी हरिओम शर्मा समेत अस्पताल के कई चिकित्सक एवं चिकित्सा कर्मी उपस्थित थे।

बाबा आत्माराम महाराज का विशाल मेला 26 अगस्त को

बाबा आत्माराम युवा सेवा समिति एवं ग्रामीणों ने मेले की तैयारी की शुरू

जयपुर टाइम्स

अजीतगढ़(निसं.) निकटवर्ती ग्राम हाथीदेह मे प्रतिवर्ष की भांति भरने वाला बाबा आत्माराम जी महाराज का विशाल मेला 26 अगस्त को भरेगा जिस कारण बाबा आत्माराम युवा सेवा समिति एवं ग्रामीणों ने इस मेले एवं अन्य आयोजनों की तैयारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार 25 अगस्त की रात्रि 10 बजे से श्री टीलाजी सत्संग मंडल खेलना के कलाकारों द्वारा विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा साथ ही 26 अगस्त को दोपहर 1 बजे से शाम 7 बजे तक सुप्रसिद्ध कलाकार राधेश्याम स्वामी की भजन टीम द्वारा भजन एवं नेहडा कार्यक्रम आयोजित होगा एवं विशाल मेले का आयोजन होगा जिस कारण बुधवार को मंदिर स्थल पर बाबा आत्माराम युवा सेवा समिति एवं ग्रामीणों की एक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें मेले एवं अन्य आयोजनो की तैयारीया शुरू की गई इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई जिस कारण जिन कार्यकर्ताओं को जो जिम्मेदारी दी गई है उसी के अनुसार कार्यकर्ता काम करेंगे तो दूसरी तरफ कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने बुधवार की दोपहर से मंदिर परिसर समेत मेला स्थल पर साफ सफाई कर श्रमदान किया।

लोहार्गल की 24 कोसी परिक्रमा में उमड़े श्रद्धालु, भंडारा व कैंप लगा कर रहे सेवा

जयपुर टाइम्स

रघुनाथगढ़, सीकर(निसं.) लोहार्गल धाम से शुरू हुई बाबा मालकेतु की 24 कोसी परिक्रमा में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। परिक्रमा में शामिल बुजुर्ग सिर पर थैला रखकर पहाड़ों पर दुर्गम रास्तों से भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। दिनभर अरावली की वादियों में बाबा मालकेतु के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालु एक दूसरे का सहयोग करते हुए नजर आए। परिक्रमा में सोमवार से ही श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है। खास बात ये है कि परिक्रमा में हर आयु वर्ग के लोग शामिल हैं। परिक्रमा में बच्चों से लेकर युवा, बुजुर्ग एवं महिलाएं शामिल हैं। यात्रा में महिलाएं एक-दूसरे के पैर दबा रही हैं।

ज़जगह-जगह श्रद्धालुओं की मान-मनुहार में जुटे सेवादार

24 कोसी परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए भामाशाहों द्वारा जगह-जगह भंडारे एवं शिविर लगाए गए हैं। भामाशाह रघुनाथगढ़ निवासी राधेश्याम कुमावत ने बताया कि मेरा बेटा शंकर लाल, पोता व पोती हम सब पिछले तीन वर्षों से रघुनाथगढ़ में निःशुल्क जलपान, भोजन, आवास व मेडिकल सेवा की जा रही है। श्रद्धालुओं की मनुहार में कोई कमी नहीं रह रही हैं। बताया कि श्रद्धालुओं को घर जैसी सुविधा मिल रही हैं।

मात्र दो घंटे में कूल्हा प्रत्यारोपण सफल

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निसं.)। उप जिला अस्पताल तारानगर में पहली बार सम्पूर्ण कूल्हा प्रत्यारोपण (टोटल हिप रिप्लेसमेंट) का ऑपरेशन आयुष्मान भारत आरोग्य योजना के तहत निशुल्क किया गया। उल्लेखनीय है कि यह जटिल सर्जरी मात्र दो घंटे में सफलतापूर्वक पूरी की गई। हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक वर्मा ने बताया कि ढाणी माना गांव के 50 वर्षीय गंगाराम पिछले कई वर्षों से एवशकूलर नेक्रोसिस (एवीन) बीमारी से पीड़ित थे। इस रोग में कूल्हे का जोड़ पूरी तरह खराब हो जाता है। मरीज को सम्पूर्ण कूल्हा प्रत्यारोपण की सलाह दी गई, जिसके अंतर्गत पूरा जोड़ बदलना आवश्यक होता है। ऑपरेशन के बाद मरीज को सामान्य वार्ड में भर्ती किया गया। अस्पताल के पीएमओ डॉ. देवीलाल जोशी ने बताया कि निश्चेतना विभाग के डॉक्टरों सहित पूरी सर्जिकल टीम ने मिलकर ऑपरेशन को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत इस ऑपरेशन में उपयोग किए गए सभी इंप्लांट्स और इंस्ट्रूमेंट्स निशुल्क उपलब्ध कराए गए। डॉ. जोशी ने आगे कहा कि अब मरीजों को घुटना और कूल्हा बदलवाने जैसी जटिल सर्जरी के लिए जयपुर या दिल्ली जैसे बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं है। यह सुविधा अब स्थानीय स्तर पर तारानगर में ही उपलब्ध है, जिससे ग्रामीण मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। ऑपरेशन टीम में मुख्य सर्जन डॉ. दीपक वर्मा, निश्चेतना विभाग से डॉ. कमलेश भारतीय, तथा नर्सिंग ऑफिसर शिवचरण, बनवारीलाल जांगिड़ और विकास चोपड़ा शामिल रहे। यह उपलब्धि तारानगर के स्वास्थ्य ढांचे के लिए एक बड़ा कदम है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को उन्नत चिकित्सा सुविधाएं नजदीक ही मिल सकेंगी।

योगेश महर्षि बने डॉक्टर, देवली PHC पर संभाली जिम्मेदारी

नांवासिटी(निसं.)।। *गांव बांसा, तहसील मौलासर निवासी योगेश महर्षि पुत्र नटवर लाल महर्षि ने मेडिकल ऑफिसर के रूप में नई जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने हाल ही में देवली, नावां ब्लॉक, जिला डीडवाना कुचामन स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ज्वाइनिंग की है। योगेश महर्षि ने अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई जयपुर स्थित एसएमएस मेडिकल कॉलेज से पूरी की। अब ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने का संकल्प लेकर उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया है। गांव व परिवार में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी और युवाओं को भी शिक्षा व सेवा के लिए प्रेरणा मिलेगी।*

सद्भावना दिवस पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

सीकर(निसं.)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में भारत रत्न एवं देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती "सद्भावना दिवस" के रूप में श्रद्धा और उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्र की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता एनएसएस के पूर्व राज्य समन्वयक और रुक्टा के प्रदेश महामंत्री प्रो. बनय सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राजीव गांधी ने युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मताधिकार देकर उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का अवसर दिया था। लेकिन आज युवाओं के वोट चोरी होने की आशंका लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। इससे न केवल लोकतंत्र कमजोर हो रहा है बल्कि युवाओं को राजनीति में सहभागिता से भी वंचित होना पड़ रहा है। प्रो. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राजीव गांधी के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में समावेशी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना और नवोदय विद्यालयों की स्थापना विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। जबकि वर्तमान की नई शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों में भटकाव लाने वाली सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने 21वीं शताब्दी के भारत की नींव रखने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए। सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर क्रांति के साथ-साथ दूरसंचार क्रांति को घर-घर तक पहुंचाकर उन्होंने देश को तकनीकी प्रगति के नए मार्ग पर अग्रसर किया। पंचायतीराज व्यवस्था में महिलाओं और दलितों को सशक्तिकरण का अवसर देना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना, आर्थिक सुधार और उदारीकरण की शुरुआत करना उनकी दूरदर्शिता का प्रतीक है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने सद्भावना शपथ भी ली और समाज में आपसी भाईचारे, राष्ट्रीय एकता तथा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का संकल्प दोहराया।

स्मार्ट मीटर के विरोध में नवलगढ़ बंद

दुकानें और निजी स्कूलें नहीं खुली, एस एफ आइ ने कहा- महंगे बिल और प्रीपेड सिस्टम से परेशानी

जयपुर टाइम्स

नवलगढ़ (झुंझुनूं) पहले नवलगढ़ में स्मार्ट मीटर हटाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर व्यापक बंद का असर देखा गया। शहर की प्रमुख बाजारों में सुबह से ही दुकानों के शटर बंद रहे। कुछ जगह गोदामें खुली रही,बस स्टैंड क्षेत्र में भी व्यावसायिक गतिविधियां ठप रहीं। केवल मेडिकल स्टोर जैसी आवश्यक सेवाएं ही चालू रहीं। संघर्ष समिति के सदस्यों का कहना है कि स्मार्ट मीटर किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन रहे हैं। पहले से मौजूद बिजली कटौती की समस्या के साथ अब प्रीपेड सिस्टम और महंगे बिल ने स्थिति और भी कठिन कर दी है। बंद को व्यापारी संगठनों के साथ-साथ कांग्रेस और अभिभाषक संघ का भी समर्थन मिला। वकीलों ने अदालत परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। एसएफआई और जयकिसान आंदोलन के कार्यकर्ताओं ने राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में जयकिसान आंदोलन के कैलाश यादव, सूर्यप्रकाश शर्मा, किसान नेता सुभाष बुगालिया और एसएफआई के जिलाध्यक्ष आशीष पचार समेत कई नेता मौजूद रहे।

नवलगढ़ के नाहर सिंह पार्क के पास बंद पड़ी दुकानें

किसान नेता सुभाष बुगालिया ने कहा कि पूंजीपति और सरकार जनता को गुमराह कर उनका ध्यान भटकाने का काम कर रहे हैं। शिक्षा, बेरोजगारी और गरीबी जैसे मुद्दों को दरकिनार कर दिया गया है। मोदी सरकार ने स्मार्ट सिटी के बजाय स्मार्ट मीटर थोप दिए हैं। नवलगढ़ बंद को पूर्ण समर्थन मिला है। जय किसान आंदोलन के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश यादव ने कहा कि स्मार्ट मीटर के विरोध में नवलगढ़ सहित पूरे जिले में बंद का व्यापक असर है। सभी व्यापारियों ने पूर्ण सहयोग दिया है। ऑटो, निजी बसें और स्कूल भी बंद रहे।

नवलगढ़ में कुछ जगह दुकानें व गोदाम खुलीं

नवलगढ़ के चुणा चौक के बिरोल रोड़ पर दुकानें खुली पूरे दिन खुली रही। सुबह घूमचक्कर की दुकानें जब खुली तों बंद करवाने पहुंचे एस एफ आई कार्यकर्ता व किसान संघ व्यापारियों ने उनके आते ही दुकानें बंद करी।

गणेश जन्मोत्सव पर निकलने वाली निशान पद शोभायात्रा की तैयारियां शुरू

जयपुर टाइम्स

नवलगढ़ झुंझुनू(निस)/ गणेश पदयात्रा संघ की ओर से गणेश जन्मोत्सव पर निकलने वाली निशान पद कलश शोभायात्रा के लिए संघ के कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर पम्पलेट कूपन वितरित कर जनसंपर्क किया। संयोजक विशाल पंडित ने जानकारी बताया कि जनसंपर्क सह संयोजक दिलीप प्रजापति, डीके प्रजापत के नेतृत्व में सोमवार को वीर बालाजी मंदिर से शुरू हुआ। इसके बाद वार्ड नंबर 11,13,41,44,38,39 कुमावत मोहल्ला, बावड़ी गेट, पीपली चौक, टीला की बगीची, प्रजापति मोहल्ला, आंवले वाले बालाजी के पास आदि जगह जनसंपर्क किया गया। इस मौके पर दिलीप प्रजापति डीके प्रजापत, बाबूलाल किरोड़ीवाल, सरिता, बबली, आकाश कुमावत मौजूद रहे इस वर्ष नवलगढ़ के विभिन्न जगह से गणेश जन्मोत्सव शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो डुडंलोद के अष्टविनायक धाम, सिद्धि विनायक धाम, मुख्य बाजार नवलगढ़ गणेश मंदिर प्रस्थान करेगी।

श्री आदर्श रामलीला परिषद् की कार्यकारिणी का गठन, सुणालाल सैनी बने अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

थोई(निस)। भट्टा स्टैंड सैनीपुरा थोई में श्री आदर्श रामलीला परिषद् की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से सुणालाल सैनी को अध्यक्ष चुना गया। परिषद् के अन्य पदाधिकारियों में कोषाध्यक्ष मंगलचंद, उपाध्यक्ष रामप्रकाश, मंत्री कमलेश कुमार तथा संगठन मंत्री सूबेदार सत्यनारायण सैनी बनाए गए। वहीं स्टोर प्रमुख की जिम्मेदारी भागीरथ पटेल और बनवारी लाल पटेल को सौंपी गई परिषद् में संरक्षक के रूप में रामपाल नरूका, डूंगर मल, छाजूराम, मुरलीधर, रामजीलाल कंपाउंडर, अशोक कुमार (जगन) और मोहनलाल खडोलिया को शामिल किया गया। निदेशक पद पर प्रहलाद राम सैनी को चुना गया, जबकि सहायक निदेशक की जिम्मेदारी अनिल कुमार थोई संभालेंगे। अनिल कुमार ने बताया कि परिषद् द्वारा रामलीला मंचन का आयोजन 20 सितम्बर से भट्टा स्टैंड पर किया जाएगा। हर वर्ष की तरह इस बार भी भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र को मंचन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। यह आयोजन सनातन संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। रामलीला में आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं और धार्मिक उत्साह के साथ इस आयोजन का आनंद लेते हैं। परिषद् पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष भी रामलीला को भव्य स्वरूप देने की तैयारियां जोरों पर हैं।

सहस्त्रघट पूजा का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

दांतारामगढ़(निस)। श्री श्याम कम्प्यूटराईज्ड धर्म कांटा दांता परिसर में स्थित बिल्वपत्र पेड़ के पास चिरंजी लाल कुमावत ठेकेदार द्वारा सहस्त्रघट पूजा का आयोजन किया गया। बुधवार को पंडितों द्वारा, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि विधान से भोले बाबा की सहस्त्रघट पूजा कराई गई। सुबह 8 बजे से शुरू हुई पूजा में यजमान चिरंजी लाल कुमावत ठेकेदार सपरिवार शामिल हुए। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बिल्वपत्र पेड़ के नीचे सहस्त्रघट किया व पूजा अर्चना कर महादेव का दुग्धाभिषेक व जलाभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद भगवान महादेव का श्रृंगार कर महाआरती उतारी गई

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस) देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती पर शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस की ओर से मंडेलिया हाउस, चूरू में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर और देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धांधू ने की। कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व सभापति गोविंद महँसरिया ने कहा कि राजीव गांधी ने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मताधिकार देकर लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया। साथ ही पंचायत राज व्यवस्था और महिला अधिकारों को संवैधानिक बल प्रदान कर समाज को नई दिशा दी। उपसभापति प्रतिनिधि रमजान खान ने उन्हें सादगी और सरलता का प्रतीक बताते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए उनके प्रयास अद्वितीय रहे। शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर ने वर्तमान हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि आज देश में साम्प्रदायिक ताकतें जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने का काम कर रही हैं। ऐसे समय में हमें राजीव गांधी के आदर्शों और उनके बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा करनी होगी। देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धांधू ने कहा कि राजीव गांधी का जीवन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और हमें उनके आदर्शों से शक्ति लेकर पार्टी व समाज को मजबूत करना होगा। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने कहा कि स्व. राजीव गांधी ने देश में कंप्यूटर और संचार क्रांति का आगाज कर भारत को आधुनिकता की राह पर अग्रसर किया। उस समय विपक्ष ने इसका मजाक उड़ाया था, लेकिन आज उसी क्रांति की वजह से भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत स्थान बनाए हुए है। पूर्व उपजिला प्रमुख सोहनलाल मेघवाल ने कहा कि राजीव गांधी का बलिदान और देश के विकास में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर पुष्प अर्पण कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अबरार खां, आशाराम सैनी, शिवकुमार शर्मा, आमीन खां, बाबू मंत्री, योगेश ढाका, शंकर चंदेलिया, अली मोहम्मद भाटी, राजीव बहड, गोकुल शर्मा, बजरंग बजाड, महबूब कुरेशी, जितु सिंह जसरासर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय प्रीतमपुरी में मनाया जा रहा गाजरघास उन्मूलन सप्ताह

जयपुर टाइम्स

थोई(निस)। कृषि महाविद्यालय, प्रीतमपुरी में 16 से 22 अगस्त तक गाजरघास उन्मूलन सप्ताह मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को गाजरघास (पार्थेनियम हिस्टोफोरस) के खतरों से अवगत कराना और इसके प्रभावी प्रबंधन के लिए प्रेरित करना हैझ्र गाजरघास एक आक्रामक खरपतवार है जो मानव और पशु स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के साथ-साथ कृषि और पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचाता है। इसे कांग्रेस घास, सफेद टोपी, छतक चांदनी और गंधी बूटी जैसे नामों से भी जाना जाता है। इसका मूल स्थान वेस्टइंडीज और उत्तरी व मध्य अमेरिका माना जाता है। आज यह खरपतवार भारत के लगभग 35 मिलियन हेक्टेअर क्षेत्र में फैल चुका है और अब खेत-खलिहानों में भी प्रवेश कर चुका है। इसकी खासियत यह है कि यह किसी भी वातावरण में तेजी से उग जाता है और इसके बीज नमी मिलते ही तुरंत अंकुरित हो जाते हैं।

सप्ताह के दौरान आयोजित गतिविधियां

कार्यक्रम का शुभारम्भ अधिष्ठाता डॉ. एस. के. खण्डेलवाल ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. एन. के. बरोड़ ने गाजरघास के खतरों और इसके प्रबंधन के उपायों पर जानकारी दी। व्याख्यान और कार्यशालाओं में डॉ. बी. एन. शर्मा, डॉ. राजहंस वर्मा, डॉ. राजू चौधरी, डॉ. मीरा चौधरी, डॉ. मुकेश चौधरी और डॉ. जतिन तंवर ने भाग लिया और विस्तृत जानकारी दी। किसानों को गोष्ठियों के माध्यम से गाजरघास प्रबंधन की जानकारी दी गई। छात्रों की रैलियां और प्रदर्शनियों का आयोजन कर उन्हें जागरूक किया गया। साथ ही गाजरघास को उखाड़कर खाद बनाने की विधि और असिंचित क्षेत्रों में फूल आने से पहले खरपतवारनाशकों के उपयोग की जानकारी भी दी गई।

खतरनाक प्रभाव

गाजरघास जहां फसलों की उपज घटाता है, वहीं स्थानीय वनस्पतियों के बढ़ने में बाधा डालकर जैवविविधता को प्रभावित करता है। मनुष्यों में यह त्वचा रोग, बुखार और दमा जैसी समस्याओं का कारण बनता है।

सहयोग और संकल्प

इस अभियान में अशैक्षणिक कर्मचारी संतोष यादव, रविकांत शर्मा, चैन सिंह, जितेंद्र मीना, प्रिया मीना और हंसराज सिंह सहित कई लोगों ने सहयोग दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यदि सामूहिक प्रयास किए जाएं तो गाजरघास जैसी खतरनाक समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

मण्डावा में स्मार्ट मीटर के खिलाफ बंद, बाजार से लेकर स्कूल तक रहे बंद

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। झुंझुनूं जिले में बुधवार को स्मार्ट मीटर के विरोध में बुलाए गए बंद का व्यापक असर देखने को मिला। मण्डावा में सुबह से ही बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। दुकानों से लेकर स्कूलों तक ताले लटक गए। स्मार्ट मीटर हटाओ संघर्ष समिति द्वारा किए गए इस आह्वान को नगर के विभिन्न संगठनों और आमजन का समर्थन मिला। नगर पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी ने भी बंद का समर्थन करते हुए व्यापारियों से अपनी प्रतिष्ठानें बंद रखने की अपील की और चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। बार एसोसिएशन और संगठनों का समर्थन विरोध प्रदर्शन के दौरान बार एसोसिएशन ने अदालत परिसर में कार्य का बहिष्कार किया और नारेबाजी कर स्मार्ट मीटर विरोधी आंदोलन को समर्थन दिया। संघर्ष समिति से जुड़े लोगों ने कहा कि बिजली कटौती की समस्या पहले से बनी हुई है, अब महंगे प्रीपेड बिलों ने उपभोक्ताओं और किसानों की परेशानी और बढ़ा दी है।

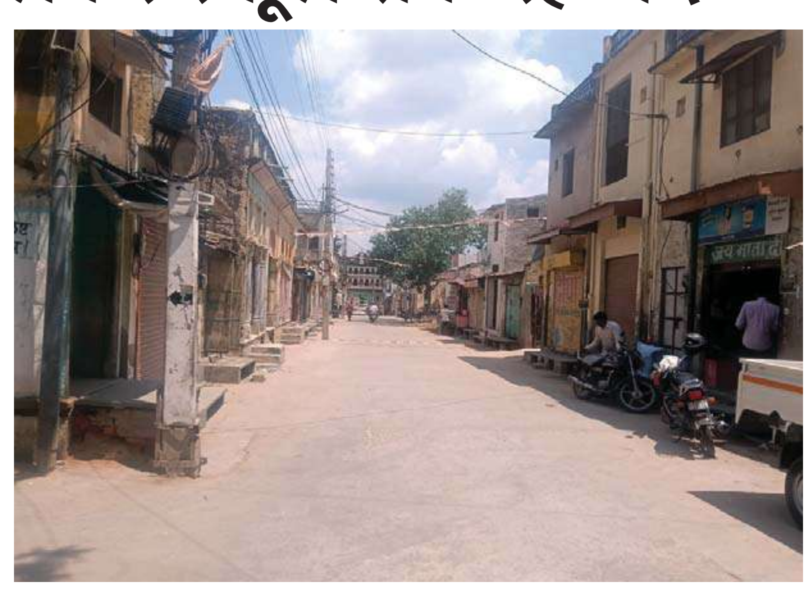

लोगों का विरोध क्यों?

ग्रामीणों और उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद से बिजली बिलों में कई गुना वृद्धि हो गई है। हर महीने बिना किसी स्पष्ट कारण के अतिरिक्त चार्ज जोड़े जा रहे हैं। खराब तकनीक के कारण उपभोक्ताओं को बार-बार बिजली गुल होने और रीचार्ज की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, लोगों का कहना है कि बिजली विभाग ने पारदर्शिता के बिना जबरन यह मीटर लगाए हैं और उनकी सहमति तक नहीं ली गई।

सरकार का पक्ष

वहीं, सरकार का दावा है कि स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं का बिल बढ़ने की बात पूरी तरह गलत है। यह व्यवस्था बिलिंग प्रक्रिया को पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए अपनाई गई है। सरकार के अनुसार उपभोक्ताओं पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं डाला जाएगा। स्मार्ट मीटर से निर्धारित तिथि को बिल स्वतः जनरेट होगा और भुगतान के लिए मौजूदा सभी विकल्प उपलब्ध रहेंगे।

उत्कृष्ट सेवा के लिए शिक्षक संजीव जानूं का सम्मान

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। बहादुरवास ग्राम पंचायत की ओर से मंगलवार को शिक्षक संजीव जानूं का उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सेवा के लिए सम्मान किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि जानूं ने विगत डेढ़ दशक से अधिक समय तक बहादुरवास में अपनी सेवाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया है। स्थानांतरण के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में ग्राम पंचायत सरपंच बृजेश सेवदा, पंच सुभाष स्वामी, व.स. सरनाम सिंह पूनिया और आरटीआई कार्यकर्ता राजवीर सिंह जानू सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर संजीव जानूं को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। ग्रामवासियों ने कहा कि शिक्षक जानूं ने न केवल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी सक्रिय योगदान दिया। उनकी सेवाओं को ग्राम और पंचायत स्तर पर उत्कृष्ट मानते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया है। सम्मान प्राप्त करते हुए संजीव जानूं ने ग्राम पंचायत और ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि बहादुरवास में बिताया गया समय सदैव स्मरणीय रहेगा। उल्लेखनीय है कि उनका तबादला अब मौजास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हो गया है।

बालिकाओं को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

जयपुर टाइम्स

मण्डावा (निस)। आज की युवा पीढ़ी में मादक पदार्थो के बढ़ते दुष्प्रभावों को रोकने तथा नशा मुक्त भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए हेत्तमसर स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में समस्त स्टाफ सदस्यों व उपस्थित छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई गई । महाविद्यालय के सहायक आचार्य सुभाष चन्द्र ने छात्राओं को मादक पदार्थो के सेवन से बचने तथा उन्हें नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करेगा । इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी अविनाश कुमार मील, वन्दना कुमारी, योगेन्द्र कुमार, रविकान्त मीणा, प्रियंका आदि संकाय सदस्य एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे ।

नारायणी सेना ने डीबी अस्पताल में किया पौधरोपण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस) राजकीय भरतिया अस्पताल में नारायणी सेना की ओर एक पौधा माता नारायणी के नाम अभियान के अंतर्गत बुधवार को पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर नारायणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनिल गहलोत ने बताया कि नारायणी सेना ने पूरे हिन्दुस्तान में 11 लाख पौधें लगाने का निर्णय लिया है। गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी में पौधें लगाये जायेंगे। गहलोत ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम-सब अधिक से अधिक पौधें लगाकर प्रकृत्ति को और अधिक सुन्दर बनायेंगे। कार्यक्रम में नारायणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गहलोत, पार्षद हरिराम चौपड़ा, डॉ. मोहम्मद आरिफ, डॉ. अजित गढ़वाल, अस्पताल उप अधीक्षक डॉ. इद्रीस, जिलाध्यक्ष अनिल सैन, लालू प्रसाद, राकेश, हरी, ईश्वर राम, आशुराम, उत्तम सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

जयपुर में मनाया गया सद्भावना दिवस, डॉ. लाहोरा समेत कई हस्तियां सम्मानित

राजीव गांधी समरसता अवार्ड से नवाजी गईं 25 प्रतिभाएं, 7 को मिला समरसता रत्न अलंकरण

जयपुर टाइम्स

मंडावा/जयपुर,(निस) भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच और समरसता इंटरनेशनल कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में सद्भावना दिवस का आयोजन जयपुर के रोटरी क्लब भवन में किया गया। कार्यक्रम में देश की जानी-मानी हस्तियों ने भाग लिया और राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निर्माता बताया। समारोह के मुख्य अतिथि डा. सी.पी. जोशी (पूर्व केबिनेट मंत्री, भारत सरकार), भंवर जितेंद्र सिंह पूर्व केबिनेट मंत्री,, डा. हुकमचंद गनेशिया (ग्लोबल चांसलर, इंटरनेशनल रोमा कल्चर यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली) और वैद्य श्याम सुंदर पारिक (प्रदेश मुख्य संरक्षक, बजरंग सेना राजस्थान) रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान और आधुनिक भारत की नींव रखने का श्रेय राजीव गांधी को जाता है।

आगामी कार्यक्रम

चयन समिति सदस्य इंजी. नरेंद्र कुमार पांडे ने बताया कि सभी चयनित प्रतिभाओं को आगामी 27-28 दिसम्बर को नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भी आमंत्रित किया गया है, जो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को समर्पित होगा। मंच संचालन भी इंजी. नरेंद्र कुमार पांडे ने किया और कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

अवार्ड और अलंकरण

इस अवसर पर मंच की चयन समिति द्वारा सात विभूतियों को राजीव गांधी समरसता रत्न अलंकरण प्रदान किया गया। इनमें महामंडलेश्वर स्वामी विष्णु शरण महाराज (जयपुर), श्री रामनाथ महाराज (सिरोही), सेठ रमेश कुमार जैन (जालोर), गुलाब सिंह भाटी (फलोदी), भगवान सिंह यदुबंशी (डीग), डा. टेकचंद भंडारी (हिमाचल प्रदेश) और इंजी. नरेंद्र कुमार पांडे (भुसावर) शामिल रहे। वहीं, डॉ. कैलाश किशन लाहोरा सहित 25 प्रतिभाओं को राजीव गांधी समरसता अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में बंशी लाल जैन, राकेश कुमार बलोदा, सुरेश कुमार मेघवाल, डॉ. मुकेश कुमार, पवन अग्रवाल, डॉ. तिहिना प्रकाश शर्मा, मुरली मनोहर चोबदार, रामदेव सिंह पुनिया, नीलेश पालीवाल, डॉ. गंगाशंकर गर्ग, शांति लाल प्रजापत, एडवोकेट शंकरलाल चौधरी, इन्द्रजीत सिंह रंधवा, राधेश्याम सिद्ध, हाजी इकबाल खां, पुखराज सोनी, मिर्जा इकबाल बैग, विजय व्यास, दलपत पंवार, सरिता चौधरी और गोमाराम बारूपाल शामिल हैं।

एमडीआर 415 सड़क के लिए नहीं रुकेंगे कदम, और तेज होगा आन्दोलन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निसं.) एमडीआर 415 सड़क उपखंड धोद एवं लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में एक साल पहले भढाडर से जीणमाता धार्मिक कोरिडोर 75 किलोमीटर की प्रस्तावित सड़क का 13 अगस्त को सांवलोदा पिरोहितान, लोठजी धार्मिक स्मारक बठोठ एवं हरिराम बाबा मंदिर चूड़ोली के मुख्य मार्ग में संशोधन कर इस सड़क की दिशा बदलने को लेकर आंदोलनरत सांवलोदा पिरोहितान के ग्रामीणों का बुधवार को सभा में गुस्सा फुट पड़ा। एमडीआर सड़क की दिशा बदले हुए मार्ग को वापिस जोड़ा जाये को लेकर आर पार की लड़ाई लड़ने का तीनों गांवो में अलग अलग हूई सभाओं में बनाई गई कमटी के सभी सदस्यों ने सामुहिक निर्णय लिया। सभा में खुमाराम गढवाल और बजरंग लाल शर्मा ने बताया की पहले प्रस्तावित एमडीआर सड़क के मार्ग में केवल हमारा कांटा और दूकान टुटने की ही नौबत आयेगी उसका इस सड़क के लिए हम साधन संपन्न लोग इस नुकशान को भुकतने के लिए तैयार है। लेकिन इस सड़क का बदला गया खाकोली मार्ग पर गरीबों एवं किसानों के सैंकड़ों मकान टुटेंगे उसे पुराने बसा हूआ गांव उजड़ जायेगा और ग्रामीण भी बर्बाद हो जायेंगे। खाकोली मार्ग रास्ते पर लोगों का कम नुकसान हो उस तरह की सड़क निर्माण का कार्य करवाया जाए। लेकिन एक साल से सांवलोदा पिरोहितान लोठजी धार्मिक स्मारक बठोठ, चूड़ोली हरिराम बाबा मंदिर के मुख्य मार्ग पर प्रस्तावित एमडीआर सड़क को इसी मार्ग पर बनाई जाये यह मार्ग चारों ओर से सैकड़ों गांवो को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता है।विजय ढाका ने सम्बोधित करते हुए कहा की शासन प्रशासन की गलत निती से सड़क की दिशा बदलने से गांव चौक से लोठजी स्मारक की ओर आदा किलोमीटर गंदे पानी निकासी नाला एवं सीमेंट की डबल सड़क लेप्स होने से गांव के विकास में भारी नुकसान दिखने लगा है। इस नुकशान की भरपाई पहले से प्रस्तावित एमडीआर मार्ग पर सड़क बने तभी भरपाई होगी।धनपाल ढाका ने कहा इस सड़क से गांव के विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलता सीकर और सालासर के लिए बेहतरीन आवा गमन होने से गांव में व्यापार, सामाजिक और आर्थिक स्तर की मजबुताई में बढोत्तरी होती। बदले हूए मार्ग पर इतनी बड़ी सुविधाएं नहीं मिल पायेगी उस रास्ते पर इतनी चोड़ी सड़क से गरीबों के मकान टुटने का नुकसान जरूर होगा। धनेश ढाका ने कहा की एमडीआर 415 सड़क पहले प्रस्तावित मार्ग पर ही बने इससे गांव में नुकसान कम और फायदा ज्यादा होगा। दिशा बदला हूआ मार्ग पर भी सड़क बननी चाहिए उस रास्ते पर मिसिंग लिंक सड़क सहित अन्य योजना में सड़क बनाई जा सकती है जिससे लोगो के मकान टुटने का भी नुकसान नहीं होगा तथा किसानों को बिना मुआवजा देने की जमीन अधिग्रहण करने की नौबत भी नहीं आयेगी।पूर्व पंचायत समिति सदस्य नरेन्द्र बाटड़ ने कहा पहले से प्रस्तावित एमडीआर 415 सड़क मार्ग को वापिस जोड़ने के लिए फिलहाल सकारात्मक आंदोलनरत से चेतावनी दी जा रही है की पूर्व प्रस्तावित एमडीआर सड़क मार्ग को वापिस जोड़ा जाये वरना धीरे धीरे आंदोलनरत उग्र की ओर अग्रसर होना शुरू हो जायेगा फिर जो भी नुकसान होगा उसका जिम्मेदार शासन प्रशासन होगा।लिछमाराम खीचड़, रामेश्वरलाल ढाका, प्रकाश ढाका,धर्मपाल ढाका,नेमीचंद निठारवाल, गोपाल ढाका,गोविंद सिंह खीचड़,भींवाराम ने भी सम्बोधित करते हुए कहा की शासन-प्रशासन एमडीआर सड़क को वापिस पहले से प्रस्तावित मार्ग सांवलोदा, बठोठ, चुड़ोली की ओर नहीं जोड़ा गया तो आर पार की लड़ाई से आन्दोलन उग्र किया जायेगा।सभा का मंच संचालन महिपाल ढाका, संदीप खोकर एवं प्रकाश ढाका के द्वारा किया गया।इस दौरान बड़ी संख्या ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हरिजन बस्ती से बाबा रामदेव पैदल यात्री संघ गाजे-बाजे के साथ हुआ रवाना

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। शहर के हरिजन बस्ती बाबा रामदेव मंदिर से हर साल की भांति इस साल भी बाबा रामदेव पैदल यात्री संघ गाजे-बाजे के साथ रवाना हुआ है। हरिजन बस्ती बाबा रामदेव मंदिर प्रांगण से विशेष आरती व पूजा अर्चना के बाद पैदल यात्री संघ को रवाना किया गया। सैकड़ो की संख्या में पैदल यात्री संघ में शामिल भक्तों ने बाबा रामदेव जी के धोक लगाने के लिए उत्साह पूर्वक पैदल यात्री संघ के साथ रवाना हुए। पैदल यात्री संघ हरिजन बस्ती से रवाना होकर चौधरी का कुआं, सब्जी मंडी, घंटाघर, रेलवे स्टेशन होते हुए भक्तों द्वारा नाचते हुए उत्साहपूर्वक बाबा रामदेव जी के पैदल यात्रा के लिए रवाना हुए हैं। बाजार में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर पैदल यात्री संघ का व बाबा रामदेव जी के भक्तों का स्वागत किया गया।

राजकीय विद्यालय में दिया सहयोग, भामाशाह का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। शहर के पंडित कैलाश चौमाल के नेतृत्व में उनके परिवार द्वारा प्रहलाद राय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोरी में पूरे स्कूल परिसर में रंग व पेंट का कार्य करवाते हुए स्कूल में आर्थिक सहयोग देकर सराहनीय कार्य किया है। विद्यालय प्रधानाचार्य धर्मवीर व गांव के सरपंच सरवन बुनकर द्वारा भामाशाह परिवार का आभार व्यक्त करते हुए सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा आगे भी विद्यालय में सहयोग करने का आग्रह किया। जिस पर भामाशाह परिवार द्वारा राजकीय विद्यालय में सहयोग करने का आश्वासन दिया। भामाशाह पंडित कैलाश चौमाल ने बताया कि जयपुर के पास स्थित खोरी गांव में हमारे पूर्वजों का गांव है। हमारे पिताजी सरदारशहर में आकर रहने लगे। उसके बाद हमारे द्वारा समय-समय पर गांव के विद्यालय में व गांव के अन्य धार्मिक कार्यों में सहयोग लगातार किया जा रहा है।

यूडीएच मंत्री से मिला वाल्मिकी समाज का प्रतिनिधिमण्डल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। वाल्मीकि समाज का प्रतिनिधिमंडल 13 अगस्त को सुजानगढ़ से समाज की प्रमुख मांगों को लेकर जयपुर के लिए पैदल ही पार्षद रेंवतमल पंवार के नेतृत्व में रवाना हुआ था। गत रात्रि को स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निवास स्थान पर भाजपा नेता विजय चैहान और भाजपा पार्षद रेवंतमल पवार के नेतृत्व में आए समाज के प्रमुख लोगो ने मंत्री के समक्ष अपनी मांगों को रखा। सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता और अनुभव प्रमाण पत्र की अनिवार्यता खत्म करने का निवेदन किया। इसी प्रकार स्वच्छकार आयोग के गठन पर मंत्री खर्रा ने कहा कि इस पर सरकार का निश्चित रूप से सकारात्मक रूख रहेगा और वाल्मीकि समाज के उत्थान के लिए सरकार कटिबद्ध है। इस अवसर पर नरेंद्र गुर्जर, कालू तेजस्वी, नरेंद्र प्रजापत, संतोष बारवासा, रोहित बारवासा, शंकर लाल तेजस्वी, संतोष चंदेलिया, अभिजीत सुंगत, दीपक टाक आदि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्लीपर बस और कैंपर की टक्कर में दो युवकों की मौत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। निकटवर्ती गांव लोढ़सर के पास स्लीपर बस और कैंपर की जबरदस्त भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गई। मंगलवार देर रात करीब एक बजे सुजानगढ़ सालासर रोड पर बस और कैंपर की टक्कर मे कैंपर में टक्कर हो गई थी। हादसे की सूचना पर सुजानगढ़ सदर थाने के हेड कांस्टेबल गिरधारी लाल, 108 टीम और टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार, एंबुलेंस चालक नवरत्न बिजारणिया मौके पर पंहुचे और गंभीर घायलों को सुजानगढ़ के राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल पंहुचाया। जहां डॉ रामरातन बिस्सू, विनोद कुमारी ने घायलों का इलाज किया। चिकित्सकों ने मनोज (28) पुत्र पूनमचंद मेघवाल, निवासी लालमदेसर बड़ा बीकानेर को मृत घोषित कर दिया। वही गंभीर घायल महेश (30) पुत्र रामप्रताप जाट, निवासी लालमदेसर बड़ा बीकानेर को हायर सेंटर रैफर कर दिया। लेकिन रास्ते में महेश की भी मौत हो गई। दोनो मृतकों के शवों को राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। बुधवार को दिन में रिपोर्ट के पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर शवों परिजनों को सौंप दिए गए।

17 अगस्त को मिले अज्ञात शव की नहीं हुई शिनाख्त, तीन दिन बाद पुलिस ने करवाया शव का पोस्टमार्टम

नगर परिषद के कर्मचारियों ने शव का किया अंतिम संस्कार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। तहसील के गांव भादासर के पास 17 अगस्त को एक अज्ञात शव सड़क के किनारे झाड़ियों में मिला था। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव के शिनाख्त को लेकर प्रयास शुरू किए गए थे और शव को राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया था। 3 दिन के बाद भी पुलिस को शव के पहचान का कोई सुराग हाथ नहीं लगा। पुलिस को शव का कोई तथ्य नहीं मिलने के कारण पुलिस द्वारा 3 दिन के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया गया और नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा शव का अंतिम संस्कार करवाया गया। पुलिस थाने के एएसआई प्रदीप कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 17 अगस्त को भादासर गांव के पास सड़क के किनारे झाड़ियों में एक चार-पांच दिन पुराना शव मिला था। अज्ञात शव के व्यक्ति की उम्र लगभग 50 साल के करीब थी। शव को कब्जे में लेकर राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। शव के शिनाख्त को लेकर राजस्थान, हरियाणा, पंजाब सहित अन्य आसपास के पुलिस थानों में सूचना देकर शव के शिनाख्त के प्रयास किए गए। सोशल मीडिया के द्वारा भी शव के शिनाख्त के प्रयास किए गए। लेकिन शव की शिनाख्त नहीं होने के कारण 3 दिन के बाद शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव नगर परिषद के सुपुर्द किया गया और नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा अंतिम संस्कार करवा दिया गया। पुलिस द्वारा मर्ग दर्ज कर शव के शिनाख्त को लेकर जांच शुरू की।

सूने घर में हो गई चोरी की वारदात

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के वार्ड न. 47 में स्थित वाल्मिकी बस्ती में बंद मकान में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। कुलदीप सियोता ने बताया कि उसके पिता कन्हैयालाल सियोता एवं उसका भाई मंगलवार को रामदेवरा पदयात्रा के लिए रवाना हुए थे। शाम के समय घर से मैं, मेरी मां, मेरा भाई उन्हे व संघ को खाना खिलाने के लिए बीदासर से आगे गये थे। रात करीब एक बजे आये, तो रात में बुआ के घर ही सो गये। सुबह आकर देखा तो मकान का कुंटा टूटा हुआ था और अन्दर कमरे में रखी आलमारी का सामान बिखरा हुआ था। चोर आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी चुरा कर भाग गये। पुलिस को सूचना देने पर कोतवाली थाने के हैड कांस्टेबल जगदीश प्रसाद जाखड़ ने आकर मौका देखा।

राजकीय बालिका विद्यालय में होगा 2 कमरों एवं टंकी का शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस.)। उपखंड क्षेत्र के नरोदडा में संचालित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में मुख्यमंत्री जन सहभागिता योजना में दो कमरों एवं पानी की टंकी का शिलान्यास किया जाएगा। प्राचार्या दीपा कुमारी ने बताया कि भामाशाह आधारशिला रखकर विधिवत पूजन करेंगे। शिलांग के स्व कमाख्यालाल सिंघानिया की स्मृति में उनके पुत्रों, एवं स्व. रेखाराम एवं भानाराम ख्यालिया की स्मृति में उनके पुत्र सांवरमल बनवारीलाल ख्यालिया की ओर से एमजीसवाई योजना में इन कमरों का निर्माण करवाया जा रहा है। साथ ग्रामीणों द्वारा प्रेषित राशि से पानी की टंकी बनवाई जाएगी। विभाग के सहायक अभियंता स्योराम ने ठेकेदार को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर विद्यालय विकास समिति के रामकुमार थानेदार, प्रदीप दाधीच, रामेश्वर ख्यालिया, संजय जोशी, कविता चौधरी, प्रवीण, मोहित सैनी, त्रिलोक चंद सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित थे।

सब्जी मंडी से हाथ ठेलों को हटाने पर विधायक ने जताया विरोध

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर की सब्जी मंडी से नगरपरिषद द्वारा हाथ ठेलों को हटाने की कार्यवाही करने पर विधायक मनोज मेघवाल सहित कांग्रेस नेताओं ने उपखंड कार्यालय पंहुच कर एसडीएम से मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने कहा कि नगरपरिषद द्वारा गांधी चैक, स्टेशन रोड़, घंटाघर सहित मुख्य बाजार में आवागमन को बाधित करने वाले अतिक्रमण हटाये नहीं जा रहे हैं और अतिक्रमण के नाम पर मंडी में मजदूरी करने वाले गरीब लोगों के ठेलों को हटाया जा रहा है। विधायक ने कहा कि स्कूल आगे से अतिक्रमण को हटाने को लेकर उनका कोई विरोध नहीं है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप तोदी ने कहा कि अतिक्रमण हटाने से पहले नगरपरिषद आयुक्त द्वारा सभापति को भी कोई सूचना नहीं दी गई और ना ही किसी प्रकार की कोई मुनादी करवाई गई। मंडी में लोगों ने सब्जियां व फल मंगवा लिये, जो कार्यवाही के चलते नहीं बिकने से खराब होंगे, जिसका नुकसान सब्जी वालों को भुगतना पड़ेगा। इस दौरान एकबारगी नगरपरिषद के एसआई मुन्नालाल मीणा, पार्षद इकबाल खान एवं प्रदीप तोदी के बीच नोकझोंक हो गई। इस मौके पर एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा ने कहा कि स्कूल के पास से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये थे, पूरी जांच के बाद ही आगे की कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान इदरीश गौरी, उप सभापति अमित मारोठिया, विद्याधर बेनीवाल, सब्जी मंडी व्यापार मंडल अध्यक्ष मो. मुंशी, बजरंग सैन, फारूक भुट्टा, कार्यवाहक आयुक्त चारवी राव आदि मौजूद थे।

उपखंड कार्यालय पर किया पौधारोपण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। उपखंड कार्यालय पर पौधारोपण किया गया है। नायब तहसीलदार मो. असलम खान, एडवोकेट रामकुमार मेघवाल, अपर लोक अभियोजक, सोहिल गोपालपुरिया, पुरूषोतम चैहान, शिवभगवान सहित अनेक लोगों ने पौधारोपण किया। सोहिल गोपालपुरिया ने बताया कि पौधारोपण के बाद पौधों को संरक्षित करने तथा सिंचाई करने की जिम्मेदारी भी ली गई।

11 साल से फरार चल रहे महिला के अपहरण का आरोपी को जिला स्पेशल पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। तहसील के गांव बंधनाउ निवासी 40 वर्षीय गोपीराम पुत्र रेडाराम जाट को जिला स्पेशल टीम के हेड कांस्टेबल संजय कुमार बसेरा और मंगल सिंह ने गांव बंधनाउ से गिरफ्तार किया है। आरोपी गोपीराम पर महिला का अपहरण करने का आरोप है।आरोपी 11 साल से फरार चल रहा था। 11 साल पहले रतनगढ़ पुलिस थाने में आरोपी पर महिला का अपहरण करने का मामला दर्ज हुआ था। हेड कांस्टेबल संजय कुमार बसेरा ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि चुरु पुलिस अधीक्षक जय यादव ने पिछले लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हेड कांस्टेबल संजय कुमार बसेरा और मंगलसिंह की एक विशेष टीम का गठन किया है। स्पेशल टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए रतनगढ़ पुलिस थाना में दर्ज महिला का अपहरण मामले में पिछले 11 साल से फरार चल रहे आरोपी बंधनाउ निवासी 40 वर्षीय गोपीराम पुत्र रेडाराम को बंधनाउ गांव से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को सरदारशहर पुलिस थाने लाया गया और वहां से रतनगढ़ पुलिस के सुपुर्द किया गया। अब रतनगढ़ पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायालय के आदेश पर अग्रिम कार्रवाई करेगी।

टिकट बुकिंग कर्मचारी लगाने की मांग

सुजानगढ़(नि.सं.)। एबीवीपी नेता राहुल सामरिया ने चूरू जिला कलक्टर को एक पत्र लिखकर सुजानगढ़ के नए बस स्टेंड पर टिकट बुकिंग खिड़की का सुचारू संचालन करने के लिए यहां पर रोड़वेज कर्मचारी लगाए जाने की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि यहां पर रोड़वेज कर्मचारी नहीं होने के कारण लोगों की शंकाओं का समाधान नहीं होता और काफी दिक्कत यात्रियों को होती है, इसलिए जल्द से जल्द टिकट बुकिंग कर्मचारी लगाया जावे।

अखन्ड भारत दिवस कार्यक्रम मनाया

जयपुर टाइम्स

सीकर(निसं.)। हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरगदल, राष्ट्रीय महिला परिषद द्वारा मन्दिर श्री जगत शिरोमणि जी पालवास रोड सीकर मे अखन्ड भारत दिवस का कार्यक्रम मनाया गया। जिसमे मुख्यवक्ता महेन्द्र रामसेवजीका, राष्ट्रीय बंजरगदल प्रान्त अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि आज से 225 वर्ष पुर्व मे सिर्फ हिन्दू ही पुरे संसार मे था सीर्फ सनातन धर्म ही था जब गजनी ने भारत पर आक्रमण किया ओर देश को लूट कर ले गया। उसके बाद 14 वर्ष पहले अंग्रेजों ने भारत को गुलाम बनाया था यानी ईसाईयो ने भारत पर राज किया उसके बाद आजादी से पहले भारत के टुकड़े हो गये बागलादेश भुटान पाकिस्तान नेपाल भारत को खंड खंड कर दिया आज भारत अखन्ड नही है लेकिन हम हिन्दू एक रहगे तो भारत को फीर से अखन्ड कर देगे ओर भारत हिन्दू राष्ट्र बना देगे ओर अगले महिने मे त्रीशुल धारण कार्यक्रम होगा इस मोके पर उपस्थिति थे जिला अध्यक्ष महेश शर्मा, विशेष व्यास, राष्ट्रीय महिला परिषद जिला अध्यक्ष मीनू देवी शर्मा, मयक शर्मा, प्रतीक शर्मा, कुषणा लवली शर्मा, मीना माथुर, जागुर्ती माथुर, चमन माथुर, रेखा कुमावत, प्रिती शर्मा, मधू शर्मा, राजश्री कुमावत, पूजा जागीड, गायत्री शर्मा, पुष्टी शर्मा, भुमीका शर्मा, सहित कार्यकर्ता मोजुद रहे।